E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -88 | प्रयागराज, गुरुवार 12 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका हिंसा- 12 राज्यों के 25 शहरों में प्रदर्शन,लॉस एंजिलिस में शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू, ट्रम्प बोले- सुरक्षाबल पूरी ताकत से निपटेंगे

नयी दिल्ली। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में 5 दिनों से जारी प्रदर्शन के कारण शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू

लगा दिया गया है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरन बैस ने इमरजेंसी की घोषणा की है। वहीं, लॉस एंजिलिस के डाउनटाउन के कुछ हिस्सों में मंगलवार रात 8 बजे से बुधवार 6 बजे तक (स्थानीय समयानुसार) कर्फ्यू लगा दिया गया। सोमवार को यह प्रदर्शन अमेरिका के 12 राज्यों के 25 शहरों तक फैल गया था। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को, डलास, ऑस्टिन, टेक्सास और न्यूयॉर्क जैसे शहरों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए। हालात पर काबू पाने के लिए ट्रम्प ने मंगलवार को लॉस एंजिलिस में 4 हजार नेशनल गार्ड के बाद 700 मरीन कमांडो को भी भेजा था। वहीं सोमवार-मंगलवार को लॉस एंजिलिस पुलिस ने करीब 1100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर लॉस एंजिलिस में हिंसा जारी रही तो वे पूरे शहर में विद्रोह कानून लागू कर सकते हैं। यह कानून सरकार को हिंसा रोकने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करने की इजाजत देता है।ट्रम्प ने कहा- 'पिछले 2 दिन से हालात बेहद बिगड़ रहे हैं, अगर बगावत हुई तो मैं जरूर विद्रोह कानून लागू करूंगा।' वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में होने वाली आर्मी परेड के दौरान प्रदर्शन को लेकर भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रदर्शन करता है तो उसे सेना का सामना करना पड़ेगा। 14 जून को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। इस हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। फिलहाल लॉस एंजिलिस में हिंसा थमती नजर आ रही है।ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने लॉस एंजिलिस में प्रदर्शनों को लेकर डेमोक्रेट नेताओं और चीन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपब्लिकन सांसद बिल एसेयली ने एक पोस्ट में लिखा- इन प्रदर्शनों की फंडिंग डेमोक्रेट समर्थित संगठनों और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ी संस्थाओं द्वारा की जा रही है। एसेयली ने कहा कि आईसीई के खिलाफ यह प्रदर्शन चिरला ने आयोजित किया था। जिसे 2023 में बाइडेन प्रशासन के दौरान करीब 285 करोड़ रुपए की ग्रांट मिली थी। मार्च 2025 में होमलैंड सिक्योरिटी ने उनकी फंडिंग पर रोक लगाई और बकाया राशि वापस ले ली। रिपब्लिकन नेताओं ने पीएसएस पर भी शक जताया है कि उसे चीनी अरबपति नेविल सिंगहम से फंडिंग मिलती है। जो अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शनक करने वालों को पैसे देते हैं।राष्ट्रपति ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स को भेजा है। हालांकि कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिलिस की मेयर कैरन बैस ने नेशनल गार्ड्स भेजने का विरोध किया है। यह पहला मौका है जब किसी राज्य में नेशनल गार्ड को बिना गवर्नर की अनुमति के भेजा गया। लॉस एंजिलिस में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया था। इसी का विरोध हो रहा है। छापेमारी राष्ट्रपति ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी का हिस्सा है।ट्रम्प के नेशनल गार्ड और मरीन्स को भेजने की आलोचना करते हुए लॉस एंजिलिस

मेयर बास ने कहा- 'अभी हम अंधेरे में हैं। हमें नहीं पता कि कब क्या होने वाला है। हमारे पास इस स्थिति से निपटने की क्षमता है, और हमें सेना या नेशनल गार्ड की जरूरत नहीं है, खासकर तब जब हमने इसके लिए कहा ही नहीं था। राष्ट्रपति ने राज्यपाल से शक्ति छीन ली है, यह अस्वीकार्य है।' वहीं, ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम को गिरफ्तार करने की बात कही थी। ट्रम्प ने कहा, 'न्यूसम ने बहुत खराब काम किया है। उनका सबसे बड़ा जुर्म है कि वो फिर से गवर्नर बनना चाहते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें न्यूसम पसंद हैं, लेकिन कामकाज में कमजोर लगते हैं।ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी के तहत आईसीई को हर दिन बिना दस्तावेज वाले 3000 आप्रवासियों को रिकॉर्ड संख्या में गिरफ्तार और डिपोर्ट करने का लक्ष्य है। छापेमारी की एक वजह कुछ व्यापारियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करना भी है। अधिकारियों के मुताबिक, हर दिन करीब 1600 अवैध अप्रवासियों को पकड़ा जा रहा है। दरअसल, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने दावा किया कि एक हजार प्रदर्शनकारियों ने एक फेडरल ऑफिस को घेरकर आईसीई अधिकारियों पर हमला किया। इन प्रदर्शनकारियों में मुख्य तौर से आप्रवासी समुदाय के समर्थक, स्थानीय निवासी, और आप्रवासी अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन जैसे कोएलिशन फॉर ह्यूमन इमिग्रेंट राइट्स और नेशनल डे लेबर ऑर्गनाइजिंग नेटवर्क के सदस्य हैं। आईसीई, होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट, एफबीआई और ड्रग इन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन के एजेंट्स ने मिलिट्री स्टाइल में छापेमारी की।एजेंट्स ने भारी हथियारों और सिक्योरिटी गियर जैसे गैस मास्क पहने थे। उन्होंने फ्लैश-बैंग ग्रेनेड, आंसू गैस और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। वेस्टलेक डिस्ट्रिक्ट में दो होम डिपो स्टोर, फैशन डिस्ट्रिक्ट में अंबियांस अपैरल, साउथ लॉस एंजिलिस में एक वेयरहाउस और एक डोनट शॉप पर छापेमारी की गई।ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों को रिकॉर्ड संख्या में निर्वासित करने और अमेरिका-मेक्सिको सीमा बंद करने का वादा किया है। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने प्रदर्शनों को कानून और देश की संप्रभुता के खिलाफ विद्रोह करार दिया। प्रदर्शनकारी रॉन गोशेज ने रॉयटर्स से कहा- 'वे हमारे लोगों को किडनैप नहीं कर सकते। हम एकजुट होकर कड़ा विरोध करेंगे।'

ट्रम्प ने नेतन्याहू से गाजा जंग खत्म करने को कहा,ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमले को मंजूरी नहीं, बातचीत जारी रखना चाहते हैं ट्रम्प

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मंगलवार को फोन पर बातचीत की। इस दौरान ट्रम्प ने नेतन्याहू से गाजा में जंग को खत्म करने के लिए कहा है।इजराइल के चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि गाजा में सीजफायर और बंधकों की रिहाई तक ही बात नहीं रुकनी चाहिए, बल्कि जंग को पूरी तरह खत्म किया जाए।इसके अलावा ट्रम्प ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला करने को लेकर भी फिलहाल मंजूरी नहीं दी है।रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने यह भी कहा कि जंग रुकने से ईरान और सऊदी अरब के साथ चल रही बातचीत में मदद मिलेगी।डोनाल्ड ट्रम्प ने नेतन्याहू से बातचीत में यह साफ किया कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु डील पर समझौते के लिए कोशिशें जारी हैं।हालांकि ट्रम्प ईरान के हालिया प्रस्ताव से सहमति नहीं है। उन्होंने कहा कि फिर भी बातचीत के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं।इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमेशा सैन्य दबाव बना रहना चाहिए। हालांकि ट्रम्प ने फिर भी ईरान पर सैन्य हमले को टालने पर जोर दिया।इस पर

नेतन्याहू ने जवाब दिया कि ईरान पर हमेशा एक विश्वसनीय सैन्य दबाव बना रहना चाहिए। लेकिन ट्रम्प ने दोबारा दोहराया कि बातचीत के दौरान सैन्य हमले की संभावना को टाल देना चाहिए।रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प तब तक सैन्य कार्रवाई पर चर्चा नहीं करेंगे जब तक वे यह तय नहीं कर लेते कि कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो चुके हैं।ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड और नॉर्वे ने मंगलवार को इजराइल सरकार के दो कट्टर दक्षिणपंथी मंत्रियों इतामार बेन-गवीर और बेजालेल स्मोतरिच पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इन पर कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा भड़काने का आरोप है।दोनों मंत्री गाजा जंग को जारी रखने के पुरजोर समर्थक हैं। अब इन पर यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति जब्त होने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।पश्चिमी देशों ने गाजा जंग की शुरुआत के बाद से इजराइल के खिलाफ ऐसा पहला बड़ा कदम उठाया है।इजराइली विदेश मंत्री गिदोन सार ने इन प्रतिबंधों को अत्यंत आपत्तिजनक बताया और कहा कि वे नेतन्याहू से मिलकर अगले सप्ताह इस पर इजराइल की प्रतिक्रिया तय करेंगे।हमास-इजराइल के बीच संघर्ष का सिलसिला साल 1948 से जारी है। इसने भीषण रूप 7 अक्टूबर 2023 को लिया जब हमास ने इजराइल पर हमला किया। जिसमें 815 नागरिकों सहित 1,195 इजराइली और विदेशी नागरिक मारे गए।हमास ने 251 इजराइली लोगों को बंधक बनाया। हमास ने इस हमले को इजराइल के कब्जे, गाजा की नाकाबंदी और हजारों फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई की मांग के लिए किया।इजराइल ने जवाब में गाजा पर बमबारी शुरू की और 27 अक्टूबर 2023 को जमीनी हमला शुरू किया। इजराइल का कहना है कि उसका मकसद हमास को खत्म करना और बंधकों को रिहा कराना है।इस युद्ध में 55 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। इजराइल में 1,200 से ज्यादा लोग मारे गए। गाजा में 80फीसदी लोग विस्थापित हो चुके हैं और ज्यादातर पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तबाह हो चुका है।

चांदी के दाम रु1.07लाख/किलो के ऑल टाइम हाई पर

नयी दिल्ली। कल की बड़ी खबर

चांदी के दाम और भारतीय इकोनॉमी से जुड़ी रही। चांदी के दाम मंगलवार (10 जून) को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 1 किलो चांदी का दाम रु1440 बढ़कर रु1,07,000 हो गया है। इससे पहले चांदी रु1,05,560 प्रति किलो पर पहुंच गई थी। वहीं, वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के आर्थिक विकास की दर का अनुमान बरकरार रखा है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था एफवाई26 में 6.3फीसदी की दर से बढ़ेगी, जबकि पिछले वर्ष यह 6.5फीसदी थी। अप्रैल में विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए भारत के विकास अनुमान को जनवरी के 6.7फीसदी के पूर्वानुमान से घटाकर 6.3फीसदी कर दिया था। वर्ल्ड बैंक ने मंगलवार (10 जून) को वित्त वर्ष 2025-26 (एफवाई26) के लिए भारत के आर्थिक विकास की दर का अनुमान बरकरार रखा है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था एफवाई26 में 6.3फीसदी की दर से बढ़ेगी, जबकि पिछले वर्ष यह 6.5फीसदी थी। अप्रैल में विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए भारत के विकास अनुमान को जनवरी के 6.7फीसदी के पूर्वानुमान से घटाकर 6.3फीसदी कर दिया था। इऊध के मुताबिक, विश्व बैंक ने यह भी कहा है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था बना रहेगा। साथ ही दुनिया की इकोनॉमी की संभावना को लेकर कहा है कि बढ़ते व्यापार तनाव और नीति अनिश्चितता के कारण इस साल ग्लोबल जीडीपी में गिरावट आने की उम्मीद है, जो 2008 के बाद से सबसे धीमी गति होगी। वैश्विक विकास दर 2025 में 2.3फीसदी रहने का अनुमान है।

इजराइल ने ग्रेटा समेत 4 कार्यकर्ताओं को रिहा किया,8 लोग अब भी हिरासत में, रिहाई दस्तावेज पर साइन से इनकार किया

नयी दिल्ली। इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग समेत

4 लोगों को मंगलवार को रिहा कर दिया। ये सभी इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट से फ्रांस रवाना हो गए। हालांकि, अभी भी 8 लोग इजराइल की हिरासत में हैं। इनमें रीमा हसन समेत बाकी लोग शामिल हैं। इन सभी के नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। इजराइली सेना ने 9 जून को गाजा के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहे मैडलीन जहाज पर छापा मारकर स्पेन, फ्रांस, स्वीडन और तुर्की के 12 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। इजराइल ने इन सभी को ऑप्शन दिया था कि वे चाहें तो डिपोर्टेशन कागज (रिहाई के दस्तावेज) पर साइन करके घर लौट सकते हैं। ग्रेटा समेत चार कार्यकर्ताओं ने इन पर साइन कर दिए, जबकि रीमा हसन समेत 8 ने इनकार कर दिया। इन सभी को इजराइल के रमले में गिवोन डिटेंशन सेंटर ले जाया गया। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन सभी कार्यकर्ताओं ने गैरकानूनी रूप से इजराइली जलक्षेत्र में प्रवेश किया था। रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने दावा किया कि कार्यकर्ताओं को 7 अक्टूबर के हमले की स्क्रीनिंग (वीडियो फुटेज) दिखाई गई, लेकिन उन्होंने इसे देखने से इनकार कर दिया। वहीं, इस यात्रा को शुरू करने वाले 'फ्रीडम फ्लोटिला' का कहना है कि इजराइल की गाजा पर समुद्री नाकाबंदी गैरकानूनी है। मैडलीन जहाज की जब्ती अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है।बीबीसी के मुताबिक 9 जून को गिरफ्तारी के बाद इन सभी कार्यकर्ताओं को अशदोद पोर्ट लाया गया। यह इजराइल के पश्चिम में एक अहम पोर्ट है। गाजा से इसकी दूरी 27 किमी है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें ग्रेटा थनबर्ग और उनके साथियों को इजराइली नौसेना इजराइल ले जा रही थी।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तंज कसते हुए लिखा- 'सेल्फी यॉट' के सभी यात्री ठीक और सुरक्षित हैं। उन्हें सैंडविच और पानी मुहैया कराया गया है। शो अब खत्म हो चुका है। शुरुआत में इजराइल इस जहाज को गाजा में डॉक करने की अनुमति देने के लिए विचार कर रहा था, बशर्ते कि यह सुरक्षा के लिए कोई सुरक्षा खतरा न बने। बाद में इजराइल सरकार ने अपना फैसला बदल लिया।

नेपाल से यूरोप जाने की कोशिश में 8 युवतियां पकड़ी,सोनौली बॉर्डर पर रोका, दिल्ली-नोएडा में ट्रेनिंग का था प्लान

लखनऊ। नेपाल-भारत सीमा

पर स्थित सोनौली बॉर्डर के बेलहिया में स्वयंसेवी संस्था ने 8 नेपाली महिलाओं को पकड़ा है। ये महिलाएं स्लोवाकिया जाने की योजना बना रही थीं। सभी महिलाएं नेपाल के चितवन जिले की रहने वाली हैं और इनकी उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच है। महिलाओं के पास नेपाली नागरिकता के दस्तावेज मिले हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में एक व्यक्ति से मिलना था। वह उन्हें नोएडा की एक कंपनी में ले जाता। वहां एक सप्ताह की ट्रेनिंग होनी थी।मानव सेवा संस्था से जुड़ी टीम शांति पुनर्स्थापना गृह की कार्यकर्ताओं ने मंगलवार सुबह इन महिलाओं को रोका। पूछताछ में सामने आया कि ट्रेनिंग के बाद एक व्यक्ति इन्हें पासपोर्ट और वीजा देने वाला था। संस्था के बेलहिया इंचार्ज नीलेश चौधरी ने बताया कि सभी महिलाओं को भैरहवा पुलिस की मदद से उनके परिजनों को सौंपा जाएगा।

यूपी में हीटवेव से 1000 से ज्यादा चमगादड़ों की मौत झांसी-आगरा का पारा 45सेंष्ट के पार

लखनऊ। यूपी भीषण हीटवेव

की चपेट में है। ललितपुर में गर्मी से 2 दिन में 1000 से ज्यादा चमगादड़ों की मौत हो गई। इसके अलावा, जौनपुर में हीटस्ट्रोक से बिजली कर्मी की मौत हो गई है। 24 घंटे में झांसी सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 45.2सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने 17 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। साथ ही पूर्वांचल में बारिश की संभावना जताई है। इधर, काशी विश्वनाथ मंदिर में धूप से बचाव के लिए जर्मन हैंगर लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं के पैर न जलें, इसके लिए मैट बिछाई गई हैं। मंदिर परिसर में पेयजल, कूलर, पंखे और ओआरएस की व्यवस्था भी की गई है। मौसम विभाग ने सलाह दी है कि सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक घर से बाहर न निकलें। धूप से बचाव के लिए फुल कपड़े पहनें, छाता और काला चश्मा इस्तेमाल करें।

कचहरी के सामने वकीलों ने की आगजनी, नगर निगम ने 1000 अस्थायी चैंबर और 1500 दुकानें तोड़ा

प्रयागराज।नगर निगम ने आज सुबह कचहरी क्षेत्र में अतिक्रमण के

खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। कचहरी के बाहर करीब एक हजार अस्थायी वकीलों के चैंबर तोड़ दिए। आसपास की करीब 1500 दुकानें भी तोड़ दीं। इसके विरोध में वकील और दुकानदार सड़क पर उतर आए। वहां जो सामान बिखरे पड़े थे, जैसे टूटी कुर्सियां, बोर्ड आदि में वकीलों ने आग लगा दी। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम टीम बुधवार सुबह 5 बजे 6 बुलडोजर लेकर पहुंची। साथ में पुलिस, आरएएफ और पीएसी फोर्स रही। चार थाने कर्नलगंज, सिविल लाइंस, शिवकुटी, कैंट थानों की फोर्स साथ रही। कचहरी रोड के दोनों साइड रास्ता बंद कर अतिक्रमण तोड़ा गया। करीब साढ़े चार घंटे लगे, सुबह 9.30 बजे तक कार्रवाई चली। जब खबर पाकर वकील पहुंचने लगे तो कार्रवाई बंद कर टीम चली गई।कचहरी के वकीलों ने हड़ताल की घोषणा कर दी है।वकीलों ने कहा- नगर आयुक्त ने हमारी बातें मान ली थी। लेकिन, आज सुबह चोरों की तरह टीम आई। हमारी फाइलें, लाखों के स्टाम्प, तमाम कीमती समान, काफी कैश, लैपटॉप उठा ले गए। हम मुख्यमंत्री से मांग करते हैं कि नगर आयुक्त और जिलाधिकारी के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज किया जाए। इन दोनों का ट्रांसफर भी किया जाए। हमारे चैंबर बनवाए जाएं।इस पूरी कार्रवाई पर नगर आयुक्त शीलम साईं तेजा से बातचीत नहीं हो पायी। वकीलों के विरोध को देखते हुए नगर निगम परिसर को छावनी में बदल दिया गया है। आरएएफ की तीन कंपनियों को निगम के बाहर तैनात कर दिया गया।

नैनी में सीवर जाम, लोग परेशान, कई दिनों से गलियों में भरा गंदा पानी

प्रयागराज। नैनी के चक फैजुल्ला मुहल्ले में बीते कई दिनों से गलियों में

सीवर का पानी भरा हुआ है। स्थानीय लोग अपने घरों से नहीं निकल पा रहे है। लोगों के घरों में सीवर का गंदा पानी पहुंच रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार पार्षद और नगर निगम के अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया लेकिन इस समस्या से निजात नहीं मिल सका। चक फैजुल्ला मोहल्ले की गलियों कि स्थिति दयनीय है। गलियों को बनवाया नहीं जा सका है। इस गली में बीते कुछ दिन पहले सांसद उज्जवल रमण सिंह भी स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुनने के लिए आए थे। उन्हें भी लोगों ने समस्या से लोगों ने अवगत कराया था। लेकिन आश्वासन के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। इस गंभीर समस्या से स्थानीय लोग परेशान हो चुके है। गलियों के अंदर सीवर का पानी भर जाने के कारण लोग उसी गंदे पानी से होकर गुजर रहे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस भीषण गर्मी में गलियों के अंदर गंदा पानी भर जाने के कारण बीमारियां फैलने का डर बना हुआ है। मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि स्थानीय पार्षद मक्खन से भी कई बार सफाई के साथ दवा का छिड़काव कराने की बात की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो सकी। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही इस गली में भरे गंदे पानी को बाहर नहीं निकाला गया और दवाओं का छिड़काव नहीं कराया गया तो स्थानीय लोग नगर निगम जोन कार्यालय का घेराव करने के लिए बाध्य होंगे।

पुलिस लाइन में घोड़ों को मिली गर्मी से राहत,16 घोड़ों के लिए 8 कूलर और 18 पंखे लगाए

प्रयागराज। पुलिस लाइन के

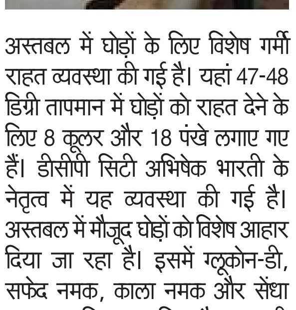

अस्तबल में घोड़ों के लिए विशेष गर्मी राहत व्यवस्था की गई है। यहां 47-48 डिग्री तापमान में घोड़ों को राहत देने के लिए 8 कूलर और 18 पंखे लगाए गए हैं। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती के नेतृत्व में यह व्यवस्था की गई है। अस्तबल में मौजूद घोड़ों को विशेष आहार दिया जा रहा है। इसमें ग्लूकोन-डी, सफेद नमक, काला नमक और सेंधा नमक का मिश्रण शामिल है। साथ ही उन्हें 100 मिली अलसी का तेल भी दिया जाता है। गर्मी से बचाव के लिए घोड़ों के शरीर पर शीतल पाउडर का प्रयोग किया जाता है। इन घोड़ों ने हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में भीड़ नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेले के दौरान घोड़ों के पैरों में लोकेशन ट्रैकिंग चिप लगाई गई थी। यूपी माउंटेड पुलिस इन्हीं घोड़ों के साथ तैनात रही। अस्तबल निरीक्षक इंद्रपाल सिंह के अनुसार, प्रत्येक घोड़े की नस्ल, नाम और कीमत बाड़े के बाहर अंकित है। कुछ घोड़ों की कीमत 3.75 लाख रुपये से अधिक है। वर्तमान में अस्तबल में कुल 18 घोड़े हैं। यह पहल दर्शाती है कि प्रयागराज पुलिस मानव के साथ-साथ पशुओं की देखभाल के प्रति भी संवेदनशील है।सिर्फ ठंडी हवा ही नहीं, इन घोड़ों के खान-पान पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। घोड़ों को ग्लूकोन-डी, सफेद नमक, काला नमक और सेंधा नमक का विशेष मिश्रण दिया जा रहा है। इसके अलावा, उनके पाचन और शरीर का तापमान संतुलित रखने के लिए 100 मिली अलसी का तेल भी रोजाना दिया जा रहा है। साथ ही, शरीर पर शीतल पाउडर भी लगाया जाता है जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिल सके। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले प्रयागराज में आयोजित हुए 45 दिवसीय महाकुंभ मेले के दौरान भी इन घोड़ों की तैनाती की गई थी। इन घोड़ों के साथ यूपी माउंटेड पुलिस ने क्राउड कंट्रोल की जिम्मेदारी बखूबी निभाई थी। इतना ही नहीं, भीड़भाड़ में नियंत्रण बनाए रखने के लिए कुछ घोड़ों के पैरों में चिप तक लगाई गई थी, ताकि उनकी लोकेशन ट्रैक की जा सके।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर संगम में उमड़ी आस्था की भीड़,हजारों श्रद्धालुओं ने किया स्नान, दान-पूजा से गूंजा तीर्थ क्षेत्र, पुरोहितों ने कराई पूजा

प्रयागराज। ज्येष्ठ मास की

पूर्णिमा पर तीर्थराज प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में भक्तों ने आज तड़के से ही संगम में पुण्य स्नान कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। पवित्र नदियों में स्नान के साथ पूजा, दान और भजन-कीर्तन से पूरे तीर्थ क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया।हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा का दिन अत्यंत पुण्यदायक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन संगम स्नान से समस्त पापों का क्षय होता है और आत्मा शुद्ध होती है। श्रद्धालुओं ने गंगा माता की कृपा पाने हेतु तिल, अन्न, वस्त्र, जल से भरे कलश और पंखे का दान किया। पंडितों और तीर्थपुरोहितों ने विधिपूर्वक स्नान, दान और पूजन की प्रक्रियाएं संपन्न कराईं।प्रशासन द्वारा घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं–सुरक्षा के लिए गोताखोर, प्राथमिक उपचार केंद्र, स्वच्छता व पेयजल की उचित व्यवस्था, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर निगम ने 'जल ही जीवन है' जैसे संदेशों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया।घाटों के किनारे धार्मिक संस्थाओं द्वारा भजन-कीर्तन, गंगा स्तुति और भागवत कथा का आयोजन किया गया। संतों और विद्वानों ने प्रवचनों में पुण्यस्नान के आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से बताया। महिलाओं ने विशेष पूजन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रयागराज एक बार फिर धर्म, संस्कृति और आस्था का केंद्र बन गया। संगम की पवित्र जलधारा ने यह सिद्ध किया कि भारत में नदियाँ केवल भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना की प्रतीक हैं।

शुभांशु को अंतरिक्ष ले जाने वाला मिशन चौथी बार टला,रॉकेट में ऑक्सीजन लीक होने से पोस्टपॉन हुआ, नई तारीख का ऐलान नहीं

लखनऊ। भारतीय गगनयात्री शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी आईएसएस ले जाने वाला एक्सियम-4 मिशन चौथी बार टाल दिया गया है। इसे आज 11 जून को भारतीय समय अनुसार शाम 5.30 बजे लॉन्च किया जाना था। ऑक्सीजन लीक के कारण इसे टाला गया है। एक्सियम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन यानी, इसरो ने बताया कि फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की लॉन्चिंग से पहले बूस्टर स्टेज की परफॉर्मेंस चेक की गई। इस दौरान 7 सेकेंड का हॉट टेस्ट किया गया। तभी प्रोपल्शन बे में ऑक्सीजन लीक का पता चला, जिसके बाद मिशन को स्थगित कर दिया गया। नई तारीख का ऐलान जल्द होगा।29 मई को ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के तैयार नहीं होने के कारण लॉन्चिंग टाल दी गई। इसे 8 जून को शेड्यूल किया गया। मौसम खराब होने के कारण फिर ये टल गया। नई तारीख 10 जून दी गई। फिर से इसे मौसम खराब होने की वजह से टाला गया। चौथी बार 11 जून को मिशन शेड्यूल किया गया। इस बार आक्सीजन लीक हो गई।एएक्स-4 लॉन्च को टाल दिया गया है। स्पेसएक्स की टीमों को स्टैटिक फायर टेस्ट के बाद बूस्टर की जांच में पाया गया एलओएक्स लीक

ठीक करने के लिए और समय चाहिए। मरम्मत पूरी होने के बाद और रेंज उपलब्ध होने पर हम नई लॉन्च तारीख बताएंगे।शुभांशु सहित चारों एस्ट्रोनॉट अगर आज रवाना हो जाते तो वे 12 जून को रात 10 बजे आईएसएस पहुंचते। उन्हें 25-26 जून के आसपास पृथ्वी पर वापस आना था। इस मिशन में ब्रांड न्यू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल हो रहा है।एएक्स-4 मिशन का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में रिसर्च करना और नई टेक्नोलॉजी को टेस्ट करना है। ये मिशन प्राइवेट स्पेस ट्रैवल को बढ़ावा देने के लिए भी है और एक्सियम स्पेस प्लानिंग का हिस्सा है, जिसमें भविष्य में एक कॉमर्शियल स्पेस स्टेशन (एक्सियम स्टेशन) बनाने की योजना है। वैज्ञानिक प्रयोगः माइक्रोग्रेविटी में विभिन्न प्रयोग करना। टेक्नोलॉजी टेस्टिंगः अंतरिक्ष में नई तकनीकों का परीक्षण और विकास। अंतरराष्ट्रीय सहयोगः विभिन्न देशों के अंतरिक्ष यात्रियों को एक मंच प्रदान करना। एजुकेशनल एक्टिविटीजः अंतरिक्ष से पृथ्वी पर लोगों को प्रेरित करना और जागरूकता फैलाना।शुभांशु का जन्म 1986 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से की। वह 2006 में वायु सेना में शामिल हुए और फाइटर जेट्स उड़ाने का अनुभव रखते हैं। उन्हें इसरो के गगनयान मिशन के लिए भी चुना गया है, जो भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है। अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए उन्होंने रूस और अमेरिका में खास ट्रेनिंग ली। इसमें उन्होंने माइक्रोग्रैविटी में काम करना, इमरजेंसी हैंडलिंग, और वैज्ञानिक प्रयोग सीखे। शुभांशु वहां 14 दिनों तक रहेंगे और 7 प्रयोग करेंगे, जो भारतीय शिक्षण संस्थानों ने तैयार किए हैं। इनमें ज्यादातर बायोलॉजिकल स्टडीज होंगी, जैसे कि अंतरिक्ष में मानव स्वास्थ्य और जीवों पर असर देखना। इसके अलावा, वो नासा के साथ 5 और प्रयोग करेंगे, जो लंबे अंतरिक्ष मिशनों के लिए डेटा जुटाएंगे। इस मिशन में किए गए प्रयोग भारत के गगनयान मिशन को मजबूत करेंगे। इस मिशन पर भारत ने अब तक करीब 548 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसमें शुभांशु और उनके बैकअप ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर की ट्रेनिंग का खर्च भी शामिल है। ये पैसे ट्रेनिंग, उपकरण, और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी में लगे हैं।शुभांशु का ये अनुभव गगनयान मिशन (2027 में प्लान्ड) के लिए बहुत मददगार होगा। वो जो डेटा और अनुभव लाएंगे, वो भारत के अंतरिक्ष प्रोग्राम को आगे बढ़ाएगा। 24-25 जून को वापस आने के बाद वो अपने प्रयोगों के नतीजे शेयर करेंगे।हां, एक्सियम मिशन 4 एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन है। अमेरिका की प्राइवेट स्पेस कंपनी एक्सियम स्पेस और नासा के कोलेबोरेशन में यह हो रहा है। एक्सियम स्पेस का यह चौथा मिशन हैइंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पृथ्वी के चारों ओर घूमने वाला एक बड़ा अंतरिक्ष यान है। इसमें एस्ट्रोनॉट रहते हैं और माइक्रो ग्रेविटी में एक्सपेरिमेंट करते हैं। यह 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैवल करता है। यह हर 90 मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी कर लेता है। 5 स्पेस एजेंसीज ने मिलकर इसे बनाया है। स्टेशन का पहला पीस नवंबर 1998 में लॉन्च किया गया था।

लव का ट्रायंगल, भाभी ने किया मर्डर,घरवाले बोले- पति को नींद की दवा देकर देवर के साथ सोती थी, नए प्रेमी के साथ मार डाला

लखनऊ। 2 बच्चों के पिता

विजय उर्फ गप्पू की हत्या लव ट्रायंगल में हुई थी। 3 साल पहले पत्नी की मौत के बाद उसकी चचेरी भाभी से नजदीकियां बढ़ी थीं। दोनों नौकरी के बहाने हरियाणा भी चले गए थे। चचेरी भाभी उसके साथ रात बिताने के लिए अपने पति को खाने और शराब में नींद की गोली देती थी।बाद में चचेरी भाभी का पड़ोस के एक अन्य युवक से भी अवैध संबंध हो गया। इसकी जानकारी होने पर विजय नाराज हुआ। इस पर उसने भाभी से विरोध जताया। परिजनों का आरोप है कि भाभी ने अपने पति और नए प्रेमी के साथ मिलकर विजय का गला रेत कर हत्या कर दी। शव को घर से 100 मीटर दूर फेंक दिया।मामला मलिहाबाद के रहीमाबाद के अहिंडर गांव का है। 8 जून को गांव के ही विजय उर्फ गप्पू का शव खाली प्लॉट में मिला था। गांव में चर्चा होने लगी कि विजय की चचेरी भाभी ने ही उसे मार डाला है। वह अब पड़ोसी को चाहने लगी है।परिजनों से बात करने पे तस्वीर साफ हुई विजय (27) के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। 5 साल पहले उसकी पत्नी की मौत हो गई थी। वह चचेरी भाभी कुंती (40) को नौकरी के बहाने हरियाणा ले जाकर रहने लगा। पिछली बार कुंती जब गांव आई तो पड़ोस के एक अन्य युवक से उसके संबंध बन गए। कुंती विजय के साथ रात बिताने के लिए अपने पति को नींद की गोली खिला देती थी। इसी त्रिकोणीय प्रेम संबंध में उसे मार डाला गया।

लखनऊ में दूसरी मंजिल से कूदी लड़की,डायल-112 में तैनात सिपाही की छेड़खानी से थी परेशान,एफआईआर दर्ज

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी

थाना क्षेत्र में मंगलवार को 16 साल की लड़की ने दूसरी मंजिल से कूद कर आत्महत्या की कोशिश की। परिजनों ने गंभीर हालत में इलाज के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। परिजनों ने पड़ोस में मकान बनवा रहे पुलिसकर्मी पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। बीबीडी तारा का पुरवा की रहने वाली किशोरी के पिता ने बताया कि पड़ोस में ही यूपी-112 में तैनात सिपाही मुकेश यादव का मकान बन रहा है। पड़ोसी होने के चलते बेटी का उसके घर आना जाना था। मुकेश उस पर गलत नजर रखने लगा। उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। छेड़छाड़ से परेशान होकर बेटी ने यह आत्मघाती कदम उठाया। इंस्पेक्टर बीबीडी का कहना है कि परिजनों की शिकायत पर सिपाही मुकेश यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपों की जांच की जा रही है।

महिला को गले लगाने वाले गोंडा बीजेपी जिलाध्यक्ष बर्खास्त,कहा था- मैंने तो सिर्फ सहारा दिया

गोंडा। भाजपा ने गोंडा के जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को

बर्खास्त कर दिया। उनका एक महिला के साथ वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह पार्टी दफ्तर के अंदर महिला को गले लगाते और उसके बाद अकेली महिला के साथ सीढ़ियों से ऊपर जाते हुए नजर आए थे। प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल ने अमर शुक्ला को बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। लिखा- आपने जो स्पष्टीकरण भेजा था। उसका जवाब संतोषजनक नहीं है। आपका कृत्य घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। ऐसे में तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है। वीडियो सामने आने के 18 दिन बाद पार्टी ने अमर किशोर कश्यप पर एक्शन किया है। इसके बाद दैनिक भास्कर ने अमर किशोर कश्यप से बात की। कहा- जो फैसला हुआ, वह एकपक्षीय है। मेरे खिलाफ गलत आरोप लगाकर निर्णय हुआ। जिस तरह से जांच होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। 25 मई को भाजपा ने अमर किशोर कश्यप को नोटिस जारी करके वीडियो को लेकर जवाब मांगा था। सूत्रों के मुताबिक, अमर किशोर ने जवाब में पार्टी को बताया था कि महिला कार्यकर्ता का स्वास्थ्य खराब था। वह कुछ देर आराम करना चाहती थी, इसलिए उसे कार्यालय लेकर आए थे। सीढ़ियों पर चढ़ते समय उसे चक्कर आने लगा तो सहारा दिया। सीसीटीवी से मिले साक्ष्य के आधार पर पार्टी ने उनके जवाबों से संतुष्ट नहीं हुई।एक्शन के बाद अमर किशोर कश्यप ने कहा- मैंने पहले ही कहा था कि भाजपा जो निर्णय लेगी, मैं उसे मानूंगा। जिस तरह से जांच होनी चाहिए थी, वैसी जांच नहीं हुई। फुटेज किसने वायरल किया, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा की यही गलती रही कि मेरी बात नहीं सुनी गई। पीयूष मिश्रा, राकेश तिवारी, संदीप पांडे और राजेश चंद्रानी ने मेरे खिलाफ षड्यंत्र किया। अगर पुलिस कंप्यूटर ऑपरेटर को पकड़कर पूछताछ करती, तो पूरा मामला सामने आ जाता। अब मैं अपने लोगों से बातचीत के बाद अगला कदम उठाऊंगा।पार्टी ऑफिस के अंदर अमर किशोर के महिला के साथ दो वीडियो वायरल हुए थे। पहला वीडियो फर्स्ट फ्लोर का जबकि दूसरा वीडियो मेन गेट का था। इसमें नजर आ रहा है कि अमर किशोर एक महिला के साथ कार में पार्टी ऑफिस पहुंचते हैं। वह कार को अंदर लेकर आते हैं। फिर गेट पर खडे दो युवकों को वहां से भेज देते हैं। इसके बाद, अमर कि वह फर्स्ट फ्लोर में पहुंचते हैं। महिला पहले सीढ़ियों से दूसरे फ्लोर तक पहुंचती है। कुछ देर बाद जिलाध्यक्ष भी पहुंच जाते हैं। जैसे ही महिला तीसरे फ्लोर की ओर बढ़ती है, अमर किशोर उसके पीछे जाकर उसका हाथ पकड़ लेते हैं। उसे गले लगाते हैं। इसके बाद दोनों तीसरे फ्लोर की ओर चले जाते हैं।

लखनऊ में 24 घंटे में कोरोना के 8 नए केस,केजीएमयू में रेजिडेंट डॉक्टर,स्टूडेंट संक्रमित,हार्ट ब्लॉकेज के बुजुर्ग की रिपोर्ट भी पॉजिटिव

लखनऊ। लखनऊ में 24 घंटे

में कोरोना के 8 नए मामले सामने आए हैं। संक्रमितों में केजीएमयू के रेजिडेंट डॉक्टर और एक एमबीबीएस स्टूडेंट भी शामिल हैं। इसके अलावा 2 महिला और 4 पुरुष की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। इनमें 2 बुजुर्ग भी शामिल है। लखनऊ में अब तक कुल 22 कोरोना संक्रमित मरीज मिल चुके हैं। एक्टिव केस की संख्या 18 है। एक दिन पहले एसजीपीजीआई के डॉक्टर समेत राजधानी में 4 पॉजिटिव मरीज मिले थे। केजीएमयू के गायनी ऑन्कोलॉजी विभाग की सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर की रिपोर्ट मंगलवार को पॉजिटिव आई। सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर को बीते शुक्रवार से बुखार और जुकाम के लक्षण थे। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वो गृह जनपद लखीमपुर खीरी चली गईं।केजीएमयू के एमबीबीएस 3रा ईयर स्टूडेंट की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।मेडिकल स्टूडेंट ने बताया कि फिलहाल कंडीशन स्टेबल है। अभी कोई बड़ी परेशानी नही है। कुछ दिनों से कोरोना के लक्षण थे। जांच करने के लिए सैंपल दिया था। मंगलवार देर शाम उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कैंपस के एसपी हॉस्टल में आइसोलेशन में हैं।इंदिरा नगर के मयूर विहार कॉलोनी के 61 साल के बुजुर्ग मरीज की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। बुजुर्ग की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। उसे हार्ट की कई गंभीर परेशानी है। कोरोनरी आर्टरी में 50फीसदी ब्लॉकेज है। पर फिलहाल वो होम आइसोलेशन में है। ऐसे में डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी है।यूपी में मंगलवार को 24 घंटे में 67 नए केस सामने आए है। इस दौरान कुल 182 सैंपल की जांच की गई। इनमें गौतमबुद्ध नगर में 54, गाजियाबाद में 3, हापुड़ में 2, कानपुर, बिजनौर, मेरठ और अलीगढ़ में 1-1 मरीज मिले है। जबकि लखनऊ में 4 केस सामने आए है। राज्य में कुल एक्टिव 229 है। 24 घंटे में 63 मरीज को डिस्चार्ज किया गया है। सरकार ने कोरोना को लेकर गाइड लाइन भी जारी की है।

यादव महिला सिपाही ने पटेल दरोगा से लव-मैरिज की,झांसी में पंचायत का तुगलकी फरमान-लड़की गांव आई तो जूते मारकर निकालेंगे

झांसी। यूपी के झांसी में एक महिला सिपाही ने दरोगा से लव मैरिज कर ली। दोनों की शादी में उनके परिवार भी शामिल हुए, लेकिन लड़की के गांव की पंचायत भड़क गई। पंचायत ने सिपाही के माता-पिता का हुक्का-पानी बंद कर दिया। तुगलकी फरमान सुनाते हुए कहा गया- अगर लड़की गांव में आई तो उसे जूते मारकर भगा दिया जाएगा। इस विवाद की वजह यह थी कि दरोगा पटेल, लड़की यादव थी। अब गांव में कोई भी व्यक्ति सिपाही के माता-पिता से बात नहीं कर रहा है। इससे परेशान होकर उसके माता-पिता थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें समझाकर लौटा दिया। इसके बाद 9 जून को पिता गरौठा के समाधान दिवस में पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। तब पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। यह मामला टोड़ीफतेहपुर क्षेत्र के

बचेड़ा गांव का है।बचेरा निवासी चिरंजीलाल यादव ने बताया- मेरी बेटी यूपी पुलिस में सिपाही है। इस वक्त लखनऊ में तैनात है। बेटी के बचपन का दोस्त यूपी पुलिस में दरोगा है। जो पटेल समाज का है। दोनों ने शादी की इच्छा जताई तो दोनों परिवारों ने रजामंदी से 30 अप्रैल, 2025 को शादी करवा दी। इस विवाह से गांव के कुछ लोग नाराज हो गए और 13 मई को पंचायत बुलाई। अंतरजातीय विवाह को अपराध बताते हुए पंचायत ने हमें अपमानित किया। 20 लाख रुपए जुर्माना लगाते हुए हुक्का-पानी बंद कर दिया गया। कहा गया कि गांव का कोई भी व्यक्ति हमारे परिवार के किसी सदस्य से बात नहीं करेगा। न ही किसी तरह का लेन-देन करेगा। पंचायत के फैसले को नहीं मानने वाले पर 50,000 रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। पंचायत के फरमान के बाद से गांव को कोई भी व्यक्ति अब उनसे बात नहीं कर रहा है। यही नहीं, उनकी गांव में डेयरी है, अब कोई उनके यहां दूध भी लेने नहीं आता। इस कारण उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा।लड़की की मां ने कहा- हम लोगों पर पंचायत के बाद 20 लाख का जुर्माना लगा दिया। साथ ही कह रहे थे कि 3 रुपए के हिसाब से ब्याज भी दो। हम लोग कहां से इतने रुपए दे पाएंगे। हम लोग गरीब हैं। हमारी जुबान तो कोई नहीं उठा रहा। जब बच्ची नौकरी कर रही है और लड़का नौकरी कर रहा है तो क्या दिक्कत हो रही है।13 मई को हुई पंचायत के बाद पीड़ित ने थाने में आवेदन दिया था, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय उसे समझाकर वापस भेज दिया। इसके बाद पीड़ित सोमवार, यानी 9 जून को सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचा। गेट पर तैनात एक महिला दरोगा ने उसे रोक लिया। काफी देर इंतजार के बाद ही उसे हॉल में जाने दिया गया। अंदर पहुंचने के बाद पीड़ित ने पुलिस विभाग के अफसरों को पूरे मामले की जानकारी दी।अफसरों ने यह जानकारी एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति को दी। इसके बाद एसएसपी ने थानाध्यक्ष टोड़ीफतेहपुर को तलब किया। कहा- मामले का तत्काल निस्तारण कर रिपोर्ट पेश करें। इसके बाद पुलिस ने गांव के प्रधान के पिता संतोष यादव समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया।

देवरिया में बकरीद पर गला काटने वाले की रहस्यमयी झोपड़ी,हर तरफ धारदार चीजें; पत्नी बोली-भैंस जैसी आवाज निकालते थे

देवरिया। देवरिया में 60 साल के मुस्लिम व्यक्ति ने बकरीद के दिन (7 जून) अपना गला काट लिया। इसके बाद घर में ही लेटा रहा। घरवालों को पहले लगा कि ऊपर लाल रंग डाला है, लेकिन हकीकत पता चली तो हॉस्पिटल लेकर गए। 8 घंटे के बाद उसकी मौत हो गई। मौत से पहले उसने ऐसा क्यों किया, इसका जवाब दो पन्नों में लिख दिया।जिस जगह उसने ऐसा किया, वह झोपड़ी किसी रहस्यमयी जगह से कम नहीं। वह किसी को अंदर नहीं जाने देता था। सिर्फ एक बकरी बांधी जाती थी। बीच-बीच में वह झोपड़ी में अगरबत्ती जलाता और तंत्र-मंत्र करता था। झोपड़ी में कुल्हाड़ी, चाकू, पेचकस, दरांती, लोहे के रॉड जैसे धारदार और नुकीली चीजें रखी थीं।देवरिया जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर उधोपुर गांव है। कुल आबादी करीब 3 हजार है, इसमें 90 घर मुस्लिम के हैं। इन्हीं में एक घर ईश मोहम्मद का है। घर में एक ई-रिक्शा और आटा चक्की है। ईश के दो लड़के यही काम करते हैं, तीसरा मुंबई में काम करता है। ईश मोहम्मद का मन पूजा-पाठ में ज्यादा लगता था। वह अक्सर अंबेडकरनगर में सुल्तान सैयद मखदूम अशरफ शाह की दरगाह पर जाते रहते थे। बकरीद के दिन ईश मोहम्मद सुबह-सुबह नमाज पढ़कर घर आए। घर के बगल बनी झोपड़ी में जाकर लेट गए। कोई इस झोपड़ी में जाता नहीं था, इसलिए उस दिन भी कोई नहीं गया। करीब 10 बजे ईश मोहम्मद ने कमरे में अगरबत्ती जलाई। पूजा-पाठ किया और फिर झोपड़ी में ही रखे चाकू से अपना गला काट लिया।तेजी से खून निकलने लगा, तो तख्त के बगल ही नीचे लेट गए। दोपहर में बड़ा बेटा खाने के लिए बुलाने पहुंचा, ईश ने उसे लौटा दिया। कुछ देर बाद दूसरा बेटा पहुंचा उसे भी लौटा दिया। लेकिन, उसने देखा कि कपड़े पर कुछ खून जैसा है। इस पर घरवाले तुरंत

उन्हें लेकर हॉस्पिटल गए। 6 बजे ईश-मोहम्मद की मौत हो गई।घर पर हमारी मुलाकात सबसे पहले ईश मोहम्मद के बड़े बेटे अहमद अंसारी से हुई। अहमद से हमने उसी झोपड़ी में बात की। वह बकरीद वाले दिन की घटना को लेकर कहते हैं- हम सभी नमाज पढ़ने गए थे। वहां से सबको एक व्यक्ति के यहां सेवई खाने जाना था। लेकिन, अब्बू ने कहा कि हम नहीं जाएंगे और वह घर चले आए। हमें लगा कि कहीं कुर्बानी में जाना होगा। 11 बजे जब हम लौटकर आए तो मां ने कहा कि अब्बू को खाने के लिए बुला लो। हम गए तो झोपड़ी के बाहर टेंपरेरी दरवाजा लगा था।अहमद कहते हैं- हमने दरवाजा हटाया तो अब्बू ने टार्च वाली बैटरी को मेरी तरफ फेंका। यह मुझे लगी नहीं, लेकिन वह यही कह रहे थे कि यहां से चले जाओ। लेकिन, मुझे उनके कपड़े पर रंग जैसा दिखा। कुछ देर बाद हमारा छोटा भाई फैज अंसारी गया। उसने टॉर्च जलाकर देखा तो उसे लगा कि यह तो खून है। इसके बाद उसने सबको बुलाया। हम लोग उन्हें लेकर गौरी बाजार पहुंचे।छोटा भाई फैज बताता है- गौरी बाजार गांव से करीब 8 किलोमीटर की दूरी पर है। वहां पुलिस भी आ गई थी। हम लोग बार-बार उनके इलाज की बात करते, लेकिन वह हाथों से कुछ लिखने का इशारा करते थे। हमने इग्नोर किया तो उन्होंने पैर से मुझे धक्का दे दिया।ईश मोहम्मद ने अपना गला काटने से पहले जो सुसाइड नोट लिखा था, उसमें उन्होंने प्रधान, प्रशासन और दरबार को संबोधित किया था। लिखा था- इंसान बकरे को अपने बेटे की तरह पोसकर कुर्बानी करता है, वो भी जीव है। मैं खुद अपनी कुर्बानी अल्ला के रसूल के नाम पर कर रहा हूं। मेरी मिट्टी घबरा कर मत करना। किसी ने मेरा कत्ल नहीं किया है। सुकून से मिट्टी देना, किसी से डरना नहीं। मेरी कब्र बगल की जगह पर जहां खूंटा है, उसी जगह पर होनी चाहिए। इसके बाद ईश मोहम्मद अपने जन्मदिन की बात लिख देते हैं।कोई व्यक्ति ऐसा कैसे कर सकता है, क्या कुछ दिन पहले से ही उन्होंने सब कुछ तय कर लिया था? इस सवाल को हमने ईश मोहम्मद के भांजे अमरुल्ला अंसारी से पूछा। अमरुल्ला कहते हैं- पिछले महीने वह गांव में ऐसे ही बैठे थे। तब कहा था कि जल्द ही मेरा इंतकाल हो जाएगा। अब मेरी उम्र कम बची है। उस वक्त हम लोगों ने इसे मजाक में लिया, क्योंकि गांव में लोग ऐसा बोल देते हैं। अगर हमें पता होता कि ऐसा कुछ होना वाला है, तो हम मामा को पेड़ में बांध देते, लेकिन ऐसा कभी न करने देते। हमने अमरुल्ला से कहा कि अल्लाह के नाम पर उन्होंने अपनी कुर्बानी दे दी, क्या यह सही है? अमरुल्ला कहते हैं- उन्होंने अपनी समझ से सही किया, लेकिन समाज की नजर में तो गलत ही किया। कोई अपनी कुर्बानी थोड़ी देता है। जो पहले से जैसे होता आया है, वैसे ही होना चाहिए। इसीलिए आज हर आदमी गलत कह रहा।एक सवाल मन में आया कि क्या घर में इस साल कुर्बानी नहीं हुई? पता चला कि इस साल कुर्बानी नहीं हुई। पिछले साल कुर्बानी की गई थी। इस बार जो बकरा था, वह एक साल का नहीं हुआ था। क्या बकरे की कुर्बानी दी जाती तो ईश मोहम्मद अपना गला नहीं काटते? ये सवाल हमने उनकी पत्नी हाजरा से पूछा। वह कहती हैं- उन्होंने जो कुछ किया, इसके बारे में बहुत पहले से ही तैयारी कर ली थी।हाजरा अपने पति को लेकर कहती हैं- उनके ऊपर भूत-प्रेत का साया था। जब वह 7-8 साल के थे, तभी परिवार के कुछ लोगों ने उन पर कुछ करवा दिया था। उन लोगों ने सोचा कि यह 5 बहनों में इकलौता लड़का है, मर जाने के बाद सारी संपत्ति अपनी हो जाएगी। उसका असर यह हुआ कि ये हमेशा से पूजा-पाठ में लगे रहे। साल में 7-8 बार अंबेडकरनगर में सुल्तान सैयद मखदूम अशरफ शाह की मजार पर जाते थे। उसी झोपड़ी में अक्सर अगरबत्ती जलाए रहते। जब उनके ऊपर भूत-प्रेत आता तो वह भैंस की तरह आवाज निकालते थे।

मां और बेटे ने की सुसाइड की कोशिशःआर्थिक स्थिति खराब होने से उठाया कदम, भाई ने पुलिस को दी सूचना

नोएडा। थाना फेज-3 में मां और

बेटे में जहर खाकर मां सीमा गर्ग और बेटे सिद्धार्थ गर्ग ने सुसाइड करने का प्रयास किया। महिला पुलिस ने दोनों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद वहां से दिल्ली रेफर किया गया। दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस सुसाइड का कारण आर्थिक स्थिति बता रही है। पीड़िता के भाई के फोन करने पर ही दोनों को बचाया गया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार की रात को सेक्टर-11 निवासी प्रदीप अग्रवाल ने थाना फेज-3 पुलिस को सूचना दी कि उनकी बहन सीमा और भांजा सिद्धार्थ दोनों ही फोन नहीं उठा रहे है। वे कई घंटे से लगातार दोनों को फोन कर रहे है। पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए प्रदीप को साथ लिया और नोएडा के क्लियो काउंटी सोसाइटी पहुंचे। इसी सोसाइटी के डी-1 टावर के 202 नंबर में सीमा रहती है।पुलिस ने सोसाइटी के मेंटेनेंस स्टाफ, सिक्योरिटी सुपरवाइजर, प्राइवेट कर्मचारियों और मिस्त्री से फ्लैट का दरवाजा खुलवाया। जैसे ही कमरे के अंदर गए सीमा और सिद्धार्थ बेसुध हालत में बेड पर पड़े थे। दोनों ने कोई जहरीला पदार्थ खाया था। तत्काल दोनों को सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया । वही दोनों को दिल्ली रेफर कर दिया गया। बताया गया कि परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। जिसके चलते दोनों ने ये कदम उठाया।पुलिस ने बताया कि सीमा के पति सुधीर गर्ग की मौत दो महीने पहले हुई थी।

सोनम का बॉयफ्रेंड राज यूपी के फतेहपुर का,दादी बोलीं- अपने पति को खा गई, अब पोते को फंसा रही

फतेहपुर। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी पत्नी सोनम

का बॉयफ्रेंड राज कुशवाह यूपी के फतेहपुर का रहने वाला है। 15 साल पहले राज अपनी मां और दो बहनों के साथ इंदौर गया था। उसके पिता वहां फल की दुकान लगाते थे, लेकिन उनकी 5 साल पहले मौत हो गई। राज की बड़ी बहन फतेहपुर में ही रहकर पढ़ाई करती है। राज भी परिवार के साथ बीच-बीच में यहां आता रहता है। राज की दादी ने कहा- मेरा पोता बहुत सीधा है। सिर्फ अपने काम से काम रखता है। वो ऐसा काम कभी नहीं कर सकता। वह निर्दोष है। वे बड़े लोग हैं, कुछ भी कर सकते हैं। सोनम तो शादी ही नहीं कर रही थी। घरवालों ने जबरन उसकी शादी कराई। वो अपने ही पति को खा गई। अब मेरे पोता को झूठा फंसा रही है। उसका सोनम से कोई रिश्ता नहीं था। राज का घर फतेहपुर जिला मुख्यालय से 32 किलोमीटर दूर गाजीपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में है। वहां मिली बुजुर्ग महिला उन्होंने बताया- मैं राज की दादी राम लल्ली हूं। थोड़ी दूर पर एक युवक खड़ा था। जब उनसे उनके बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि वह राज के चाचा हैं।हमने दादी से राजा हत्याकांड के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा- वे बड़े लोग हैं, कुछ भी कर सकते हैं। मेरा पोता बहुत अच्छा है, अच्छे से बात-व्यवहार करता है। 15 साल पहले राज के पिता आर्थिक तंगी के कारण इंदौर चले गए थे। वहां उन्होंने फल की दुकान शुरू की। परिवार की स्थिति सुधरने के बाद करीब 10 साल पहले राज अपनी मां और दो बहनों के साथ इंदौर चला गया था।दादी राम दुलारी ने कहा- 5 साल पहले राज के पिता की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। इसके बाद से परिवार वालों का आना कम हो गया था। अब साल में एक दो बार ही आते हैं। पर दो साल से नहीं आए। राज अभी सिर्फ 18 साल का है। उस पर पूरे परिवार की जिम्मेदारियां हैं। वह सिर्फ सोनम के भाई की फैक्ट्री में ही काम करता था। शादी में कामकाज में हाथ बंटाया था। सोनम से उसका कोई संबंध नहीं है। उसे जबरन फंसाया जा रहा है।वहीं दादा दलबीर सिंह ने कहा- राज का परिवार 15 साल से इंदौर में ही रह रहा है। बस बड़ी बिटिया यहां पढ़ाई करती है। साल-दो साल में एक बार राज आता था। पिछले दो साल से नहीं आया। वो 4 लोगों का परिवार पालता है। सोनम क्या, कभी किसी लड़की के साथ उसके बारे में कोई गलत बात नहीं सुनी। वो ऐसा काम नहीं कर सकता है। मेरे पोते को झूठा फंसाया जा रहा है। मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।जब हम गांव पहुंचे तो राज के ननिहाल बांदा जिले के मार्का थानांतर्गत बैरफ गांव निवासी मामा रणजीत सिंह भी पहुंचे हुए थे। उन्होंने कहा- राज कतई ऐसा काम नहीं कर सकता। वो हत्या करने वाला लड़का है ही नहीं। वो बहुत सीधा-साधा लड़का है। हमेशा काम से काम रखता है। कभी किसी से मारपीट तक नहीं हुई। एक जून को मेरी बेटी की शादी थी। मैंने बुलाया था, पर न बहन आई, ना ही राज आया।

बदली-बदली नजर आ रहीं 355 दिन बाद अमेठी लौटीं स्मृति,राहुल और गांधी परिवार पर अटैक नहीं, बीजेपी कार्यकर्ता बोले- दीदी, विभीषण को पहचानें

लखनऊ। 26 मई 2025: 'मैं आज भी अमेठी की दीदी स्मृति हूं। यहां के लोगों से मेरा रिश्ता भले ही खून का न हो, लेकिन संघर्ष का है, पसीने का है, सम्मान का है। अमेठी से मेरा दीदी का रिश्ता, अब मेरी अर्थी उठने के बाद ही टूटेगा।' स्मृति ईरानी अहिल्याबाई होल्कर जयंती के प्रोग्राम में अमेठी पहुंचीं और उन्होंने भरे मंच से ये ऐलान किया। स्मृति दोबारा अमेठी से चुनाव लड़ेंगी या नहीं? उनके बयान से इस सवाल का जवाब मिल गया। हालांकि उनका ये दौरा पिछले सभी दौरों से अलग था। उन्होंने अपने भाषण में एक बार भी गांधी परिवार का नाम नहीं लिया। वो बोलीं- मैं 11 महीने बाद जरूरी लौटी हूं, लेकिन मेरा नाता टूटा ही कब था। लोकसभा चुनाव में मिली हार के 355 दिन बाद स्मृति के अमेठी दौरे के क्या मायने हैं, इसे एक्सपर्ट्स कैसे देख रहे, क्या स्मृति पहले से हर शब्द सोचकर पहुंची थीं। क्या बीजेपी ने अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए तैयारी अभी से शुरू कर दी है, पिछली बार कहां कमी रह गई और इस बार कौन सी गलतियां सुधारनी होंगी,'जमीनी कार्यकर्ताओं से दूरी महंगी पड़ी, हार का मंथन जरूरी' देव प्रकाश पांडे अमेठी में बीजेपी के संग्रामपुर मंडल अध्यक्ष हैं। वे बीते 25 साल से पार्टी से जुड़े हैं। देव प्रकाश कहते हैं, 'अमेठी में चुनाव के दौरान हुई गुटबाजी ने स्मृति दीदी को काफी नुकसान पहुंचाया। बीजेपी एक साथ मिलकर लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाई। कई विधानसभाओं में 2-3 बड़े नेता ऐसे थे, जिनकी अपनी टीम थी।' 'कई बड़े नेता दिखावे के लिए तो स्मृति ईरानी के साथ थे, लेकिन वोटिंग वाले दिन उन्होंने बगावत कर दी। पार्टी में चल रही खींचतान को स्मृति समझ नहीं पाईं।' आम कार्यकर्ता से सांसद और बड़े नेताओं की दूरी भी खराब नतीजों की वजह बनी। निचले स्तर का कार्यकर्ता ये मानता है कि डेवलपमेंट बेशक कम हो, लेकिन पार्टी के लीडर उसे पहचानें। पिछले चुनाव में स्मृति दीदी को मंडल स्तर पर काम कर रहे कार्यकर्ताओं से संवाद करना चाहिए था, जो नहीं हो पाया।' 'वो अपनी एक खास टीम के साथ जुड़ी रहीं, जिसने उन्हें जमीनी हकीकत से दूर रखा। यही बात पार्टी की हार का कारण बनी। इस बार सबसे पहले इन वजहों की समीक्षा होनी चाहिए।'अमेठी में स्मृति को 3.72 लाख वोट मिले थे। जिले के सभी 5 विधानसभा क्षेत्रों में उनका वोट काउंट कांग्रेस कैंडिडेट किशोरी लाल शर्मा से कम रहा। अमेठी में कुल 17 लाख वोटर हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वोटर्स में सबसे ज्यादा 34फीसदी ओबीसी हैं। दलित वोटर्स की संख्या करीब 26फीसदी और 19फीसदी मुस्लिम वोटर हैं।

बाकी बचे 21फीसदी वोटर्स ब्राह्मण और राजपूत कम्युनिटी के हैं। अमेठी में स्मृति को मिले कुल वोट से पता चलता है कि इन 70फीसदी वोटर्स ने कांग्रेस के पक्ष में वोट किया, जो बीजेपी की सीट गंवाने की बड़ी वजह बनी।अमेठी गांधी परिवार की पारंपरिक सीट रही है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पार्टी ने 12 बार यहां से जीत हासिल की, जिनमें से 9 बार गांधी परिवार का मेंबर जीता। 1967 में यहां पहला लोकसभा चुनाव हुआ, जिसमें कांग्रेस के टिकट पर विद्याधर बाजपेयी ने चुनाव जीता। 1977 में पहली बार यहां कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। जनता पार्टी के टिकट पर रविंद्र प्रताप सिंह ने अमेठी से चुनाव जीता। बीजेपी ने यहां से अब तक सिर्फ दो बार चुनाव जीता। पहली बार 1998 में बीजेपी के संजय सिंह ने कांग्रेस कैंडिडेट सतीश शर्मा को हराया था। इसके बाद 2019 में बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ीं स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को हराया।अमेठी शहर के रहने वाले एडवोकेट अजय तिवारी कहते हैं, 'जिले का इतिहास रहा है कि प्रधानी चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक जो भी प्रधान या सांसद काम करवाता है, वो हार जाता है। स्मृति ईरानी ने जो काम यहां 5 साल रहकर करवाया, वो बीते 40 साल में कोई नहीं करवा सका।' 'यहां रिंग रोड से लेकर गन फैक्ट्री, डीएम आवास और बच्चों के लिए सेंट्रल स्कूल से लेकर चिड़ियाघर तक बनवाया गया। उन्होंने काम बहुत करवाएं, लेकिन पार्टी के विभीषणों ने ऐन मौके पर धोखा दे दिया।'4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद स्मृति ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट लिखी- यही जीवन है। मैं एक दशक तक एक गांव से दूसरे गांव तक जाती रही, लोगों के जीवन और उम्मीदों को संवारती रही। सड़क, नाली, बायपास और मेडिकल कॉलेज सहित दूसरी चीजें बनवाईं। जो लोग जीत और हार में मेरे साथ खड़े रहे, उनकी मैं हमेशा आभारी रहूंगी।अमेठी-रायबरेली की राजनीति पर बीते 30 साल से नजर रख रहे सीनियर जर्नलिस्ट गौरव अवस्थी कहते हैं, 'स्मृति ईरानी के पास अपनी खोई जमीन वापस पाने का एक ही रास्ता है। वो नाराज चल रहे अपने जमीनी कार्यकर्ताओं से जुड़ें।'

'अमेठी दशकों से गांधी परिवार का गढ़ रहा है। 2019 में जीत के बाद स्मृति को ये समझने में गलतफहमी हुई कि उन्होंने ये गढ़ तोड़ दिया है। उन आकांक्षाओं को समझने और उन्हें पूरा करने में कहीं न कहीं उनसे भूल हुई, जिसका नतीजा उन्हें 2024 में भुगतना पड़ा।' 'स्मृति अब राहुल गांधी को कॉपी करके दूसरी भूल कर रही हैं। उन्हें लग रहा है कि वो अमेठी कम जाएंगी, तो कार्यकर्ताओं के बीच उनकी डिमांड बढ़ेगी। ऐसा नहीं है, अभी उन्हें अपने और गांधी परिवार के बीच फर्क को समझना होगा।' हर महीने न सही तो उन्हें दो-दो महीने में एक दौरा जरूर करना चाहिए। इससे लोकल जनता और कार्यकर्ताओं के बीच ये मैसेज जाएगा कि हार के बावजूद स्मृति अपने लोगों के साथ खड़ी हैं।' स्मृति के हालिया अमेठी दौरे पर गौरव कहते हैं, 'हार के 11 महीने बाद अमेठी पहुंची स्मृति के रुख में इस बार काफी बदलाव दिखा। पहले राहुल गांधी पर बात किए बगैर उनकी स्पीच पूरी नहीं होती थी।' 'इस बार उन्होंने अपने भाषण में न तो राहुल और न ही किशोरी लाल शर्मा का जिक्र किया। वो मंच से अपने पार्टी वर्कर्स खासकर महिला कार्यकर्ताओं का नाम ले रही थीं। ये काम अगर स्मृति ने पहले किया होता तो उन्हें हार का सामना नहीं करना पड़ता।' 'स्मृति के पास जनता से जुड़ने के लिए दो रास्ते हैं। पहला, केंद्र और राज्य में सत्ता उन्हीं की पार्टी चला रही है। या तो उस लिहाज से वो अमेठी में काम करती दिखें।'पॉलिटिकल एनालिस्ट कुमार भावेश चंद्र कहते हैं, 'अमेठी का इतिहास रहा है कि नेता यहां चुनाव जीतते हैं, तो वो बार-बार जनता के बीच जाते हैं। हारने पर उनका जुड़ाव पहले जैसा नहीं रह जाता। राहुल गांधी भी 2019 में चुनाव हारे थे, तो लंबे वक्त तक उन्होंने अमेठी से बेरुखी बनाए रखी।' 'हालांकि स्मृति की तुलना में उनके वक्त का फासला थोड़ा कम था। 2024 लोकसभा चुनाव में भले ही स्मृति हार गई हों, लेकिन अमेठी की जनता ने उन्हें 3 लाख 70 हजार से ज्यादा वोट दिए थे। इसलिए इन वोटरों के प्रति उनकी जवाबदेही बनती है।' 'अमेठी में हार के 11 महीने बाद स्मृति की सक्रियता ये बताती है कि वो यहां नई भूमिका में दिखने वाली हैं। वो 2029 का चुनाव यहां से लड़ती हैं या नहीं, ये तो वक्त बताएगा।'26 मई को अहिल्या बाई होल्कर जयंती पर गौरीगंज के रणंजय इंटर कालेज में स्मृति की जनसभा के दौरान हजारों लोग पहुंचे। हालांकि उनके जाते ही अमेठी के बीजेपी बीजेपी दफ्तर में सन्नाटा पसरा मिला। हम बीजेपी दफ्तर पहुंचे, तो वहां कोई पदाधिकारी नहीं था। बीजेपी जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के बारे में पूछने पर पता चला कि वे पार्टी से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होने लखनऊ गए हैं। पार्टी कार्यालय में सिर्फ संतोष द्विवेदी मौजूद थे। हमने स्मृति के दौरे पर उनसे बात की। संतोष कहते हैं, 'दीदी के दोबारा अमेठी आने से जनता में जबरदस्त उत्साह है। अमेठी के पहले पड़ने वाले कस्बे इन्हौना में दीदी के स्वागत के लिए 5 से 6 हजार लोग खड़े थे। ऐसा ही स्वागत जिले के 11 पॉइंट पर हुआ। यहां के लोग उन्हें दीदी कहते हैं। इसलिए उनका यहां से आत्मीय रिश्ता है।' संतोष के मुताबिक, स्मृति 2 घंटे तक पार्टी ऑफिस में रुकीं। इस दौरान उन्होंने लोकल नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ आगे की तैयारियों पर बातचीत की।2024 लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का अलायंस था। इसकी बदौलत कांग्रेस को राज्य में अमेठी समेत 6 सीटों पर जीत मिली। 2019 में कांग्रेस सिर्फ रायबरेली सीट ही जीत पाई थी। पिछले साल लोकसभा चुनाव का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद नॉमिनेशन के आखिरी दिन तक कांग्रेस ने अमेठी सीट को लेकर सस्पेंस बनाए रखा। 3 मई की सुबह इंडिया अलायंस ने इस सीट पर किशोरी लाल शर्मा को अपना कैंडिडेट बनाया। कांग्रेस अमेठी से उन्हें चुनावी मैदान में उतार देगी, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। 4 जून को नतीजे आए तो ये फैसला सही साबित हुआ। कांग्रेस ने अमेठी की पांचों विधानसभाओं पर बीजेपी को बड़े मार्जिन से हराया।

कानपुर में बच्ची से रेप, सिर कूंचा,मुंह में मिट्टी-पत्ते ठूंसे,मां को इशारा करते हुए आरोपी को दिखाया

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर में 5 साल की बच्ची से दरिंदगी का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाले युवक ने दुकान जा रही बच्ची को उठा लिया। कुछ दूरी पर बनी मजार के पीछे ले जाकर रेप किया। बच्ची चीखी तो उसके मुंह में पत्ते और मिटटी भर दी। मामला खुलने के डर से बच्ची के सिर पर ताबड़तोड़ ईंट मारकर हत्या की कोशिश की। बच्ची की तलाश करते हुए मां बाहर आई तो उसे बच्ची खून से सनी हालत में मिली। इस दौरान आरोपी भी बच्ची के सामने खड़ा था। बच्ची ने मां को इशारा करते हुए आरोपी को दिखाया।

फिर बेहोश हो गई, बच्ची की हालत देखकर परिवार और गांव में चीख-पुकार मच गई। बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उसे 13 घंटे से होश नहीं आया है। दूसरी तरफ आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस तलाश में जुटी है।घाटमपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले ई-रिक्शा मैकेनिक ने बताया- उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा 7 साल का और छोटी बेटी 5 साल की है, यूकेजी में पढ़ती है। पिता ने बताया कि मंगलवार शाम 5.30 बजे छोटी बेटी कुछ सामान खरीदने परचून की दुकान पर जा रही थी। करीब 15 मिनट बाद बेटी नहीं लौटी तो मेरी पत्नी बेटी को देखने के लिए घर से बाहर निकली। घर के पास स्थित दुकान पर देखा तो बेटी नहीं थी। दुकानदार ने बताया कि वो दुकान पर नहीं आई थी। इसके बाद पत्नी मोहल्ले की ही दूसरी दुकान पर बच्ची को देखने जा रही थी। शाम करीब 6 बज रहे थे, तभी गांव का कल्लू दिखा। पत्नी ने कल्लू से बच्ची के बारे में पूछा। कल्लू के हाथ-पैर में मिट्टी लगी थी और वह दहशत में तेजी से हाथ-पैर धो रहा था, उसने पहले तो साफ-साफ मना कर दिया कि उसने बच्ची को नहीं देखा है। इसके बाद पत्नी बच्ची को ढूंढ ही रही थी, तभी मेरी बेटी चीखने लगी तो कल्लू खुद ही दौड़ कर मजार के पीछे गया और बच्ची को उठाकर लाया।मासूम की मां ने बेटी की हालत देखकर बदहवास हो गई। सिर और पूरा चेहरा खून से सना था। मुंह में मिट्टी और पत्ते भरे थे। शरीर के पूरे कपड़े अस्त-व्यस्त थे। प्राइवेट पार्ट से भी खून निकल रहा था। मां समझ गई कि बच्ची के साथ कुछ गलत हुआ है। बच्ची कुछ कहना चाह रही थी, लेकिन मां को कल्लू की तरफ इशारा करते हुए अचेत हो गई। मां ने बेटी को सीने से लगा लिया और मोहल्ले के लोगों के साथ पहले सीएचसी पहुंची और प्राथमिक उपचार कराया। डॉक्टरों ने बच्ची की हालत को देखते हुए हैलट हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया। इस दौरान बच्ची के पिता भी सीएचसी पहुंच गए। बच्ची को परिवार के लोग वहां से एक निजी अस्पताल में रेफर करा लिया। इधर, देर रात घाटमपुर पुलिस को मामले की जानकारी हुई तो आरोपी फरार हो चुका था। पुलिस ने गंभीर हालत में बच्ची को हैलट रेफर कराया। ग्रीन कॉरिडोर बनाकर बच्ची को हैलेट अस्पताल भेजा गया । हॉस्पिटल में बच्ची को आईसीयू में रखा गया है। मंगलवार शाम करीब 6 बजे की वारदात है। बुधवार सुबह 7 बजे तक यानी 13 घंटे बाद भी बच्ची को होश नहीं आया। डॉक्टरों की एक टीम बच्ची का इलाज कर रही है।बेटी के साथ हैवानियत का मामला सामने आने के बाद से मां बदहवास है। वह इतना परेशान थीं कि उनकी मुंह से आवाज तक नहीं निकल रही थी। कुछ भी कहने में असमर्थ थीं, सिर्फ उनकी आंखों से आंसू की धार बह रही थी। उन्होंने बहुत हिम्मत करके पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। मां ने बताया- बेटी नहीं लौटी तो 10 मिनट बाद ही बेटे को उसे देखने के लिए भेजा। इसके बाद भी बेटी नहीं मिली तो उसकी तलाश में घर से बाहर निकले। बच्ची को तलाश ही रही थीं कि मोहल्ले का कल्लू उसे खुद सैय्यद बाबा की मजार की पीछे से लेकर आया था। जबकि चंद मिनट पहले ही उसने मना किया था कि बच्ची को देखा नहीं है। मजार के पीछे जहां पर बच्ची मिली, वहां पर खून से सनी हुई ईंट और 25 रुपए बिखरे पड़े थे। यही रुपए लेकर बच्ची घर का सामान लेने के लिए बाहर निकली थी।देर रात करीब 1 बजे बच्ची को हैलट हॉस्पिटल की इमरजेंसी से बाल रोग विभाग के आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इस दौरान करीब 400 मीटर तक स्ट्रेचर पर बच्ची को डॉक्टरों की टीम हैलट के ऊबड़-खाबड़ रास्तों से स्ट्रेचर पर लेकर गई। जबकि बच्ची के सिर पर गंभीर चोट थी, शायद एक झटका भी उसके लिए जानलेवा साबित हो सकता है। 400 मीटर तक डॉक्टरों की टीम स्ट्रेचर से बच्ची को ले जाकर बाल रोग के आईसीयू में शिफ्ट किया। इस दौरान एक लिफ्ट खराब या बंद थी। करीब 15 मिनट इंतजार करने के बाद डॉक्टरों की टीम बच्ची को दूसरी लिफ्ट से थर्ड फ्लोर पर बने आईसीयू में ले गई। जहां पर बच्ची का इलाज चल रहा है।बच्ची के साथ ही उसकी मां, पिता, मामा, मौसी समेत 10 से ज्यादा रिश्तेदार हैलट अस्पताल पहुंच गए। पूरा परिवार रातभर से जाग रहा है कि शायद बच्ची को होश हो जाए। मां बच्ची के होश में आने के इंतजार में रोते-रोते बार-बार बेहोश हो जा रही। पिता भी बहुत परेशान दिखे। परिवार के लोगों ने उन्हें किसी तरह संभाला। पिता बार-बार पुलिस से पूछ रहे थे कि आरोपी पकड़ा गया कि नहीं।28 साल का आरोपी कल्लू उर्फ शिवम 5वीं की पढ़ाई के बाद घर पर ही रहता है। कल्लू के मां-पिता गांव में रहते हैं। चाचा हरिश्चंद्र की कोई संतान नहीं थी, इसलिए उसने कल्लू को गोद लिया है। वह अपने चाचा के यहां ही रहता है। तनाव को देखते हुए मोहल्ले में पुलिस फोर्स तैनात है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया- बच्ची का हैलट के बाल रोग विभाग में इलाज चल रहा है। हालत गंभीर होने के चलते उसे आईसीयू में रखा गया है। डॉक्टर बच्ची का हेल्थ बुलेटिन जारी करेंगे, लेकिन उसे सुबह तक होश नहीं आया है। आरोपी के खिलाफ बच्ची से दुष्कर्म, हत्या का प्रयास और पॉक्सो एक्ट की धारा में घाटमपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश में पुलिस की चार टीमों को लगाया गया है। जल्द ही आरोपी को अरेस्ट करके जेल भेजा जाएगा। डीसीपी ने बताया कि आरोपी मोबाइल नहीं रखता था, इस वजह से उसे ट्रेस करने में सबसे ज्यादा परेशानी आ रही है।

उन्नाव में नवविवाहित युवक की मौत,घर में लगाई फांसी, एक महीने पहले हुई थी शादी

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के नयाखेड़ा गांव मंगलवार रात करीब 10 बजे में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां 23 वर्षीय नवविवाहित युवक आशीष ने फांसी लगाकर जान दे दी।आशीष ने अपने घर की दीवार पर लगे कील से अंगोछे का फंदा बनाकर आत्महत्या की। परिवार के लोग तुरंत उसे जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक आशीष नयाखेड़ा गांव निवासी रामनारायण राजपूत का पुत्र था। उसकी शादी 5 मई को गंगाघाट थाना क्षेत्र के सिद्धनाथपुरी निवासी रामप्रसाद की पुत्री रामजनकी से हुई थी। रामजनकी मंगलवार की शाम को अपने मायके गई थी।परियर चौकी प्रभारी अनिल कुमार राजपूत के अनुसार, अभी तक इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है। उन्हें अस्पताल के मेमो से घटना की जानकारी मिली है।

घाघरा कैसे सरयू हुई...अयोध्या के संत ने बताए 4 नाम,मानसरोवर से निकली, तिब्बत से निकलती है धारा, नेपाल से होकर यूपी फिर बिहार जाती है

अयोध्या। इस पौराणिक नदी की

शुरुआत दक्षिणी तिब्बत के ऊंचे पर्वत शिखर में मापचाचुंगो हिमनद से होता है। नदी की धारा नेपाल से यूपी, बिहार होते हुए छपरा में गंगा नदी में मिलती है। लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच से होकर नदी की धारा निकलती है। इन जिलों में इसे घाघरा कहा जाता है।बहराइच से निकलकर करनैलगंज (गोंडा), अयोध्या और फिर आजमगढ़ तक इसे सरयू नदी कहा जाता है। मऊ, गोरखपुर, देवरिया, बलिया होते हुए बलिया के दोआबा क्षेत्र के सिताब दियारा क्षेत्र में गंगा नदी में मिलती है। यहां इस नदी को एक बार फिर लोग घाघरा के नाम से ही जानते हैं। इस नदी की कुल लंबाई 1080किमी है। यूपी और बिहार में यह नदी 970किमी लंबी है।गोंडा के करनैलगंज में घाघरा और सरयू दोनों नदियां अलग-अलग दिखती हैं। परसपुर इलाके में पसका के त्रिमुहानी घाट पर सरयू और घाघरा का संगम होता है, जिसे संगम स्थल के नाम से जाना जाता है। अयोध्या में सरयू नदी टांडा, राजेसुल्तानपुर, दोहरीघाट होते हुए आगे बढ़ती है। आजमगढ़ के बाद सरयू नदी का कोई अस्तित्व नहीं होता। बलिया नदी को घाघरा के नाम से ही लोग जानते हैं। यह छपरा (बिहार) में गंगा से जाकर मिल जाती है। मां सरयू मानसरोवर से निकली हैं। इस नदी की धारा कई जगह पर जमीन के नीचे गुप्त रूप से बहती है। इस नदी के नाम को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति रहती है कि इसका नाम सरयू है या घाघरा है। बता दूं, सरयू का ही उपनाम घाघरा है। क्योंकि, सतयुग में इनकी धार इतनी तेज थी कि इसकी आवाज घरघराती थी। इससे नदी का नाम घाघरा पड़ा।इस नदी का एक नाम नेत्रजा है। कहा जाता है कि भगवान की जो करुणा हुई, उनकी आंख से निकले आंसू को ब्रह्माजी ने अपने कमंडल में रखा। फिर मानसरोवर से इसको प्रवाहित किया। ये धारा नेपाल, यूपी होकर बिहार के छपरा में गंगा नदी से मिलती है। ये अकेली नदी है, जिसे भगवान की लीलाएं देखने का सौभाग्य मिला है। ये एकमात्र नदी हैं, जो अविवाहित है। इसलिए इन्हें सबसे ज्यादा पवित्र माना जाता है। ऐसा मानते हैं कि सरयूजी गंगा से भी ज्यादा पवित्र हैं, क्योंकि गंगा भगवान के नाखून से पैदा हुई थीं। जबकि सरयू नदी आंख से उत्पन्न हुई। गंगाजी इनकी छोटी बहन हैं।प्रदेश सरकार की ओर से घाघरा का नाम सरयू किए जाने के बाद अब इस नदी का दायरा बिहार तक हो सकता है। यह नदी करीब 1 हजार किमी लंबी हो जाएगी। दरअसल, योगी सरकार ने रामायण काल में सरयू के महत्व को देखते हुए घाघरा का नाम सरयू किए जाने का फैसला लिया है। इससे अब सरयू नदी का विस्तार होने के साथ ही विकास की उम्मीद भी बढ़ी है। माना जा रहा है, रामायण सर्किट के विकास में सरयू तटों का विकास भी होगा। अयोध्या के 12 से ज्यादा गांव और नदी के तटवर्ती क्षेत्र 84 कोसी परिक्रमा में शामिल हैं। ऐसे में क्षेत्र का पौराणिक महत्व भी बढ़ेगा।13 जनवरी, 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। प्रस्ताव रखा गया कि घाघरा नदी को सरयू का नाम दिया जाए। इसके बाद गोंडा के पसका सूंकर क्षेत्र के ग्राम चंदापुर किटौली से रेवलगंज (बिहार) तक राजस्व अभिलेखों में घाघरा नदी का नाम बदल कर सरयू नदी करने का आदेश जारी किया गया। घाघरा नदी नेपाल के बाद यूपी और बिहार से होकर गुजरती है। छपरा (बिहार) में यह नदी गंगा में मिलती है। इस नदी को राष्ट्रीय संपदा कहा गया। संविधान की संघ सूची के क्रमांक-56 पर नदी का उल्लेख है। इसलिए घाघरा के नाम बदलाव के इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद ही घाघरा, सरयू नदी कहलाएगी। चूंकि योगी आदित्यनाथ के फोकस में अयोध्या, राम मंदिर और सरयू नदी रहे हैं, इसलिए नदी के नाम को सरयू किए जाने के फैसले को इससे जोड़कर देखा जा रहा है।

पति को नदी में धक्का देकर मार डाला,सिद्धार्थनगर में प्रेमी संग 3 दिन घूमती रही, 18 साल पहले की थी लव मैरिज

बलरामपुर। सिद्धार्थनगर में पत्नी

पति को लेकर मंदिर गई। फिर प्रसाद में उसे जहर दे दिया। बेहोश होते ही पति को राप्ती नदी के पुल से नीचे फेंक दिया। फिर पति की गुमशुदगी की ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करा दी। हत्या के समय महिला का प्रेमी भी उसके साथ था। वह प्रेमी के साथ तीन दिन तक घूमती रही।महिला ने पति के साथ 18 साल पहले लव मैरिज की थी। अब प्रेमी के लिए उसने पति की हत्या कर दी। पुलिस ने 8 दिन बाद नदी किनारे मृतक का कंकाल बरामद किया। भाई के आरोप पर पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्याकांड खुल गया। पुलिस ने महिला से 8 साल छोटे प्रेमी को भी हिरासत में लिया है।सिद्धार्थनगर के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के रेहकट नजरगढ़वा गांव निवासी कन्नन (48) ने 18 साल पहले संगीता (35) से लव मैरिज की थी। दोनों का एक 12 साल का बेटा भी है। शुरुआत में सब कुछ ठीक रहा। मगर 2 साल पहले संगीता की मुलाकात बलरामपुर के रहने वाले अनिल शुक्ला उर्फ विवेक (27) से ट्रेन में हुई। दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। वह ललिया थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर धर्मपुर गांव का रहने वाला है।संगीता ने अनिल की मुलाकात अपने पति कन्नन से भी करवाई। अनिल का उसके घर अक्सर आना जाना लगा रहता था। कन्नन को इसी बीच पत्नी और अनिल के रिश्ते की भनक लग गई। वह रोक-टोक करने लगा। संगीता हर बार सिर्फ दोस्ती की बात कहकर मामले को टाल देती थी। पति जब ज्यादा विरोध करने लगा तो संगीता ने प्रेमी संग मिलकर उसकी हत्या का प्लान बनाया।पुलिस ने बताया- 2 जून को संगीता ने घूमने का प्लान बनाया। अनिल को भी बुला लिया। तीनों कार में सवार होकर श्रावस्ती में मौजूद विभूति नाथ मंदिर पहुंचे। यहां दर्शन किया। वापस आते समय बीच रास्ते में प्रसाद में जहर मिलाकर कन्नन को खिला दिया। इसके बाद बलरामपुर जिले के कोड़ारी पुल पर कार रोकी। फिर पति कन्नन के शव को 25 फीट ऊंचे पुल से राप्ती नदी में फेंक दिया।संगीता ने पुलिस को गुमराह करने के लिए 2 जून को सिद्धार्थनगर के ढेबरुआ थाने में पति की गुमशुदगी की ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद संगीता और अनिल कार लेकर बलरामपुर और अन्य जिलो में घूमते रहे। 5 जून को संगीता अपने ससुराल वापस पहुंची और पति के गुम होने की बात बताई।संगीता के 12 साल के बेटे रवि कश्यप ने बताया- 2 जून को पापा, मम्मी के साथ गए थे। अनिल अंकल भी साथ थे। मम्मी तो लौट आईं, पर पापा नहीं लौटे। मम्मी ने वहीं पर पापा को मारकर फेंक दिया।भाई बाबूलाल ने दर्ज कराई गुमशुदगी, कहा- 'मुझे संगीता पर पहले से ही शक था। अनिल से मिलने पर भाई विरोध करता तो लड़ाई करती थी। संगीता ने कन्नन के लापता होने की कहानी बताई तो विश्वास नहीं हुआ। मैंने 9 जून को ढेबरुआ थाने में दोबारा कन्नन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने संगीता से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात स्वीकारी। फिर पुलिस ने बलरामपुर के कोड़ारी पुल से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर कन्नन का कंकाल बरामद किया।' कन्नन के परिजनों ने बताया- 5 साल पहले दिल्ली जाते समय ट्रेन में संगीता की मुलाकात अनिल से हुई थी। अनिल बलरामपुर के तुलसीपुर स्थित एक होटल में मैनेजर था। दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। संगीता अक्सर बलरामपुर जाकर तुलसीपुर में अनिल से मिलती थी। इस बात का कन्नन को पता चला गया था। कन्नन गांव में ही खेती करता था।सीओ सुजीत राय ने बताया कि 2 जून को संगीता थाना ढेबरुआ थाना में संगीता में अपने पति के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। कहा- मेरे पति तीन दिन से घर नहीं आए। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई।9 जून को कन्नन के भाई बाबूलाल ने- संगीता और उसके प्रेमी पर आरोप लगाया। संगीता को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने गुमराह करने की कोशिश की। कड़ाई से पूछने पर उसने हत्या की बात कबूली। बलरामपुर के प्रेमी का भी नाम बताया। संगीता की निशानदेही पर शव बरामद किया गया। महिला के प्रेमी अनिल शुक्ला को भी गिरफ्तार किया गया है।

'मॉडल चाय-वाली' के साथ उगाही के लिए हुई मारपीट:बोली-कॉन्स्टेबल ने थप्पड़ मारे, लखनऊ पुलिस गुंडागर्दी कर रही

लखनऊ। मिस गोरखपुर रहीं सिमरन गुप्ता का। वह आदर्श कॉम्पलेक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सीतापुर रोड के पास 'मॉडल चाय वाली' के नाम से दुकान चलाती हैं। सोमवार यानी 9 जून को देर रात पुलिस ने सिमरन के साथ मारपीट की थी। 10 जून को चौकी इंचार्ज और सिपाही लाइन हाजिर कर दिए गए। सिमरन ने बताया कि सिविल ड्रेस में आए पुरुष सिपाही ने मेरा हाथ पकड़कर मोबाइल छीन लिया। प्राइवेट कार में जबरदस्ती बैठाने की कोशिश की। उनके एक स्टाफ को बैठा भी लिया। दबाव में लेकर उससे झूठे बयान दिलवाए। यह सबकुछ अवैध उगाही के लिए किया। बता दें कि सिमरन 'मॉडल चाय वाली' के नाम से लखनऊ में चर्चित हैं। उन्होंने कहां -'दुकान नहीं खुली थी, सिर्फ सामान समेट रही थी। फिर भी चौकी इंचार्ज आलोक चौधरी और सिपाही अभिषेक यादव ने मुझे मारा और धमकी दी। महिला कॉन्स्टेबल ने भी थप्पड़ मारे। चौकी पुलिस एक साल से टारगेट कर रही है। पुलिस को क्या वर्दी के साथ गुंडागर्दी का भी हक दिया गया है? मैं गोरखपुर में रात 2 बजे तक दुकान खोलती थी। राजधानी में पुलिस डरा रही है।' सिमरन ने बताया- घटना रात करीब पौने दो बजे की है। मैं अपनी दुकान बंद कर सामान समेट रही थी। दुकान के पास एक अन्य प्रतिष्ठान में रंगाई-पुताई का काम चल रहा था। वहीं पर मेरे आसपास के कुछ और साथी मौजूद थे। तभी सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी ब्लैक किआ कार से आए और बिना कुछ पूछे मारपीट शुरू

कर दी।सिमरन ने दावा किया- पुलिसकर्मी निजी कार से आए थे। वो न तो ड्यूटी वाहन से आए और न ही उनके पास कोई पहचान पत्र या बैज था। महिला कॉन्स्टेबल ने भी नाम छिपा रखा था। उन्होंने मारपीट के बाद मोबाइल छीन लिया। जब मैं उन्हें सीसीटीवी के सामने ले जाने लगी तो मेरे साथ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।सिमरन ने बताया- मेरी दुकान रोजाना तय समय पर ही बंद होती है। दुकान खोलने और बंद करने का पूरा रिकॉर्ड है। बावजूद इसके पुलिसकर्मी लगातार अनावश्यक दबाव बना रहे हैं। स्थानीय पुलिस एक अन्य चाय दुकानदार को संरक्षण देती है। उसी दुकानदार के कहने पर मुझे टारगेट किया जा रहा है। मैं मेहनत करके अपने परिवार को संभालती हूं, लेकिन पुलिसकर्मी धमकी दे रहे हैं कि मुकदमा दर्ज कर देंगे और बर्बाद कर देंगे।सिमरन ने बताया कि उन्होंने 'मॉडल चाय वाली' की शुरुआत 2022 में गोरखपुर से की थी। वहां कभी कोई परेशानी नहीं हुई। गोरखपुर में रात 2-3 बजे भी बाहर रहती थी, लेकिन कभी किसी ने आंख नहीं दिखाई। यहां राजधानी में पुलिस ही डराने लगी है। राजधानी की पुलिस बेवजह परेशान कर रही है।सिमरन ने बताया कि घटना के बाद भी पुलिसकर्मी मेरे परिवार को धमका रहे हैं। कहा जा रहा है कि मामला शांत न किया गया तो 6 महीने बाद केस करेंगे। 1090 और 112 पर कॉल करने के बावजूद राहत नहीं मिली। अब पुलिस से भरोसा उठ गया है। महिला आयोग गई हूं। बस यही चाहती हूं कि मुझे और मेरे परिवार को सुरक्षा दी जाए। मामले में एडीसीपी नार्थ जितेंद्र कुमार दुबे का कहना है कि सोशल मीडिया के जरिए अभद्रता की जानकारी मिली है। पीड़िता की तरफ से मामले में अभी तक शिकायत नहीं की गई है। वीडियो के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।सिमरन ने गोरखपुर यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। इसके बाद वह मॉडलिंग में अपना करियर बनाने में जुट गईं। कई मॉडलिंग प्रोग्राम में हिस्सा लिया और 2018 में उन्होंने 'मिस गोरखपुर' का खिताब जीता। उसके बाद उन?होंने कई विज्ञापनों में भी वह नजर आईं। कोरोनाकाल में पिता की नौकरी चली गई। उसके बाद सिमरन ने खुद बिजली विभाग में संविदा पर 5 महीने नौकरी की। सैलरी नहीं मिली। इससे परिवार पर आर्थिक संकट आने लगा तो उन्होंने नौकरी छोड़ दी। एमबीए चायवाला प्रफुल?ल बिलोरे और पटना की ग्रेजुएट चाय वाली प्रियंका गुप्ता से प्रेरित होकर 'मॉडल चाय वाली' नाम से दुकान खोल ली।

क्षेत्राधिकारी घोरावल द्वारा किया गया अर्दली रूम, आईजीआरएस व विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण हेतु दिये गये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय द्वारा सर्किल घोरावल के थाना शाहगंज पर अर्दली रूम किया गया। अर्दली रूम के दौरान क्षेत्राधिकारी द्वारा लम्बित विवेचनाओं के सन्बंध में विस्तृत रूप से वार्ता करते हुये लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई तथा विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु सम्बंधित विवेचकों को निर्देशित किया गया, साथ ही आईजीआरएस व जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी द्वारा अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, रात्रि में चौराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के तस्करों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, थाने के मालों का निस्तारण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही वर्तमान समय में शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी आदेशों एवं अभियानों के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

पाक्सो एक्ट में फरार चल रहे 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। थाना शाहगंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-44/2025 धारा-64(1), 87, 61(2), 137(2), बीएनएस व 16/17 पाक्सो एक्ट में फरार चल रहे 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व आज दिनांक-11.06.2025 को थाना शाहगंज पुलिस द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर मु0अ0सं0-44/2025 धारा- 64(1), 87, 61(2), 137(2), बीएनएस व 16/17 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में फरार चल रहे 01 नफर वांछित अभियुक्त आशीष पुत्र सीताराम निवासी डोहरी थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय प्रेषित किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- आशीष पुत्र सीताराम निवासी डोहरी थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण- 1. थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 चन्द्रजीत यादव थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र।

मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आज दिनांक 11.06.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

खेल की मैदान की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को डाला नगर पंचायत के युवा प्रवासियों द्वारा खेल की मैदान की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन कर सौंपा डीएम नामित सम्बंधित को पत्र। युवा खिलाड़ियों ने बताया कि सुबह शाम बुजुर्गों के टहलने के लिए कोई खेल मैदान उपलब्ध नहीं है वहीं वहां सैकड़ो के संख्या में युवा खिलाड़ियों के प्रतिभा को उत्साहित करने का स्थान चिन्हित ना होने पर काफी और सुविधाओं का दंश झेलना पड़ रहा है वहीं विभिन्न प्रकार के खिलाड़ी के खेलो को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी नामित ज्ञापन लेकर ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए खिलाड़ियों ने बताया कि डाला नगर पंचायत क्षेत्र में एक खेल के मैदान सुनिश्चित कर दिया जाए जिससे कि आसपास के रवासियों द्वारा बुजुर्गों को सुबह शाम टहलने का एक निश्चित स्थान मिल जाए बच्चों के खेलने के लिए वह खिलाड़ियों के लिए समुचित स्थान रहे इस मौके पर विनय, अनमोल ,विकास , सकील,रोहित,अशफाक ,सूरज,प्रेम कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

2 लाख आबादी वाले ब्लाक कोन में डॉक्टर की कमी,कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने स्वास्थ्य मंत्री को लिखा पत्र

सोनभद्र। ब्लाक - कोन, जिला - सोनभद्र की लगभग 2 लाख की आबादी आज भी एक ही डॉक्टर के सहारे इलाज करवाने को मजबूर है। आम आदमी की इस हताशा और पीड़ा को देखते हुए युवा मंच, अपना दल एस के प्रदेश उपाध्यक्ष आनद पटेल दयालु ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और अपना दल एस के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष पटेल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से मांग की गई कि ब्लाक - कोन के सरकारी अस्पताल में कम से कम 5 डॉक्टर तैनात किए जाएं, जिसमें एक महिला डॉक्टर की उपस्थिति अनिवार्य हो। क्षेत्र की गरीबी और लगातार हो रही असमय मौतों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि तत्काल प्रभाव से डॉक्टर और जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। आनद पटेल दयालु ने कहा कि यह बहुत ही दुखद है कि सोनभद्र जैसे जिला, जो प्रदेश को खनिज से अरबों रुपये का राजस्व देता है, उसके अस्पतालों की हालत इतनी खराब है। जिला खनिज निधि में पड़े पैसे का उपयोग यहां के गरीबों के इलाज और सुविधाओं में हो। उन्होंने मांग की कि कोन अस्पताल में एमआरआई मशीन भी उपलब्ध कराई जाए जिससे लोगों को बनारस जैसे शहरों में भटकना न पड़े। इस ज्ञापन के जवाब में माननीय आशीष पटेल ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र लिखकर कोन अस्पताल की स्थिति को सुधारने की दिशा में कदम बढ़ाया। युवा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष आनद पटेल दयालु ने कहा कि आशीष ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे केवल नेता नहीं बल्कि आम जनता की आवाज हैं। उन्होंने पहले भी तेलगुड़वा से कोन सड़क के टेंडर को जिला अधिकारी तक आदेश दिलवाकर बनवाने का कार्य किया और अब डॉक्टर एवं दवा की सुविधा के लिए सीधा स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजवाकर क्षेत्र की जनता को एक बार फिर उम्मीद दी है। ब्लाक - कोन की जनता आजीवन आभारी रहेगी ऐसे जननायक के लिए, और उनकी जय-जयकार करती रहेगी।

पेयजलापूर्ति चालू करने की मांग बाल्टी डिब्बा साथ विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र। कुसाही बढ़ौली पेयजल योजना सप्ताह भर से ठप होने से आक्रोशित कॉग्रेस कार्यकर्ताओं ने कॉग्रेस के पूर्व प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा की अगुवाई मे जल निगम अधिशासी अभियंता कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर जल्द पेयजलापूर्ति चालू करने की मांग की, आपूर्ति न होने पर भूख हडताल की चेतावनी दी। कॉग्रेस के पूर्व प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा की कुसाही बढ़ौली पेयजल योजना एक सप्ताह से पूरी तरीके से ठप होने से पेयजल के लिए जनता मे हाहाकार मचा हुआ है त आम जनता भीषण गर्मी मे पेयजल न मिलने से है परेशान है, उनकी समस्याएं लगातार बढ़ रही है, पानी टैंकरों की सप्लाई भी सुचारू रूप से न मिलने से जनता बेहाल है,लेकिन जिला प्रशासन और जल निगम के अधिकारी इस गंभीर समस्याओं से अनभिज्ञ हैत श्री मिश्रा ने कहा की बीजेपी सरकार मे आम जनता को पानी के लिए सडकों पर संघर्ष करना पड़ता है, इस मामले पर अधिकारियों के साथ जिले के जन प्रतिनिधि भी जिम्मेदार है तइस योजना से लगभग 115 गांवों मे पानी उपलब्ध कराए जाने का व्यवस्था थी,लेकिन जल निगम के अधिकारियों व जिला प्रशासन की लापरवाही और उदासीनता से ये योजना महज कुछ गांवों मे पेयजल आपूर्ति कर रही है, लेकिन एक सप्ताह से पेयजलापूर्ति पूरी तरीके से बाधित है। महिला कॉग्रेस की जिला अध्यक्ष ऊषा चौबे ने कहा की बढ़ौली, गोरारी,लोढी,उरमौरा, संतनगर, घुरमा, सहित कई गांवों मे पेयजलापूर्ति ठप होने हाहाकार मचा हुआ है, लेकिन जल निगम के अधिकारी मौन है तहैंडपंप सूखने से पानी की बिकट समस्याओं से जनता जुझ रही है, जल निगम कार्यालय के पीछे और आस पास टेंकरो से पानी सप्लाई न होने से जनता बेहाल हैद्द वार्ड के सभासद मनोज चौबे ने कहा की कुसाही पेयजलापूर्ति जल्द सुरु नहीं किया गया तो जल निगम कार्यालय पर बड़ा आंदोलन किया जायेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन और जल निगम की होगीत उक्त मौके पर रंगइ यादव, ज्ञानवती , अनामिका, जय प्रकाश, महादेव, सीता देवी, शिवकुमारी, बसंती, रीता देवी, अजय, राजकुमार प्रेमा देवी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक संपन्न

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर समाजवादी मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता यूऐ के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडे ने किया और बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव उपस्थित थे।बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि सभी नौजवानों की जिम्मेदारी है कि गांव-गांव जाकर एक-एक मतदाताओं से मिलने का काम करें और उनकी समस्याओं से अवगत होने का काम करें क्योंकि यह भाजपा सरकार नौजवानों का शोषण कर रही है। नौजवानों का यदि किसी पार्टी में सम्मान है तो वह समाजवादी पार्टी है क्योंकि जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव थे तो नौजवानों को आगे बढ़ने का काम किया और उनके हौसलों को बुलंद किया। बैठक को संबोधित करते हुए यूथ के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडे ने कहा कि ब्राह्मणों का अपमान सबसे ज्यादा भाजपा सरकार में हुई है जिसे ब्राह्मण समाज कभी माफ नहीं करेगा। बैठक में मुख्य रूप से अनिल प्रधान त्रिपुरारी गौड़ गुलाम यासीन सरदार पारब्रह्म सिंह सुशील राय के साथ यूथ के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित।

विकसित भारत के लिए समर्पित मोदी सरकार- संजीव कुमार गोंड़

भारतीय जनता पार्टी व मोदी जी के नेतृत्व मे केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा किये हुए ऐतिहासिक कार्यो पर एक प्रदर्शनी भाजपा जिला कार्यालय पर लगायी गयी जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना के केन्द्र में जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है। बीते 11 वर्षो में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में मोदी सरकार ने सीमा सुरक्षित की, अर्थव्यवस्था मजबूत की, और टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाया उक्त बातें भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र पर प्रेसवार्ता के दौरान संजीव कुमार गोंड़ ने कहा- भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेस को ध्वस्त कर यह दिखा दिया कि अब मोदी का यह नया भारत शांति की बातें नहीं बल्कि घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट और सख्त संदेश भी दिया कि आतंक, पानी और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। संकट काल के दौरान मोदी सरकार ने अपने नागरिकों को विश्वभर के हर कोने से सुरक्षित निकालकर यह सिद्ध किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार केवल सीमाओं के भीतर नहीं, विश्वभर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की निर्णायक नीति, सुरक्षा बलों की सशक्त कार्रवाई और विकास की डबल रणनीति के कारण अब नक्सल प्रभावित जिले घटकर गिनती के रह गए हैं। नक्सल घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आ गई है। आज भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक डिजिटल लेनदेन के 49 लेनदेन भारत में होते हैं। देश का वस्तु और सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर तक पहुंचा। मध्यम वर्ग के जीवन को आसान बनाना और अवसरों को भरपूर करना भाजपा सरकार का प्रथम दिन से लक्ष्य रहा है। इस प्रतिबद्धता का परिणाम नई कर व्यवस्था के तहत 12.75 लाख तक की आय पर टैक्स छूट है। मोदी सरकार में 99 गांव सड़क कनेक्टिविटी से जुड़ चुके हैं, देश में प्रतिदिन 34 किलोमीटर हाईवे का निर्माण हो रहा है। रेलवे बजट को 9 गुना बढ़ाया गया, 136 वंदे भारत ट्रेनें चल रही है, और 103 अमृत भारत स्टेशन पुनर्निर्मित किए गए हैं। मोदी सरकार का संकल्प हवाई सफर को देश के आम नागरिक के लिए किफायती बनाना है। उड़ान योजना के तहत न सिर्फ हवाई अड्डों की संख्या 160 तक दोगुनी हुई बल्कि आम आदमी के लिए हवाई सफर संभव हुआ है। देश के अन्नदाता ही भारत की ताकत हैं। 2025-26 में कृषि बजट को रिकॉर्ड 5 गुना बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 11 करोड़ से अधिक किसानों को रु3.7 लाख करोड़ दिए गए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अब तक रु1.75 लाख करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33ः आरक्षण मिला है। तीन तलाक खत्म किया गया। मातृत्व अवकाश 26 सप्ताह किया गया। 10 करोड़ से अधिक महिलाएं 90 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं और 3 करोड़ श्लखपति दीदीश् बनाने का लक्ष्य तय किया गया। मुद्रा योजना के तहत 35.38 करोड़ महिलाओं को रु14.72 लाख करोड़ का ऋण का दिया गया है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के तहत 3.98 करोड़ गर्भवती और स्तनपान करवाने वाली माताओं के लिए रु18,593 करोड़ रुपए वितरित किए गए। पत्रकार वार्ता मं भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, जिला प्रभारी अनिल सिंह, घोरावल विधायक अनिल कुमार मौर्या, अध्यक्ष नगर पालिका राबर्ट्सगंज रुबी प्रसाद, जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी जी मौजूद रहे।

मार-पीट एवं शान्ति भंग के दृष्टिगत कुल 03 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। थाना चोपन के ग्राम पईका में जमीनी विवाद को लेकर हुई मार-पीट एवं शान्ति भंग के दृष्टिगत कुल 03 नफर अभियुक्तगण थाना चोपन पुलिस ने गिरफ्तार कर निरोधात्मक कार्यवाही की गयी. पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, श्री अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 11.06.2025 को थाना चोपन पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 03 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 01.देवीराम पुत्र स्व0 रामानुज ग्राम पइका थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 58 वर्ष, 02.प्रदीप मिश्रा पुत्र स्व0 रामानुज ग्राम पइका थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष, 03.हरिशंकर पुत्र चौरासी राम ग्राम पइका थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 59 वर्ष, गिरफ्तार करने वाली टीम- 01.उ0नि0 अभयनाथ यादव थाना चोपन सोनभद्र , 02.का0 राहुल यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

बीएमएम के ट्रांसफर पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का प्रदर्शन कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध करते हुए जिलाधिकारी को दिए पत्र

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को सदर ब्लाक के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बीएमएम के ट्रांसफर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को सौप पत्र। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि गलत तरीके से पत्राचार किया गया जिसके आधार पर बीएमएम सुनील कुमार का ट्रांसफर डीसी अधिकारी द्वारा दूसरी जगह कर दिया गया जिस पर खफा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर संबंधित मामले से अवगत कराया बताया कि गलत तरीके से आरोप लगाकर पत्राचार किया गया है जिसका निष्कर्ष जांच कराई जाए और पुनहः उनकी नियुक्ति इस स्थान पर कराई जाए इस मौके पर प्रियंका मौर्या, कुसुम, कमलावती ,मुन्नी ,आरती, सुनीता ,कौशल्या, उर्मिला, सीमा, चंदा, शांति देवी ,गायत्री सहित अन्य लोक मौजूद रहे।

भाईचारे के साथ संगठन को करें मजबूत:विनोद बागड़ी

बाबा साहब के अधूरे कारवां को पूरा करने को संगठन संकल्पित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में जिला स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक रमेश कुशवाहा के अध्यक्षता में राबर्टसगंज नगर पालिका अंतर्गत स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह सोनभद्र में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में विनोद बागड़ी मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल /वाराणसी मंडल रहे। विशिष्ट अतिथि अमरजीत गौतम मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल जगन्नाथ पाल मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल गुड्डू राम मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल पन्नालाल मुख्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल लल्लू गौतम मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल प्रीतम गिरी रामविचार गौतम जिला प्रभारी बी सागर साहब जिला संयोजक अरविंद निषाद जिला संयोजक हीरालाल सायन साहब पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अविनाश शुक्ला पूर्व मुख्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल रहे। बैठक का संचालन डा0 राम अवतार चौहान पूर्व जिला महासचिव ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सबसे पहले एक मिशन है मिशन मूवमेंट आगे बढ़ाने के लिए समय-समय से जन्मे संतो गुरुओ महापुरुषों ने अपने जीवन को समर्पित कर दिया बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भी अपने जीवन काल में शोषित वंचित समाज के लिए संघर्ष करते रहे बाबा साहब के अधूरे कारवां को पूरा करने के लिए बहुजन नायक मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब ने बहुजन समाज पार्टी का स्थापना कर आयरन लेडी बहन कुमारी मायावती के नेतृत्व में बसपा की सरकार बनाने का काम किया और कारवां चलता रहा आगे बढ़ता रहा इस कारवां को रुकने नहीं देना है लेकिन राजनीतिक मास्टर चाबी जब तक बहुजनों के हाथ में नहीं आएगी तब तक सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर चलने वाली बहुजन समाज का मूवमेंट आगे नहीं बढ़ पाए इसलिए सर्व समाज के हित के लिए बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनाने की जरूरत है तभी सर्व समाज के लोगों को मान सम्मान स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है।

यूनाइटेड स्पिरिट ने आरसीबी को बेचने की खबरें खारिज कीं,कहा-ऐसी कोई बातचीत नहीं चल रही; रु17 हजार करोड़ में डील का दावा था

नयी दिल्ली। मैकडॉवल्स व्हिस्की बनाने वाली कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बेचने की खबरों को गलत बताया है।कंपनी ने कहा- हम बताना चाहते हैं कि आरसीबी की हिस्सेदारी बेचने की खबरें पूरी तरह से अनुमान पर आधारित हैं। कंपनी इस तरह की कोई चर्चा नहीं कर रही है। इससे पहले ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि यूनाइटेड स्पिरिट आरसीबी को 2 अरब डॉलर यानी करीब 17 हजार करोड़ रुपए में बेचने पर विचार कर रही है। यूएसएल पहले विजय माल्या की कंपनी थी। माल्या के दिवालिया होने पर इसे ब्रिटिश लिकर कंपनी डियाजियो ने खरीद लिया। डियाजियो ही आरसीबी की मालिक हो गई।दावा किया जा रहा था कि डियाजियो के मुख्य शराब बिजनेस से आरसीबी अलग है। इसे बेचकर डियाजियो अपने सिर्फ शराब बिजनेस पर फोकस करना चाहती है। ये भी कहा जा रहा था कि आरसीबी ने हाल ही में 2025 में अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती। इसने आरसीबी की

कॉमर्शियल वैल्यू बढ़ा दी है। ये बेचने का सही समय हो सकता है। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय आईपीएल जैसे बड़े खेल आयोजनों में शराब और तंबाकू के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग कर रहा है। ऐसे में डियाजियो खुद को आईपीएल से अलग करना चाहता है।अगर डियाजियो आरसीबी को बेचने का फैसला करती, तो ये आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा सौदा होता। जब 2021 में आईपीएल में दो नई टीमें लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स जोड़ी गई थीं, तब लखनऊ को आरपीएसजी ग्रुप ने 7,090 करोड़ रुपए में और गुजरात को सीवीसी कैपिटल ने 5,625 करोड़ रुपए में खरीदा था। ये अब तक की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी खरीद डील्स हैं। 2 बिलियन डॉलर यानी, करीब 17,000 करोड़ रुपए की आरसीबी की वैल्यूएशन लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स की खरीद से कहीं ज्यादा है। पहले इस टीम के मालिक शराब कारोबारी विजय माल्या थे, लेकिन 2016 में जब माल्या मुश्किल में फंसे, तो डियाजियो ने उनकी शराब कंपनी के साथ-साथ आरसीबी को भी खरीद लिया।आरसीबी को 2008 में विजय माल्या ने 111.6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। उस समय के हिसाब से रुपए में ये रकम करीब 476 करोड़ रुपए थी। ये उस समय दूसरी सबसे महंगी आईपीएल टीम थी। माल्या की कंपनी यूएसएल के जरिए आरसीबी का मालिकाना हक था। 2014 में डियाजियो ने यूएसएल में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी और 2016 तक माल्या के बाहर होने के बाद आरसीबी की पूरी मालकियत डियाजियो के पास आ गई। अभी आरसीबी का संचालन यूएसएल की सब्सिडियरी रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड करती है।

12 दिन, 7 मैच, यूं जीत लिए 247960744 रुपये, कौन है ये टेनिस वर्ल्ड की ये 21 साल की नई क्वीन

पेरिसः कोको गॉफ ने फ्रेंच ओपन

जीतकर इतिहास रच दिया है। वह सेरेना विलियम्स के बाद यह खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला बन गई हैं। 7 जून, 2025 को हुए फाइनल में गॉफ ने एरिना सबालेंका को हराया। गॉफ ने 6-7(5), 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। 21 साल की गॉफ, 2002 में सेरेना के बाद सबसे कम उम्र की चैंपियन भी हैं। उन्होंने 2023 में व्रए ओपन भी जीता था। इस जीत के साथ गॉफ ओपन एरा में रोलां गैरो जीतने वाली सातवीं अमेरिकी महिला बन गई हैं। सेरेना विलियम्स ने 2015 में यह खिताब जीता था। उसके बाद गॉफ यह खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला हैं। 21 साल की गॉफ 2002 में सेरेना के बाद सबसे कम उम्र की चैंपियन हैं। गॉफ ओपन एरा में रोलां गैरो जीतने वाली सातवीं अमेरिकी महिला हैं। मेडिसन की ने भी ऑस्ट्रेलियाई ओपन में सबालेंका को हराकर एक और मेजर खिताब जीता था। इस तरह अमेरिकी महिलाओं का दबदबा कायम है।गॉफ ने कोर्ट पर कहा- मुझे ईमानदारी से नहीं लगता था कि मैं यह कर सकती हूं, लेकिन मैं Tyler the Creator को कोट करना चाहूंगी। उन्होंने कहा था 'अगर मैंने कभी तुमसे कहा कि मुझे अपने अंदर कोई डाउट है, तो मैं झूठ बोल रहा होऊंगा। मैं यही बात आप लोगों को बताना चाहती हूं। मुझे लगता है कि मैं खुद से झूठ बोल रही थी और मैं निश्चित रूप से यह कर सकती थी। गॉफ 2022 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गई थीं। गॉफ को लगभग 2.9 मिलियन डॉलर यानी 247960744 रुपये मिलेंगे।गॉफ ने कहा- मैं अपने माता-पिता को धन्यवाद देना चाहूंगी। आप लोगों ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है। मेरे कपड़े धोने से लेकर मुझे मैदान तक और मुझे यह विश्वास दिलाने तक कि मैं यह कर सकती हूं। आप लोग शायद मुझ पर मुझसे भी ज्यादा विश्वास करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी गॉफ की उपलब्धि पर बधाई दी। निर्णायक तीसरे सेट में सबालेंका ने डबल फॉल्ट किया, जिससे गॉफ को 2-1 की बढ़त मिल गई। गॉफ ने 3-1 की बढ़त बनाई और 4-1 के लिए ब्रेक पॉइंट भी थे। लेकिन सबालेंका ने होल्ट किया और फिर 3-ऑल के लिए ब्रेक किया। गॉफ ने जोरदार वापसी की और मेच अपने नाम कर लिया।कोको गॉफ एक अमेरिकी पेशेवर टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 13 मार्च 2004 को फ्लोरिडा, यूएस में हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही टेनिस खेलना शुरू कर दिया था और जल्द ही अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित किया।

जॉन सीना और सीएम पंक के टॉप 3 बेस्ट डब्लूडब्लूई फाइट,हमेशा फैंस को किया है हैरान

नयी दिल्ली।जॉन सीना और सीएम पंक के बीच डब्लूडब्लूई के कुछ बेहतरीन मुकाबले हुए। फैंस इन दोनों के मुकाबले के लिए हमेश से काफी उत्साहित रहे हैं। ये दोनों रेसलर नाइट ऑफ चैंपियंस के दौरान आपस में भिड़ेगे। यह मुकाबला 28 जून को सऊदी अरब में खेला जाएगा। ऐसे में आइए देखते हैं कि इन दोनों के बीच हुए तीन सबसे रोमांचक मुकाबले। 1. जॉन सीना और सीएम पंक के बीच कई यादगार मुकाबले हुए हैं। मनी इन द बैंक 2011 का मैच सबसे खास माना जाता है। यह सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि डब्लूडब्लूई के इतिहास का भी बेहतरीन मैच माना जाता है। उस समय पंक का 'पाइपबॉम्ब' प्लॉटलाइन चरम पर था। पंक के होमटाउन में माहौल बहुत ही जोशीला था। इस मैच में बहुत कुछ दांव पर लगा था। पंक ने धमकी दी थी कि डब्लूडब्लूई टाइटल जीतने के बाद वह कंपनी छोड़ देंगे। जब पंक ने विंस मैकमोहन को फ्लाइंग किस करते हुए क्राउड में चले गए, तो यह इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया। इस मैच में रेसलिंग और ड्रामा दोनों का शानदार मिश्रण था। डब्लूडब्लूई रॉ फरवरी 25, 2013 को सीना और पंक का एक और शानदार मैच हुआ। यह मैच फ्री टीवी पर दिखाया गया था, लेकिन यह किसी पे-पर-व्यू इवेंट से कम नहीं था। दोनों रेसलर रेसलमेनिया 29 में द रॉक का सामना करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रहे थे। उन्होंने पाइलड्राइवर जैसे मुश्किल मूव्स भी किए। इस मैच में उनकी केमिस्ट्री साफ दिखाई दे रही थी। यह मैच तकनीकी रूप से भी बहुत अच्छा था और इसमें भावनाएं भी भरपूर थीं। नाइट ऑफ चैंपियंस 2012 का मैच भी बहुत ही दिलचस्प था। यह मैच जॉन सीना के होमटाउन बोस्टन, मैसाचुसेट्स में हुआ था। यह मैच एक असामान्य डबल पिन में समाप्त हुआ। इससे पंक का टाइटल बरकरार रहा और तनाव बढ़ गया। इस मैच के नतीजे पर फैंस ने खूब बातें कीं। उनकी इन-रिंग स्टोरीटेलिंग बहुत ही शानदार थी।

विश्व युद्ध-2 के बाद सिर्फ 2 हार, डब्लूटीसी फाइनल वेन्यू लॉर्ड्स में ऐसा खतरनाक है ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और

दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार से लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हो चुका है। एक ओर यहां दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन शानदार रहा है तो दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया ने भी इस मैदान पर अपना जलवा बिखेरा है। साल 2000 से लेकर अब तक ऑस्ट्रेलिया ने लॉर्ड्स में आठ टेस्ट खेले हैं, जिसमें पांच मैच उसने अपने नाम किए, जबकि दो गंवाए। एक मैच ड्रॉ भी रहा। ऑस्ट्रेलिया ने जुलाई 2001 में यहां इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। देखा जाए तो दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 2 मैच गंवाए हैं, जबकि 23 में से 12 जीते हैं और 9 ड्रॉ खेले हैं।इसके बाद उसने जुलाई 2005 में इंग्लैंड को 239 रन से रौंदा। जुलाई 2009 में इंग्लैंड ने बैक-टू-बैक हार का बदला लेते हुए ऑस्ट्रेलिया को लॉर्ड्स में 115 रन से मात दी। जुलाई 2010 में ऑस्ट्रेलियाई टीम एक बार फिर इस मैदान पर उतरी, लेकिन विपक्षी टीम इस बार बदली थी। ये मैच पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 150 रन से जीता। जुलाई 2013 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 347 रन से मैच अपने नाम किया। जुलाई 2015 में एक बार फिर इस मैदान पर इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने-सामने थीं।इस मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने 405 रन से जीता। अगस्त 2019 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमों की भिड़ंत यहां हुई, लेकिन ये मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। जुलाई 2023 में खेले गए एक अन्य मैच में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के विरुद्ध 43 रन के अंतर से जीत दर्ज की। अगर, दक्षिण अफ्रीका टीम के प्रदर्शन को देखा जाए, तो उसने साल 2000 से अब तक लॉर्ड्स के मैदान पर कुल पांच मैच खेले हैं।इस दौरान दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तीन मुकाबले जीते, जबकि एक मैच हारा। एक मैच ड्रॉ भी रहा है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट फॉर्मेट में हेड टू हेड रिकॉर्ड को देखें, तो दोनों टीमें 101 मुकाबलों में भिड़ चुकी हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 54 मुकाबले अपने नाम किए। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 26 मैच जीते। 21 मुकाबले ड्रॉ रहे। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं तो टेम्बा बावुमा साउथ अफ्रीका के कप्तानहैं।

भारतीय टीम की इंग्लैंड में प्रैक्टिस,कप्तान शुभमन गिल सहित टीम के अन्य खिलाड़ी फील्डिंग का अभ्यास किया

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट

टीम बुधवार को इंग्लैंड में फील्डिंग की प्रैक्टिस की। इसका वीडियो बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। भारतीय टीम के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी अन्य खिलाड़ियों के साथ कैच का प्रैक्टिस करते नजर आए। वहीं भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी थ्रो और फील्डिंग करते नजर आए। कोच गौतम गंभीर 6 जून को मुंबई एयरपोर्ट से इंग्लैंड के लिए रवाना हुए। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद 25 साल के शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को उप-कप्तान बनाया गया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद टीम का यह पहला दौरा होगा। भारतीय टीम ने 8 जून को पहले प्रैक्टिस सेशन में भाग लिया था। इसमें कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया था। हालांकि, टीम में शामिल कई खिलाड़ी इंडिया ए के सदस्य होने की वजह से शामिल नहीं हो पाए थे। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरू होगा, जबकि अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल में खेला जाएगा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है। ऐसे में टीम की नजर सीरीज जीतने पर होगी।शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, ऋशभ पंत (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, शार्दूल ठाकुर, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

दुश्मन को सोशल मीडिया से मार देना चाहते हैं जॉन सीना, फाइट से पहले ये क्या पोस्ट कर दिया

नयी दिल्ली। जॉन सीना ने

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने सीएम पंक पर निशाना साधा है। यह पोस्ट सीएम पंक के पुराने कमेंट से जुड़ा हुआ है। सीना अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर रहस्यमय पोस्ट करते हैं। इस बार उन्होंने द मिज की एक फोटो पोस्ट की है। इस फोटो में मिज, समोआ जो को डब्लूडब्लूई इवेंट में हरा रहे हैं। यह इवेंट सऊदी अरब में हुआ था।लोगों का मानना है कि यह पोस्ट सीएम पंक पर एक कटाक्ष है। क्योंकि सीएम पंक ने पहले सऊदी अरब को लेकर विवादित बयान दिया था। अब सीना और सीएम पंक के बीच नाइट ऑफ चैंपियनशिप 2025 में मुकाबला होने वाला है। यह मुकाबला सऊदी अरब में होगा। जॉन सीना की इंस्टाग्राम पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है।सीना की इस पोस्ट को सीएम पंक के पुराने बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। 2020 में सीएम पंक ने डब्लूडब्लूई और सऊदी अरब की साझेदारी पर विवादित टिप्पणी की थी। सीएम पंक का यह बयान बहुत ही विवादास्पद था। डब्लूडब्लूई में वापसी के बाद से सीएम पंक सऊदी अरब में किसी भी इवेंट में शामिल नहीं हुए हैं। लेकिन अब उन्होंने इस साल सऊदी अरब में मुकाबला करने के लिए हामी भर दी है। हाल ही में रॉव में जॉन सीना और सीएम पंक का आमना-सामना हुआ। दोनों के बीच तीखी बहस हुई।सीना ने सीएम पंक को डब्लूडब्लूई चैंपियनशिप के लिए चुनौती दी। उन्होंने कहा कि उन्हें सऊदी अरब में नाइट ऑफ चैंपियनशिप 2025 में उनसे मुकाबला करना होगा। सीएम पंक ने चुनौती स्वीकार कर ली। इसके बाद यह मुकाबला आधिकारिक हो गया। सीना पहले ही सीएम पंक पर निशाना साध चुके हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों के बीच मुकाबला कैसा होता है। यह शायद इन दोनों दिग्गजों का आखिरी मुकाबला होगा।

साउथ अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोकेन लेने पर आईपीएल में हुई थी बेइज्जती, अब यूं कागिसो रबाडा ने 4 गेंदो में कंगारुओं का किया कबाड़ा

नयी दिल्ली। लॉर्ड्स के

ऐतिहासिक मैदान पर आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की शुरुआत हो गई है। 2023-25 चक्र के खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के सामने साउथ अफ्रीका की चुनौती है। ओवर कास्ट कंडीशन में साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है जबकि साउथ अफ्रीका को 27 साल से आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है।साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज का नई गेंद से जलवा देखने को मिला। उन्होंने 7वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख बल्लेबाजों को आउट कर दिया। पहले उन्होंने उस्मान ख्वाजा का शिकार किया। 20 गेंद खेलने के बाद भी ख्वाजा का खाता नहीं खुला। इस टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। पहली स्लिप में बेडिंघम ने उनका कैच लपका।ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे नंबर पर कैमरून ग्रीन बल्लेबाजी के लिए उतरे। करीब 15 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे ग्रीन का बल्ला भी शांत रहा। उन्होंने चौके से खाता खोला लेकिन 3 गेंद पर 4 रन बनाकर आउट हो गए। आगे की गेंद बाहर की तरफ स्विंग हुई और ग्रीन के बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में चली गई। वहां एडेन मार्करम ने इसे लपक लिया।आईपीएल 2025 के दौरान कागिसो रबाडा को बैन कर दिया गया था। उन्हें कोकेन लेने का दोषी पाया गया था। इसकी वजह से वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए ज्यादा मैच नहीं खेल पाए थे। कोकेन प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए लिया जाता है। यह सिर्फ शौखिया ड्रग्स है। इसी वजह से उनपर लंबा बैन नहीं लगा। आईपीएल के अंतिम मैचों के लिए वह साउथ अफ्रीका से वापस आ गए थे।

कुत्तों के हमले से बच्ची की मौत,हर 5 डॉग बाइट विक्टिम में 1 बच्चा, समझें आवारा कुत्तों का बिहेवियर

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां 6 साल

की मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्ते बच्ची को मुंह में दबाकर एक किनारे ले गए और नोच-नोच कर मार डाला। ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रही हैं। अक्सर आवारा कुत्तों के हमलों की खबरें सामने आती रहती हैं। कभी स्कूली बच्चे शिकार बनते हैं, कभी खेलते हुए मासूम तो कभी पार्क में टहलते बुजुर्ग। ये हमले सिर्फ खौफ नहीं पैदा करते, बल्कि हमारी सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम खुद भी सतर्क रहें और अपने बच्चों को भी सावधानी बरतना सिखाएं। अक्सर कुत्ते डर, भूख और अपने एरिया की सुरक्षा के लिए आक्रामक हो जाते हैं। कई बार वे झुंड में होते हैं, जिससे उनकी आक्रामकता और बढ़ जाती है। इसके अलावा रेबीज जैसी बीमारी भी इनके व्यवहार को खतरनाक बना देती है। इंसानों का कुत्तों के प्रति गलत व्यवहार जैसे डराना या मारना भी उन्हें हमला करने के लिए उकसाता है।मौसम बदलने का असर आवारा कुत्तों के व्यवहार पर सीधा पड़ता है। खासकर गर्मी और बारिश के मौसम में वे ज्यादा चिड़चिड़े और आक्रामक हो सकते हैं। गर्मी में उन्हें ना तो ठंडी जगह मिलती है, ना पीने को पानी और ना ही आराम करने की सुरक्षित जगह। तेज धूप और प्यास से उनका शरीर जल्दी थक जाता है और दिमाग चिड़चिड़ा हो जाता है। ऐसे में वे किसी के करीब आने या छेड़ने पर गुस्से से हमला कर सकते हैं। इसके अलावा बारिश के मौसम में स्किन की खुजली, घाव या इन्फेक्शन जैसी समस्याएं भी हो जाती हैं, जिससे वे इरिटेट हो जाते हैं और आक्रामक हो सकते हैं।पेरेंट्स को क्या सावधानियां बरतनी चाहिए की सबसे पहले बच्चों को कुत्तों से डरना और उनकी आदतों को समझना सिखाना चाहिए। उन्हें बताएं कि कुत्तों को परेशान न करें, उन पर पत्थर न फेंकें और न ही उन्हें चिढ़ाएं। साथ ही बच्चों को कभी भी गली-मोहल्ले में अकेले नहीं छोड़ना चाहिए, खासकर जब कुत्ते झुंड में हों। इसके अलावा पेरेंट्स खुद भी सतर्क रहें और अगर आसपास आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं तो स्थानीय प्रशासन को तुरंत सूचित करें। इन सावधानियों से बच्चों को सुरक्षित रखना आसान हो जाता है और हादसों की आशंका कम हो जाती है। कुत्तों के व्यवहार को समझना बेहद जरूरी है, खासकर जब वे आवारा हों। उनकी हरकतें और बॉडी लैंग्वेज से हम पता लगा सकते हैं कि वे शांत हैं या आक्रामक होने वाले हैं। समय रहते इस बात की पहचान कर लेना बचाव की पहली सीढ़ी है। इसे इस ग्राफिक से समझिए।अगर किसी गली-मोहल्ले में लगे कि कुत्ता हमला कर सकता है तो घबराएं नहीं और शांत रहने की कोशिश करें। कभी भी उसकी आंखों में न देखें क्योंकि इससे कुत्ता और अग्रेसिव हो सकता है। साथ ही तेज भागने की बजाय धीरे-धीरे पीछे हटें। अपने हाथ या कोई वस्तु जैसे बैग, छड़ी या कपड़ा कुत्ते और अपने बीच में रखें ताकि वह आपको आसानी से न छू सके। अगर कुत्ता हमला कर भी दे तो गिरकर सिर और गर्दन को हाथों से ढंक लें और जोर-जोर से मदद के लिए चिल्लाएं। इससे समय रहते आसपास के लोग आपकी मदद के लिए आ सकते हैं।अगर किसी पर कुत्ते ने हमला किया है तो सबसे पहले घाव को साफ पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए। साबुन से धीरे-धीरे घाव की सफाई करनी जरूरी है ताकि उस पर कोई बैक्टीरिया न रहे। इसके बाद घाव को साफ कपड़े या पट्टी से ढंक देना चाहिए ताकि वह साफ रहे और संक्रमण न हो। अगर खून बह रहा है तो उसे रोकने की कोशिश करें। जितनी जल्दी हो सके नजदीकी डॉक्टर के पास जाकर इलाज कराना बहुत जरूरी है क्योंकि कुत्ते के काटने से बुखार या इन्फेक्शन हो सकता है। डॉक्टर आपको जरूरी दवाइयां या टीके देंगे। घाव पर घरेलू उपाय करने से बचें और डॉक्टर की सलाह लें।

डब्लूडब्लूई के रिंग में वापसी कर सकते हैं हल्क होगन? इस रेसलर ने लड़ाई के लिए दी चुनौती

नयी दिल्ली। डब्लूडब्लूई के एक

पुराने सुपरस्टार हल्क होगन से दो-दो हाथ करने को बेताब हैं। हाल के सालों में हल्क होगन कई विवादों में रहे हैं। इससे रेसलिंग के फैंस और उनके साथियों के बीच उनकी लोकप्रियता कम हुई है। पॉवर एंड ग्लोरी पॉडकास्ट में पूर्व डब्लूडब्लूई स्टार पॉल रोमा ने हल्क होगन के बारे में अपनी राय बताई। उन्होंने कहा कि एक दिव्यांग बच्चों के लिए मीट एंड ग्रीट के लिए देर से आया था। उस पर हल्क होगन का रिएक्शन देखकर उन्होंने अपना सम्मान खो दिया।रोमा ने कहा कि होगन ने हाथ उठाकर गुस्सा दिखाया और कहा, 'मुझे इसके लिए पैसे नहीं मिल रहे हैं।' रोमा ने बताया कि उस समय वह होगन को पीटना चाहते थे। लेकिन उन्हें डर था कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। साथ ही, 71 साल के होगन को चोट पहुंचाने और उनका करियर खत्म करने के लिए उन पर मुकदमा भी हो सकता है।अब, पूर्व डब्लूसीडब्लू टैग टीम चैंपियन रोमा ने होगन को फाइट के लिए चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि वे शूट फाइट या यूएफसी-स्टाइल बाउट के लिए तैयार हैं। रोमा ने कहा कि वे 66 साल के हैं और लड़ने के लिए तैयार हैं। अगर होगन उन्हें हरा सकते हैं, तो वे मार खाने के लिए भी तैयार हैं। पॉल रोमा ने हल्क होगन को थप्पड़ मारने की बात कही है।पूर्व डब्लूडब्लूई सुपरस्टार पॉल रोमा ने हल्क होगन के साथ संभावित लड़ाई के बारे में विस्तार से बताया। रोमा ने कहा कि अगर कभी लड़ाई हुई तो वह हल्क होगन को थप्पड़ मारेंगे।

457 दिन बाद की टेस्ट क्रिकेट में वापसी, कागिसो रबाडा ने 3 गेंद में ही बच्चों की तरह आउट कर दिया

लॉर्ड्स। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हालांकि, अफ्रीका का यह फैसला अभी तक तो सही साबित हो रहा है। अनुभवी गेंदबाज रबाडा ने ऑस्ट्रेलियाई पारी के 7वें ओवर में 2 विकेट ले लिए। उन्होंने उस्मान ख्वाजा को डक पर आउट किया जबकि कैमरन ग्रीन का भी शिकार कर लिया।ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन लंबे समय से क्रिकेट से दूर चल रहे थे। उनको बैक इंजरी हुई थी, जिसके बाद उन्होंने सर्जरी भी कराई थी। ग्रीन ने अब टेस्ट क्रिकेट में 457 दिन बाद वापसी की है। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में 2024 में 8 से 11 मार्च के दौरान खेला था।कागिसो रबाडा ने कैमरन ग्रीन को ऊपर की तरफ गेंद डाली, जिसको ग्रीन डिफेंड करना चाहते थे। लेकिन वह गेंद को टाइम नहीं कर पाए और गेंद बल्ले का एज लेते हुए स्लिप में गई, जिसको पकड़ने में एडन मार्करम ने कोई गलती नहीं की।26 साल के कैमरन ग्रीन ने अब तक डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले अपने करियर में कुल 28 टेस्ट मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 36.2 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए 1377 रन बनाए हैं। कैमरन ग्रीन ने अपने टेस्ट करियर में 2 शतक और 6 अर्धशतक ठोके हैं।साउथ अफ्रीकाः एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन, वियान मुल्डर, टेम्बा बावुमा (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरिन (विकेटकीपर), मार्को जेनसन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी।ऑस्ट्रेलियाः उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीवन स्मिथ, ट्रेविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड।

माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, किन्तु ज्ञान का विकल्प नहीं

इस हफ्ते मैं ट्रेन से, मध्यप्रदेश के बीना में बीपीसीएल फैक्ट्री विजिट पर गया था। मेरे सामने वाली सीट पर एक पेशेवर युवा बैठा था, पहले कुछ घंटे वह कुछ ज्यादा नहीं बोला। उसने मुस्कराकर अभिवादन किया और मैंने भी वैसे ही जवाब दिया। वह 'डूम स्क्रॉलिंग' में व्यस्त था, जिसका मतलब वह अपने फोन पर अंतहीन ऑनलाइन कंटेंट स्क्रॉल किए जा रहा था। मैंने भी अपने ज्ञान को ताजा करने के लिए एक पुरानी किताब फिर से पढ़नी शुरू की। पुरानी किताब- सर जॉन विटमोर की कोचिंग फॉर परफॉर्मेंस- का जाहिराना तौर पर रंग फीका पड़ गया था। अचानक उसने मेरी ओर देखा और कहा 'सर, क्या यह वही 'ग्रो मॉडल' है, जो कोचिंग के लिए महत्वपूर्ण टूल जैसा है और बातचीत एवं विकास को आसान बनाने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच मुहैया कराता है?' मैंने किताब बंद की और अचम्भे से उसकी ओर देखा। मैंने खुद से कहा 'वाह, इतनी छोटी उम्र में इसने बहुत पढ़ा है।' इस विचार के चलते मेरी उस युवा में उत्सुकता जागी और मैंने कहा, 'आपने कब ये पुस्तक पढ़ी? दरअसल, मैंने इस पुस्तक को दो दशक पहले खरीदा था।' उसने तपाक से कहा 'आप इस पुस्तक का चौथा संस्करण पढ़ रहे हो। मैंने इसके

छठे संस्करण के कुछ चुनिंदा समरी प्वाइंट पढ़े हैं।' और उसने अपने मोबाइल में दिखाते हुए पुस्तक के छठे संस्करण में जोड़े नए कॉन्सेप्ट को दोहराया। उसने इसी यात्रा में माइक्रो लर्निंग एप पर सर्फिंग करते हुए इस पुस्तक के बारे में जानकारी हासिल की थी। तब मुझे एहसास हुआ कि उसके जैसे कई लोग खुद में सुधार की लहर पर सवार हैं, एक नया वर्ग उन माइक्रो लर्निंग एप से सीखता है, जो किताब का निवालाभर सारांश देकर 15 मिनट में किसी को स्मार्ट बनाने का दावा करते हैं। मैंने कहा, 'निश्चित ही ये मात्रात्मक तौर पर अधिक जानकारी लेने का बढ़िया तरीका हो, किंतु गुणवत्ता के संदर्भ में नहीं।' और बिना किसी बहस के उसने भी इस पर सहमति दी। उसने प्रतिउत्तर में कहा, 'आपकी पीढ़ी को छोड़कर कोई भी गहरे ज्ञान में रुचि नहीं रखता और ये माइक्रो लर्निंग एप कम से कम हमें बोर्ड मीटिंग जैसे नाजुक मौकों से पार पाने में मदद करते हैं, जहां किसी को भी ज्ञान का प्रदर्शन करना होता है। ये एप पूरी किताब पढ़ने से पहले उपयोगी प्रीव्यू देते हैं।' और वो तर्क में सही था। एमएनसी में काम करने वाले व्यस्त एग्जीक्यूटिव को 260 पन्नों की भारी भरकम किताब क्यों पढ़नी चाहिए, जिसे मैं पढ़ रहा था? वो जो कर रहा था, उसमें स्मार्ट था। धीरे-धीरे हम एक दूसरे के बारे में और जानने लगे। वह किताब के बारे में मेरी बातों को पूरे ध्यान से सुनने लगा। लेकिन जब मैंने उससे पूछा कि 'अगर तुम्हें समरी रुचिकर लगती है तो क्या वास्तव में तुम किताब खरीदकर विषय को और गहराई से समझना चाहते हो? यहां पर उसने शर्माते हुए स्वीकार किया कि 'नहीं, मैं ऐसा नहीं करता।' यहीं पर मुझे लगा कि माइक्रो लर्निंग एप में कोई बात तो है। जब आपके पास ध्यान देने के लिए महज 3-4 मिनट ही हों, ऐसे में ये आपको अधिक उपलब्धि का अहसास करा सकता है। यदि कंटेंट सही से गढ़ा हो, तो यह एक समय पर दिमाग में बहुत अधिक सूचनाएं आने से पड़ने वाले भार को भी कम कर सकता है। खासकर उस युवा जैसे व्यस्त एग्जीक्यूटिव्स को त्वरित उपलब्धि का अहसास भी कराता है, जो देखकर, सुनकर व तार्किक तरीके से सूचनाओं को ग्रहण करना पसंद करते हैं। एप्लाइड साइकोलॉजी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट विभाग के प्रोफेसर्स कहते हैं कि तात्कालिक उपयोग के लिए माइक्रो लर्निंग एप अच्छे हैं।ये साबित हुआ है कि किसी एक विषय पर एक किताब के सारांश से दूसरे पर कूदने की तुलना में लंबे समय का अध्ययन अधिक समग्रता वाली समझ व ज्ञान विकसित करता है। यह आपको तत्काल बौद्धिक समृद्धता का अहसास कराता है। लेकिन इन प्रोफेसरों का कहना है कि 'विशेषतः जो लोग लंबे समय तक ढेर सारे एप का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें जरूरत के वक्त महत्वपूर्ण सूचना की कमी का अहसास होता है। फंडा यह है कि माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, लेकिन तभी, जब उन्हें ज्ञान के विकल्प के बजाय ज्ञान में सहायक के तौर पर उपयोग किया जाए।

हालात पहले से बेहतर पर हमें अभी और आगे बढ़ना है

मुल्क का वजूद उसके पुरुषार्थ-संकल्प से बनता है। न भूलें, बमुश्किल एक दशक पहले की हकीकत। अंग्रेजों का छोड़ा श्रेष्ठ डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर यहां था। पुरानी 41 ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां थीं। रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक 51 कंपनियां। फिर भी जवानों के पास बुलेटप्रूफ जैकेट और नाइट विजन ग्लासेस नहीं थे।कैग की टिप्पणी थी, वायु, रक्षा व आर्टिलरी के पास अति-आवश्यक हथियारों की कमी है। हथियार खरीदने में (थल सेना) को 1500-2000 करोड़ ही बचते थे। रक्षा संसदीय समिति (2012, अप्रैल) ने स्वीकारा कि हथियारों की क्रिटिकल स्थिति है। कमेटी (2012-13) स्तब्ध थी कि नई खरीद के लिए बजट में लगभग 5520 करोड़ ही थे। रक्षा मंत्री (फरवरी 2014) का बयान था- नो मनी, मेजर डील्स विल हैव टु वेट। आजादी की 66वीं वर्षगांठ पर केरन-सांबा क्षेत्र में पाकिस्तानी घुसे। भारतीय जवानों की हत्या कर कुछेक का सिर काट ले गए। रक्षा मंत्री ने संसद में गलत सूचना के लिए माफी मांगी। खबर दबाई गई। अमेरिकी आदेश पर भारतीय प्रधानमंत्री पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मिल रहे थे।वॉशिंगटन में। प्रधानमंत्री ने ओबामा से शिकायत की। नवाज शरीफ ने इसे 'देहाती औरत का रिरियाना' कहा। फिर पाक ने खंडन किया। इसके पहले के हालात (मुंबई ब्लास्ट वगैरह) समझने के लिए शिवशंकर मेनन की किताब है- 'चॉइसेस'। आज दुनिया ने (ऑपरेशन सिंदूर) में उसी भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत देखी। संसार की हथियार लॉबी, भारत के रक्षा कवच, इंटिग्रेटेड एयर कमान व

कंट्रोल सिस्टम देख हतप्रभ है। पाकिस्तान के हर घातक प्रहार को नाकाम करने वाली भारतीय स्वदेशी सुरक्षा तकनीक उन्होंने देखी। इसे विकसित किया है, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बेल) ने। इसी बेल की ईजाद अक्षयतीर एयरडिफेंस कंट्रोल सिस्टम है। यह है भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा-क्षमता व सामर्थ्य। 686 (2013-14) करोड़ रुपए के हथियार बेचने वाले भारत का आज रक्षा निर्यात 23622 करोड़ रुपए है। 2029 तक रक्षा निर्यात लक्ष्य 50000 करोड़ है। आज भारत कहां पहुंचा? ताजा रिपोर्ट (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था। भारत की जीडीपी अब 4.19 ट्रिलियन डॉलर है। 1971 में भारत व पाकिस्तान की जीडीपी में फर्क 57 अरब डॉलर था। आज 3.5 ट्रिलियन डॉलर है। पाकिस्तान पर 280 अरब डॉलर कर्ज है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना, अमेरिकन गोल्डन डोम व इजराइल के आयरन डोम से श्रेष्ठ रक्षा कवच विकसित करने में जुटी है। पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ स्वदेशी लड़ाकू विमान यहां बनने की घोषणा हुई है। हथियारों के प्रोडक्शन से आगे डिजाइन व डेवलपमेंट पर भारत कदम बढ़ा रहा है। जरूरत है कि हम अपने कामकाज की संस्कृति अव्वल बनाएं। वायुसेना चीफ की चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, वाजिब है। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं। इनमें श्रेष्ठ समन्वय वक्त की जरूरत है। राष्ट्रीय चरित्र व प्रतिबद्धता से ही प्रभावी कार्यसंस्कृति बनेगी। अतीत ने देखा है कि निजी लाभ के लिए जयचंदों, मीर जाफरों, जगत सेठों वगैरह की संस्कृति यहां रही है। आज ज्योति मल्होत्रा, देवेंद्र सिंह व अरमानों की फौज मुल्क को कमजोर करने में लगी है। ब्रिटिश इतिहासकार जे.आर. सिली (1834-1895) की किताब है- 'द एक्सपांशन ऑफ इंग्लैंड'। उसमें लिखा है कि 'हमने (यानी अंग्रेजों ने) भारत को नहीं जीता, खुद भारतीयों ने ही देश को हमारी तश्तरी में रख दिया।' चौधरी चरण सिंह ने सिली की इस पुस्तक का अनुवाद बंटवाया था, ताकि हमारा राष्ट्रीय चरित्र निखरे। हम खुद का आत्मविश्लेषण करें। यह राष्ट्रीय चरित्र ही इतिहास लिखता है। भारत का स्वर्णिम इतिहास चरित्रवान, संकल्पवान व दूरदृष्टि वालों ने ही बनाया था। देश के वायुसेना प्रमुख की यह चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, पूरी तरह से वाजिब है। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं। इनमें श्रेष्ठ समन्वय आज की जरूरत है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

ट्रम्प-मस्क विवाद से नेता-पूंजीपति समीकरण भी बदले

संसदीय लोकतंत्र के बहुत से आलोचक इसे बूर्ज्वा या पूंजीवादी लोकतंत्र भी कहते हैं। उनकी दलील है कि इस लोकतंत्र में ऊपर से देखने पर तो चुने हुए प्रतिनिधियों की सरकार काम करते हुए दिखती है, पर दरअसल इसके संचालन की बागडोर पृष्ठभूमि में बैठे बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घरानों के हाथ में रहती है। कॉर्पोरेट पूंजी सामने से नहीं दिखती। मंच पर खड़े होकर वोटों के लिए जनता की गोलबंदी अरबपति नहीं करते, और न ही वे संविधान की शपथ लेकर सरकार चलाते हैं। लेकिन, अब लगने लगा है कि सैकड़ों वर्ष से चल रहा यह सिलसिला कभी भी टूट सकता है। अगर ट्रम्प और मस्क के बीच चल रहा सार्वजनिक विवाद किसी नेता और पूंजीपति के बीच का होता, तो शायद समस्या इस तरह की नहीं होती। लेकिन यह झगड़ा दो अरबपतियों के बीच का है। ट्रम्प एक पारम्परिक नेता न होकर 5 अरब डालर के मालिक हैं, जो उन्होंने राजनीति में आने से पहले भवन-निर्माण के व्यवसाय से कमाए हैं। और मस्क की ख्याति तो दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की है ही। अभी कुछ दिन पहले ही ये दोनों मिलकर अमेरिकी सत्ता पर काबिज थे। आज एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। दुनिया भर के राजनेता और पूंजीपति इस जोड़ी को तब से परख रहे हैं, जब से उन्होंने जुगलबंदी शुरू की थी। जैसे ही मस्क ने ट्रम्प का खुलकर प्रचार शुरू किया और उनकी मुहिम में 25 करोड़ डालर का अनुदान दिया, वैसे ही स्पष्ट हो गया कि अगर ट्रम्प दूसरी बार जीते तो लोकतंत्र के एक नए मॉडल का प्रयोग शुरू हो जाएगा। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो पहली बार साबित हो जाएगा कि राजनेताओं के जरिए सत्ता का लाभ उठाने वाला पूंजीपति अगर चाहे तो खुद भी सत्ता का प्रत्यक्ष मालिक बन सकता है। अकेले न भी सही, तो दो-तीन महत्वाकांक्षी पूंजीपति लोकतांत्रिक तौर-तरीकों का इस्तेमाल करके योजनाबद्ध तरीके से मुहिम चला कर कुर्सी हासिल कर ही सकते हैं। ओटीटी पर प्रदर्शित लोकप्रिय अमेरिकी सीरीज 'बिलियंस' के दर्शकों को उसका वह पात्र याद ही होगा, जो अपनी धनशक्ति के दम पर राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनते-बनते रह गयाथा। वह काल्पनिक पात्र जो नहीं कर पाया वह ट्रम्प और मस्क ने मिलकर कर दिखाया। इसीलिए उनके इस झगड़े से दुनिया के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट चीफ परेशान हैं। शायद वे इस मॉडल को इतनी जल्दी खत्म होते नहीं देखना चाहते। बहरहाल, मामला इतना सरल नहीं है। ट्रम्प-मस्क मॉडल के पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक खास तरह की समझ काम कर रही है। यह मॉडल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के तहत पनपने वाले सामाजिक और व्यक्तिगत अस्तित्व को आर्थिक प्रक्रिया में घटाने पर टिका है। ट्रम्प मानते हैं कि अगर वे डॉलर बचाकर अमेरिकी करदाता द्वारा किए गए टैक्स भुगतान का बड़ा हिस्सा वापिस कर पाए और अंततः इस प्रक्रिया को चरम पर पहुंचाकर अमेरिका से इनकम टैक्स ही खत्म करने में कामयाब हो गए तो न केवल अमेरिका फिर से ग्रेट हो जाएगा, बल्कि स्वयं वे हमेशा-हमेशा के लिए वोटरों के चहेते बन जाएंगे। मस्क को वे अपनी इस महत्वाकांक्षा पूरी करने के एक सक्षम औजार की तरह देखते थे। लेकिन मस्क के भीतर भी महत्वाकांक्षाएं हैं। वे धन के साथ स्पेस-रोबोटिक्स-संचार टेक्नॉलॉजी को जोड़कर तैयार किए फॉर्मूले के दम पर जनता का दिल जीतना चाहते हैं। उन्हें अपनी अलग पार्टी बना कर राजनीतिक दावेदारी करने से भी परहेज नहीं है। कहना न होगा कि भारत का पूंजीपति वर्ग अमेरिका से अलग तरह का है। वह आज भी पृष्ठभूमि में रह कर सरकारी नीतियों का लाभ उठाने में यकीन करता है। इसीलिए आज तक शायद ही किसी पूंजीपति को सर्वोच्च नेता या सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ बोलते देखा गया है। भारत के कॉर्पोरेट घरानों की राजनीतिक महत्वाकांक्षा राज्यसभा की सदस्यता हासिल करने तक ही सीमित रही है। ट्रम्प-मस्क मॉडल की सफलता या विफलता का असर दुनिया के दूसरे हिस्सों के महत्वाकांक्षी पूंजीपतियों के लिए एक टेम्प्लेट जरूर मुहैया कराता है। यह राजनीति पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण करने के बजाय उसे हड़पने का मॉडल है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश आने वाले कल की नई कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है

कृषि क्षेत्र करोड़ों लोगों को आजीविका देता है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का प्रमुख आधार भी है। ऐसे में राष्ट्र की प्रगति के लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों की उन्नति आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण को नीति-निर्माण की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्थान दिया है। किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, उनकी फसल को सही दाम मिले और उनका जीवन खुशहाली से भरा हो, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। बीते दशक में केंद्र सरकार ने किसान कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनसे न केवल किसानों की आय बढ़ी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। चाहे न्यूनतम समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हो, फसलों की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो या तकनीकी नवाचारों के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने का प्रयास; सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों के लिए दिन-रात काम किया है। किसान हितैषी नीतियों, तकनीकी के उपयोग, नवाचार और बाजार तक सुगम पहुंच के माध्यम से भारत टिकाऊ, समावेशी और भविष्य-उन्मुख कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पहले के समय में हमारे किसान फसल लागत से नाममात्र का लाभ कमा पाते थे, पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट नीति बनाई कि हर फसल पर उसकी लागत से ऊपर, कम से कम 50इ मुनाफा सुनिश्चित होगा। आज खरीफ व रबी की प्रमुख फसलों के एमएसपी में 1.8 से 3.3 गुना तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है। 2004-14 के मुकाबले 2014-2025 के दौरान एमएसपी पर खरीदी गई फसलों की मात्रा और भुगतान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। सरकार ने केवल एमएसपी बढ़ाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि यह लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हमने पारदर्शिता और गति के साथ किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम दिलाया है। यह एक ऐसी कृषि क्रांति है, जो हमारे किसान भाइयों-बहनों का जीवन व खेती की दशा-दिशा बदल रही है। अब किसान निश्चिंत होकर खेती करता है, क्योंकि उसे पता है कि उसकी फसल का उचित मूल्य व समय पर भुगतान सुनिश्चित मिलना है। आज केंद्र सरकार बीज से बाजार तक, हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत जानने और सही फसल चुनने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा दे रही है। ई-नाम के जरिए डिजिटल बाजार से जुड़कर किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है। ड्रोन और स्मार्ट सिंचाई तकनीक खेती को आसान और आधुनिक बना रहे हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि यंत्रों पर अनुदान के माध्यम से हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया है। सरकार ने किसानों को ब्याज सहायता के तहत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण 7फीसदी ब्याज पर उपलब्ध कराया है। यह समय से चुकाने पर 3फीसदी अतिरिक्त छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर 4फीसदी रह जाती है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं, जिससे किसानों को सस्ता व सुलभ ऋण मिल रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के माध्यम से खेती को आधुनिक-टिकाऊ बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत मूल्य समर्थन योजना, मूल्य न्यूनता भुगतान योजना, बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य स्थिरीकरण निधि को लागू किया गया है। मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत दलहन, तिलहन व कोपरा की एमएसपी पर खरीद सीधे किसानों से की जाती है। 2024-25 में सोयाबीन की 19.97 लाख मीट्रिक टन व मूंगफली की 17.73 लाख मीट्रिक टन खरीद की गई, जो अब तक की सबसे अधिक है। तकनीकी नवाचारों के साथ ये पहलें किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध व खुशहाल बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं) (शिवराज सिंह चौहान)

क्या हम अब दो मोर्चों पर संघर्ष कर रहे हैं?

इतिहास हर एक जंग को एक नाम दे देता है। आधिकारिक तौर पर तो हाल के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विराम हो गया था, मगर लड़ाई 87 घंटे तक चली। भावी पीढ़ियों के लिए क्या इसे '87 घंटे की जंग' कहा जा सकता है? वैसे, मैं हैशटैग लायक कोई तीखा नाम देने की जगह विवरण देना चाहूंगा। जो कुछ हमने देखा, उसे दो मोर्चों पर जंग की शुरुआती चाल कहा जा सकता है। इसे आप ट्रेलर कह सकते हैं। ये चतुराई, धैर्य और सैन्य-ताकत के बूते चलने वाले लंबे युद्ध की पहली चालें हैं। चूंकि, पाकिस्तान ने इसकी शुरुआत की और वह पहलगाम में चीनी साजो-सामान, टेक्नोलॉजी और निर्देशन में लड़ा, इसलिए मैं कहूंगा कि वह सफेद मोहरों से खेल रहा था और चूंकि पहली चाल सफेद मोहरों वाला खिलाड़ी चलता है, इसलिए इस चाल को वह नाम दिया जा सकता है, जिसे शतरंज की भाषा में पहले पीके4 नाम दिया गया था और अब ई4 नाम दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि प्यादे को बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा कर दिया गया और प्रतिद्वंद्वी को इस चाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया गया। इस चाल के जवाब में विदेशी नामों वाली कई तरह की रणनीति अपनाई जा सकती है, मसलन : इटालियन गेम, स्कॉच गेम या रुई लोपेज। मुझे जो नाम ज्यादा उपयुक्त लगता है, वह है 'किंग्स गैंबिट' (बादशाह का दांव) क्योंकि यह रणनीति ज्यादा आक्रामक है और इसमें कई तरह की चालें चली जा सकती हैं। पाकिस्तान और चीन मिलकर यह खेल खेल रहे हैं और उन्होंने एक प्यादे को आगे बढ़ा दिया है। किंग और क्वीन की ताकत के साथ प्यादा पाकिस्तान ठीक सामने आ खड़ा हुआ है, बादशाह के घुड़सवार और काउंसेल यानी चीन नेपथ्य में हैं। वह अब भारत की चाल का इंतजार कर रहे हैं। आत्म-संतोष कोई रणनीति नहीं हो सकती। समय बीत रहा है। तमाम तरह की खबरें बता रही हैं कि सेना ने भी 'रेड टीम' गठित कर ली है, जिसमें तेजतर्रार अधिकारियों के एक समूह को दुश्मन की तरह सोचने और जवाबी कार्रवाई करने का काम सौंपा जाता है। 'रेड टीम' की तरह सोचिए, अगली चाल क्या हो सकती है। हमारी सोच का बुनियादी आधार यह है कि हम दो मोर्चों पर लड़ने की दुविधा को लेकर सोच-विचार तो करते रहे हैं, लेकिन कभी यह नहीं सोचा कि एक ही समय दो मोर्चों पर लड़ना पड़ सकता है। 1962 में पाकिस्तान अलग रहा, पर बिना शर्त नहीं। उसने कश्मीर पर बात करने की मांग रखी, जो अमेरिका-ब्रिटेन के दबाव में शुरू भी हुई। 1965 और 1971 में और कारगिल के बाद चीन अधिकतर अलग ही रहा है, लेकिन अब प्यादे को जिस तरह बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा किया गया है, उससे मामला बदल गया है। दो मोर्चों पर लड़ाई जारी है, सिवाय इसके कि चीन सीधी लड़ाई लड़ने की जरूरत नहीं महसूस कर रहा है। उसे पाकिस्तान के रूप में एक योग्य और अनुकूल 'प्रॉक्सी' (एवजी) मिल गया है। वह इसे एक साल के अंदर कुछ खास, मसलन 5वीं जनरेशन के लड़ाकू विमानों के मामलों में भारत से आगे निकलने नहीं तो कम-से-कम बराबरी करने के लिए आधुनिक साजो-सामान बेचता रहेगा। उसके उपग्रह और दूसरे 'आईएसआर' (खुफियागिरी, निगरानी, टोही) संसाधन उसके आश्रित को उपलब्ध रहेंगे और मौके पर सलाह तो फौरन मिलती रहेगी ही। पाकिस्तान की ओर से अगली उकसाऊ कार्रवाई में हमेशा की तरह पांच-छह साल नहीं लगेंगे। यह इससे पहले ही की जाएगी, जनाब फील्ड मार्शल अपनी सियासी पूंजी गंवा दें इससे पहले। तार्किक रूप से 'रेड टीम' इस नतीजे पर पहुंच सकती है कि चीन को अब भारत से सीधी लड़ाई करने की जरूरत नहीं है। उसे सिर्फ पाकिस्तान को इतना कुछ देते रहना है कि वह उसकी ओर से लड़ता रहे। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कोई भी रिपोर्ट पढ़िए, एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संकेत उभरता नजर आएगा। इस पूरे संघर्ष में आपने किसी अमेरिकी हथियार के इस्तेमाल की खबर नहीं पढ़ी होगी, एफ-16 विमानों के इस्तेमाल की भी नहीं। पूर्व चेतावनी और कंट्रोल सिस्टम से लैस स्वीडन के विमान चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स से लदे हुए हैं। सो, इसे आप चीन बनाम भारत संघर्ष के रूप में देखें, जिसमें मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना तैनात थी। दशकों से हम यही जानते रहे हैं कि चीन हमें दबाने के लिए पाकिस्तान का सस्ते में इस्तेमाल करता रहा है। यह रणनीति अब दो कदम आगे बढ़ चुकी है। पहला कदम यह था कि चीन पूर्वी लद्दाख तक आ धमका और हमने जो सेना पाकिस्तान के लिए रखी थी, उसके एक बड़े हिस्से को उसने वहां बांध दिया। दूसरा कदम पाकिस्तान की ओर से सीधी सैन्य चुनौती के रूप में उठाया गया। भारत ने जब इस 'पीके4' या 'ई4' वाली शतरंजी चाल का आक्रामक जवाब दिया तो दोनों पार्टनर पीछे हट गए। जैसा कि सीडीएस अनिल चौहान ने पुणे में दिए एक लेक्चर में कहा, उन दोनों ने सोचा होगा कि 9/10 मई की रात में उन्होंने रॉकेटों/मिसाइलों से जो हमले शुरू किए, वह भारत को घुटने टेकने पर मजबूर कर देंगे। यह दांव जब नाकाम रहा, उनके सभी रॉकेटों/मिसाइलों को मार गिराया गया और भारत की ओर से विध्वंसक जवाब ने पीएएफ को धूल चटा दी और उसके अड्डे तहस-नहस कर दिए, तब बुद्धिमानी संघर्ष विराम करने में ही थी। उनकी 'रेड टीम' अब सोच रही होगी कि अगले मुकाबले के लिए किस तरह तैयारी की जाए। अब उन्हें इन बातों के कारण चिंता होगी : भारत का बहुस्तरीय एयर डिफेंस, जिसकी अगुआई पीएएफ की मिसाइलों की पहुंच से काफी दूर एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइलें करती हैं; चीनी एचक्यू-9 समेत उनकी अपनी एयर डिफेंस की कमजोरी और एंटी-रेडिएशन ड्रोनों के इस्तेमाल से उनकी मिसाइलों को नाकाम या नष्ट करने की भारत की क्षमता। निश्चित मानिए कि चीन और पाकिस्तान मिलकर इन खामियों को दूर करने की जुगत भिड़ा रहे होंगे! कह सकते हैं कि पाक अब चीन की पश्चिमी कमांड है ... चीन पाकिस्तान को अब अपने पश्चिमी थिएटर कमांड के रूप में देखता है। मैं तो यहां तक कहना चाहूंगा कि चीनी सेना पीएलए पाकिस्तान को अपने सबसे नए, छठे थिएटर कमांड के रूप में देखेगी। इसे भारत को उलझाए रखना होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी

चीनी उत्पादों के वर्चस्व पर चिंता के बीच सीसीटीवी कंपनियों से जासूसी रोकने के लिए कंपनियों को कैमरे का हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सोर्स कोड सरकारी लैब में जांच के लिए देना पड़ सकता है। सूचना, संचार और मीडिया में अमेरिकी डिजिटल कंपनियों का कब्जा भी बेहद चिंताजनक है। इसी परिप्रेक्ष्य में विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी है। विदेशी कंपनी : भारत में 49 करोड़ यूजर्स वाले यूट्यूब ने 2022-2024 में कंटेंट क्रिएटर्स को 21000 करोड़ रु. से ज्यादा का भुगतान किया। यह प्रिंट या टीवी मीडिया के किसी भी ग्रुप की कुल आमदनी से कई गुना ज्यादा है। केंद्र सरकार के नए नियम के अनुसार विदेशी फंडिंग लेने वाले एनजीओ अखबार नहीं छाप सकते। लेकिन भारत में सबसे बड़ा मीडिया साम्राज्य स्थापित करने वाले यूट्यूब का टीवी या अखबार जैसा कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। उपभोक्ता अदालत के फैसले के खिलाफ वॉट्सएप ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील में कहा कि भारतीय अदालतों का अमेरिकी कंपनी पर क्षेत्राधिकार नहीं है। यूट्यूब भी अमेरिकी कानून से संचालित होकर भारत की पुलिस और अदालतों के क्षेत्राधिकार से बाहर रहने की कोशिश करता है। जासूसी : 4 यूट्यूब चैनलों में 41 करोड़ सब्स्क्राइबर्स वाले अमेरिका के मिस्टर बीस्ट के पास टॉम क्रूज और शाहरुख खान से ज्यादा संपत्ति है। यूट्यूब से कमाई को देखकर भारत में भी रील बनाने वालों की बाढ़ आई है। भारत में 15000 यूट्यूब चैनल ऐसे हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 10 लाख से ज्यादा सब्स्क्राइबर्स हैं। मुनाफे की अंधी दौड़ में इनमें से अनेक आपराधिक और देश-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त रहते हैं। शेयर मार्केट में इन्फ्लुएंसर्स से बढ़ रहे फ्रॉड और फर्जी कंटेंट को रोकने के लिए सेबी ने अनेक निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली पुलिस, मेट्रो और रेलवे ने रील बनाने के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किए हैं। गिरफ्तार यूट्यूबर्स की जासूसी से जुड़े मुकदमों में सरकार को अदालत में यह साबित करने में मुश्किल हो सकती है कि सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी को विदेश में साझा करने से किस कानून का उल्लंघन हुआ है? कॉपीराइट : कंटेंट आईडी टूल के माध्यम से कॉपीराइट उल्लंघन का पता चलने पर तीन स्ट्राइक के बाद यूट्यूब खाते पर रोक लग सकती है। एएनआई के साथ विवाद पर यूट्यूबर्स के तीन तर्क हैं। कॉपीराइट कानून में फेयर यूज के अनुसार कम समय की वीडियो क्लिपिंग का इस्तेमाल हो सकता है। दूसरा, कॉपीराइट के उल्लंघन के मामले में एएनआई उस वीडियो की आमदनी पर दावा कर सकती है। तीसरा, यूट्यूब चैनल पर मनमाने तरीके से रोक लगाना अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है। अमेरिका में कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में यूट्यूब चैनल को ब्लॉक नहीं किया जाता। यह भी समझना जरूरी है कि गूगल और सोशल मीडिया कंपनियों के सारे एआई प्लेटफॉर्म भारत में जनता और सरकार के डेटा का गैर-कानूनी तरीके से व्यावसायिक इस्तेमाल करके कॉपीराइट कानून को धता बता रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर यूट्यूब से हो रही आमदनी में भारत के पब्लिशर्स और सरकार के साथ टेक कंपनियों की रेवेन्यू शेयरिंग क्यों नहीं होनी चाहिए? टैक्स चोरी : साल 2016 में गूगल इंडिया ने भारत में नंबर एक कंपनी का दर्जा हासिल करने के लिए 4.29 लाख करोड़ की आमदनी का आंकड़ा दिया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के हलफनामे के अनुसार गूगल इंडिया 5904 करोड़ की आमदनी पर ही टैक्स देती थी। विवाद बढ़ने के बाद गूगल ने अगले साल से रैंकिंग वाली कम्पनियों के चार्ट में आमदनी के आंकड़े देना बंद कर दिया। गौरतलब है कि ग्राहक फीस और विज्ञापन के अलावा भारत के 50 करोड़ लोगों के डेटा के कारोबार से अरबों डॉलर कमाने वाली टेक कंपनियां डेटा शेयरिंग के अनुबंधों पर जीएसटी और दूसरे टैक्सों का भुगतान नहीं करतीं। सरकारी कंटेंट : नेता, अफसर, सरकार और पार्टियों के यूट्यूब चैनल में अमूमन विज्ञापन नहीं होने की वजह से आमदनी नहीं होती। लेकिन ऐसे वीडियोज का इन्फ्लुएंसर और दूसरी कंपनियां इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर आमदनी करती हैं।

अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड टॉक- फ्रेमवर्क पर सहमति बनी, यूएस को रेयर अर्थ मिनरल मिलने की उम्मीद,ट्रम्प-जिनपिंग की मंजूरी के बाद डील होगी

नयी दिल्ली। अमेरिका और चीन के अधिकारियों के बीच लंदन में 9-10 जून को हुई बातचीत के बाद ट्रेड को आगे बढ़ाने के लिए एक फ्रेमवर्क पर सहमति बनी है। यह वार्ता दोनों देशों के बीच टैरिफ विवाद को सुलझाने के लिए हुई। अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने मंगलवार को कहा कि इस सहमति से रेयर अर्थ मिनरल्स और मैग्नेट्स से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यह फ्रेमवर्क पिछले महीने जेनेवा में हुए समझौते को मजबूती देता है। लुटनिक ने बताया इस समझौते में कुछ अमेरिकी एक्सपोर्ट रिस्ट्रिक्शन को हटाने की भी बात हुई। उन्होंने ने कहा, 'हम इस फ्रेमवर्क को राष्ट्रपति ट्रम्प के पास ले जाएंगे और उनकी मंजूरी के बाद इसे लागू करेंगे।' दूसरी ओर, चीन इसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने रखेगा।ये फ्रेमवर्क अमेरिका के लिए बहुत जरुरी है। इस डील से अमेरिका को रेयर अर्थ मिनरल्स मिल सकते हैं, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और सेफ्टी इक्यूपमेंट के लिए होता हैं। यह फ्रेमवर्क अभी अंतिम नहीं है। इसे लागू करने से पहले दोनों देश अपने नेताओं की मंजूरी लेंगे। अमेरिका इसे राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने रखेगा, और चीन इसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने प्रस्तुत करेगा। अगर किसी एक ने भी इसे खारिज किया, तो ये प्रक्रिया फिर रुक सकती है। अमेरिका और चीन के बीच लम्बे समय से जारी ट्रेड वॉर ने वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित किया था। यह समझौता इसे सुधार सकता है।इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जेनेवा में ट्रेड डील पर सहमति बनी थी। दोनों देशों ने टैरिफ में 115फीसदी कटौती का ऐलान किया था। जिनेवा में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका, चीनी सामानों पर 30फीसदी टैरिफ लगाएगा। वहीं चीन, अमेरिकी सामानों पर 10फीसदी टैरिफ लगाएगा। दोनों देशों के बीच टैरिफ में यह कटौती फिलहाल 90 दिनों के लिए हुई।व्हाइट हाउस ने 11 मई को एक बयान में चीन से व्यापार समझौते की घोषणा की थी। हालांकि व्हाइट हाउस ने तब इसकी डिटेल नहीं दी थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे व्यापार घाटा कम करने के लिए एक डील बताया था, जबकि चीनी अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच अहम सहमति बनी है और नए सिरे से आर्थिक बातचीत शुरू करने पर सहमति हुई है। पिछले महीने ट्रम्प ने चीनी सामानों पर 145फीसदी टैरिफ लगा दिए थे, जिसके बदले चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125फीसदी तक का टैरिफ लगा दिया था। जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सालाना 600 अरब डॉलर का व्यापार लगभग रुक गया था। रेयर अर्थ एलिमेंट कुल 17 होते हैं, जिनमें लैंथेनम, नियोडियम, प्रासियोडियम जैसे मिनरल्स शामिल हैं। ये दिखने में आम खनिज जैसे लगते हैं, लेकिन इनमें विशेष मैग्नेटिक और इलेक्ट्रॉनिक गुण होते हैं जो उन्हें तकनीकी उत्पादों के लिए जरूरी बनाते हैं। ये 'रेयर' (दुर्लभ) कहलाते हैं, ये धरती के अंदर पाए जाते हैं। साथ ही इन्हें निकालने और इनका प्यूरिफिकेशन प्रोसेस काफी जटिल और महंगा होता है।रेयर अर्थ मिनरल्स का इस्तेमाल कई आधुनिक तकनीकों और इंडस्ट्री में होता है। जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स (स्मार्टफोन, लैपटॉप, और टीवी), इलेक्ट्रिक वाहन, विंड टरबाइन, सौर पैनल और बैटरी शामिल है।चीन रेयर अर्थ मिनरल्स का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। यह वैश्विक आपूर्ति का लगभग 60-70फीसदी हिस्सा कंट्रोल करता है। 2023 तक, चीन ने अपनी खनन और प्यूरिफिकेशन प्रोसेस में भारी निवेश किया।

बांग्लादेश में टैगोर के पैतृक आवास पर कट्टरपंथियों का हमला,उपद्रवियों ने तोड़-फोड़ की; पुलिस ने कार्रवाई नहीं की

ढाका। बांग्लादेश के सिराजगंज में मंगलवार को कट्टरपंथियों की भीड़ ने गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास पर हमला कर दिया। कचहरी घर के नाम से मशहूर टैगोर के पैतृक आवास में जमकर तोड़फोड़ की। जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम के कट्टरपंथियों की भीड़ ने टैगोर के विरोध में नारे भी लगाए। सूचना मिलने के बाद शहजादपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। थाना प्रभारी असलम अली का कहना है कि फिलहाल मामले की पड़ताल की जा रही। अभी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। काफी देर तक चले हंगामे के बाद पुलिस लौट गई, लेकिन शाम तक कट्टरपंथी मौके पर जमा रहे। बात दें कि राजधानी ढाका से लगभग 125 किमी की दूरी पर स्थित गुरुदेव टैगोर के इस दो मंजिला पैतृक आवास को म्यूजियम का दर्जा दिया गया है। गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर के दादा द्वारकानाथ टैगोर ने इस कचहरी घर का निर्माण 1840 में कराया था। कट्टरपंथियों ने आरोप लगाया कि मंगलवार को म्यूजियम के निदेशक सिराजुल इस्लाम ने एक व्यक्ति को बंधक बनाकर मारपीट की। जबकि इस्लाम ने ऐसी किसी भी घटना से इनकार किया है। पुलिस जांच में भी किसी को भी म्यूजियम में बंधक बनाए जाने की बात सामने नहीं आई। लेकिन देखते ही देखते कट्टरपंथियों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। बताया जाता है कि कट्टरपंथियों ने कचहरी घर में तोड़फोड़ करने की साजिश दो-तीन दिन से रची हुई थी। इसलिए भीड़ मौके पर जमा हो गई। म्यूजियम के पास ही दुकान चलाने वाले एक दुकानदार ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि कट्?टरपंथियों ने हमले की साजिश पहले से रची हुई थी। हमलावरों में स्थानीय लोग शामिल नहीं थे। टैगोर का म्यूजियम होने के कारण यहां काफी संख्या में पर्यटक आते हैं। इससे हम दुकानदारों की रोजी-रोटी चलती है। कट्टरपंथियों ने हमले से पहले यहां रैली भी निकाली गई थी।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। विपक्षी दलों, सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और सेना के बीच भी नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने राजधानी के केंद्र में सभी रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और जनसभाओं पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है।वहीं, ढाका पुलिस ने मोहम्मद यूनुस के आधिकारिक निवास 'जमुना गेस्ट हाउस' और बांग्लादेश सचिवालय के आसपास के एरिया को पूरी तरह सील कर दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है। जब सचिवालय में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार के एक अध्यादेश के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। डीएमपी कमिश्नर एसएम सज्जात अली ने बताया कि यह प्रतिबंध, सार्वजनिक व्यवस्था और चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस की सुरक्षा के लिए लगाया गया है। इससे पहले 10 मई को भी सरकार ने सीमा सुरक्षा बल और पुलिस की स्वाट टीमों को सरकारी इमारतों की सुरक्षा में लगाया था।

बिलावल बोले-अब भारत-पाक जंग हुई तो ट्रम्प रोक नहीं पाएंगे,कहा- पाकिस्तान में 2025 सबसे खूनी साल हो सकता है, भारत को जलयुद्ध की धमकी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने आशंका जताई कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच फिर से युद्ध छिड़ा तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के पास इसे रोकने के लिए वक्त नहीं होगा। उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट में यह बात कही। बिलावल ने भारत पर बलूचिस्तान में दखलंदाजी और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे संगठनों को सपोर्ट देने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा- क्या हर आतंकी हमले के बाद भारत के साथ युद्ध छेड़ देना चाहिए? पाकिस्तान शांति चाहता है, जो दोनों देशों के हित में है।बिलावल ने कहा कि इस साल पाकिस्तान में आतंकवाद बढ़ा है। अगर हिंसा इसी तरह जारी रही, तो 2025 सबसे खूनी साल हो सकता है।बिलावल ने कहा कि कश्मीर मुद्दे का हल किए बिना स्थायी शांति संभव नहीं है। उन्होंने पानी विवाद को भी उठाया और चेतावनी दी कि अगर भारत ने पाकिस्तान का पानी रोका, तो यह जल युद्ध की वजह बन सकता है। उन्होंने कहा- चाहे देश छोटा हो या बड़ा, वह पानी और अपनी जिंदगी के लिए लड़ेगा।भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि स्थगित कर दी है। पाकिस्तान की 80फीसदी खेती इसी नदी पर निर्भर है। सिंधु नदी को पाकिस्तान की लाइफलाइन कहा जाता है।बिलावल ने भारत पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर तोड़ने करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने कश्मीर को ग्लोबल मुद्दा माना है, न कि भारत का आंतरिक मामला।बिलावल ने भारत से बातचीत की अपील की और कहा कि भारत को पाकिस्तान से कई शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन बातचीत बंद करने से समस्याएं हल नहीं होंगी। बिलावल ने दावा किया कि अमेरिका के अफगानिस्तान से अचानक हटने और वहां छोड़े गए हथियारों की वजह से पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा- हम आतंकवाद, अफगानिस्तान और अन्य मुद्दों पर बात करते हैं। पिछले कुछ दशकों से अमेरिका के साथ हमारे रिश्तों में यही मुख्य मुद्दा रहा है। बिलावल ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियार काला बाजारी के जरिए आतंकियों के हाथ लग गए।पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री शेरी रहमान ने स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में स्वीकार किया कि पाकिस्तान अतीत में आतंकवाद से जुड़ा रहा है। हालांकि, जब उनसे अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन ब्रिगेड 313 के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस सवाल को टाल दिया। स्काई न्यूज की पत्रकार याल्दा हकीम के साथ बातचीत में रहमान ने कहा- आप बार-बार अतीत की बात करती हैं, क्योंकि वह ऐसा था। लेकिन अब पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है और यह एक बदला हुआ देश है। याल्दा हकीम ने रहमान से पूछा कि क्या भारत में होने वाले हमलों, खासकर ब्रिगेड 313 जैसे समूहों से जुड़े हमलों के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है। इस पर रहमान ने कहा- क्या हर बार भारत में हमला होने पर मैं युद्ध शुरू कर दूं? भारत में सैकड़ों विद्रोह चल रहे हैं। क्या उनके लिए हम जिम्मेदार हैं?ब्रिगेड 313 की स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई थी। इसका नाम पैगंबर मुहम्मद के 313 साथियों से प्रेरित है, जो बैटल ऑफ बदर में लड़े थे। इसकी लीडरशिप इलियास कश्मीरी के पास थी, जिसे पाकिस्तानी सेना ने ट्रेनिंग दी थी। यह संगठन लश्कर-ए-तैयबा, लश्कर-ए-झांगवी, हरकत-उल-जिहाद-इस्लामी, जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों का गठजोड़ है। यह अल-कायदा की लश्कर अल-जिल (शैडो आर्मी) का हिस्सा है।

पाकिस्तान से लादेन के कनेक्शन की सामने आई सच्चाई! जयशंकर ने दुनिया के सामने फिर खोली 'आतंकिस्तान' की पोल

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बेल्जियम सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर एक बार फिर सवाल उठाया है। विदेश मंत्री ने आतंकी ओसामा बिन लादेन का उदाहरण देकर पाकिस्तान को दुनिया के सामने फिर से नंगा किया है। इसके साथ उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने और देश की प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को लेकर भी अपनी बात रखी।जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की कार्रवाई को दो परमाणु हथियार संपन्न पड़ोसियों के बीच प्रतिशोध के रूप में पेश करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मीडिया की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं - ओसामा बिन लादेन नाम का एक आदमी था। वह सभी लोगों में से, वेस्ट प्वाइंट के ठीक बगल में एक पाकिस्तानी सैन्य शहर में वर्षों तक सुरक्षित क्यों महसूस करता था मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे - यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद के बारे में है। और यही आतंकवाद अंततः आपको परेशान करेगा।एस जयशंकर, पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद पर- 'आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। यह सभी के लिए एक चुनौती है। लेकिन जो बात इस चुनौती को भारत से अलग करती है, वह यह है कि अक्सर विभिन्न देशों में, एक समूह या ताकतों का समूह इसे अंजाम देता है। ऐसा बहुत कम होता है कि कोई देश इसे खुले तौर पर राज्य की नीति के रूप में इस्तेमाल करे। यूरोप में आतंकवाद होता है, लेकिन कोई भी पड़ोसी यूरोपीय देश आतंकवाद को घोषित राज्य नीति के रूप में नहीं अपनाता है।' जब उनसे पूछा गया कि यूक्रेन पर रूस के पूर्ण आक्रमण के बाद भारत ने यूरोपीय संघ और अन्य पश्चिमी देशों के साथ मिलकर रूस पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया, तो विदेश मंत्री ने भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि युद्ध के माध्यम से शांति नहीं आ सकती। विदेश मंत्री ने कहा कि हम नहीं मानते कि मतभेदों को युद्ध के ज़रिए सुलझाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि यह तय करना हमारा काम नहीं है कि वह समाधान क्या होना चाहिए। मेरा कहना यह है कि हम निर्देशात्मक या निर्णायक नहीं हैं - लेकिन हम असंबद्ध भी नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के यूक्रेन और रूस दोनों के साथ मजबूत संबंध हैं, लेकिन याद दिलाया कि जब पाकिस्तान ने आजादी के बाद भारत पर हमला किया था, तो पश्चिमी देश इस्लामाबाद के साथ खड़ा था।

न 20 डिग्री से कम, न 28 डिग्री से ज्यादा...सरकार के पास होगा आपकी एसी का रिमोट, नए नियम जान लीजिए

नई दिल्ला। भारत में अब एयर कंडीशनर के तापमान को लेकर नए नियम आने वाले हैं। सरकार एसी के तापमान को 20 डिग्री सेल्सियस से कम और 28 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रखने पर रोक लगाने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह जानकारी दी है। यह नियम घरों और दफ्तरों दोनों जगह इस्तेमाल होने वाले एसी पर लागू होगा। कई देशों में पहले से ही ऐसे नियम लागू हैं। अब भारत भी इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है। नए नियम क्या हैं, इसके पीछे मंशा क्या है, इसका क्या फायदा होगा? आइए, यहां इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस योजना के बारे में बताया है। नए नियमों के मुताबिक, एसी के लिए तापमान का एक नया स्टैंडर्ड लागू हो रहा है। एसी का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच तय किया जाएगा। इसका मतलब है कि एसी इसी रेंज के बीच में चलेगा। न 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे और न 28 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा। यह नियम घरों, कार्यालयों, मॉलों, होटलों और वाहनों सहित सभी क्षेत्रों में एयर कंडीशनर पर लागू होगा। वर्तमान में कई एसी 16 डिग्री सेल्सियस या 18 डिग्री सेल्सियस तक कम तापमान पर सेट किए जा सकते हैं। कुछ 30 डिग्री सेल्सियस तक जा सकते हैं। नया नियम इन सीमाओं को प्रतिबंधित कर देगा। सरकार एसी निर्माताओं के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि नए एसी में ये सेटिंग्स डिफॉल्ट रूप से आएं या पुराने एसी के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट जारी किए जा सकें।इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। ये ऊर्जा संरक्षण, बिजली ग्रिड पर दबाव कम करने और स्वास्थ्य से जुड़े हैं।जब एसी को बहुत कम तापमान पर (जैसे 16-18ष्टसी) चलाया जाता है तो यह बहुत अधिक बिजली की खपत करता है। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) के अनुसार, एसी का तापमान सिर्फ 1डिग्री सेल्सियस बढ़ाने से लगभग 6फीसदी बिजली की बचत होती है। अगर लोग अपने एसी को 20डिग्री सेल्सियस की बजाय 24डिग्री सेल्सियस पर सेट करते हैं तो लगभग 24फीसदी बिजली की बचत हो सकती है। इस कदम से उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी आएगी और राष्ट्रीय स्तर पर भी ऊर्जा की भारी बचत होगी।भारत में भीषण गर्मी के दौरान एसी का इस्तेमाल बहुत बढ़ जाता है। इससे बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाती है। एसी अकेले देश की कुल बिजली खपत का लगभग 20फीसदी (लगभग 50 गीगावाट) के लिए जिम्मेदार हैं। तापमान को मानकीकृत करने से बिजली ग्रिड पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे बिजली कटौती और ब्लैकआउट से बचा जा सकेगा।अधिक बिजली खपत का मतलब है अधिक जीवाश्म ईंधन (जैसे कोयला) जलाना। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन बढ़ता है। इसका जलवायु परिवर्तन में योगदान होता है। ऊर्जा दक्षता में सुधार करके सरकार कार्बन उत्सर्जन को कम करना चाहती है।विशेषज्ञों का मानना है कि बहुत कम तापमान पर एसी चलाने से शरीर को 'टेम्परेचर शॉक' लग सकता है जब कोई व्यक्ति ठंडे कमरे से बाहर निकलकर भीषण गर्मी में आता है। इससे सर्दी, थकान और यहां तक शरीर के आंतरिक अंगों पर भी तनाव पड़ सकता है। 22डिग्री सेल्सियस से 24डिग्री सेल्सियस का तापमान शरीर के लिए आदर्श माना जाता है। यह आराम प्रदान करता है और बाहर के तापमान के साथ बहुत बड़ा अंतर नहीं पैदा करता। 20डिग्री सेल्सियस से 28डिग्री सेल्सियस का यह दायरा आरामदायक और स्वास्थ्यवर्धक है।यह नियम लोगों को ज्यादा जिम्मेदार और ऊर्जा-सचेत तरीके से एसी का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।भारत का एसी के तापमान को 20 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच तय करने का कदम ग्लोबल ट्रेंड का हिस्सा है। कई देश ऊर्जा बचाने और उत्सर्जन कम करने के लिए इनडोर कूलिंग को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ देशों ने इन नियमों को आधिकारिक बना दिया है, जबकि अन्य उन्हें मजबूत सिफारिशों के तौर पर मानते हैं।इटली ने स्कूलों और डाकघरों जैसी सार्वजनिक इमारतों में कूलिंग के लिए न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तय किया है। यह कदम यूरोपीय संघ के जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप ऊर्जा के इस्तेमाल और उत्सर्जन को कम करने के लिए उठाया गया था। जापान में पर्यावरण मंत्रालय गर्मियों में एसी को 28 डिग्री सेल्सियस पर रखने की सलाह देता है। खासकर कार्यस्थलों में। यह कानून नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक जागरूकता अभियानों से समर्थन मिलता है। इसे कॉर्पोरेट जगत में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है1अमेरिका में कोई निश्चित नियम नहीं है। लेकिन, एनर्जी स्टार कार्यक्रम लोगों के घर पर होने पर एसी को 25.5 डिग्री सेल्सियस पर रखने का सुझाव देता है। इन दिशानिर्देशों को बिजली कंपनियों की ओर से चलाए जा रहे प्रोत्साहन और अभियानों का समर्थन मिलता है। चीन ने सरकारी कार्यालयों में गर्मियों के दौरान कूलिंग को 26 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं रखने को अनिवार्य कर दिया है। नियमों का पालन न करने पर जुर्माना लगाया जा सकता है।स्पेन ने 2022 में एक मजबूत रुख अपनाया। उसने एक कानून पारित किया जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों, कार्यालयों और वाणिज्यिक इमारतों में कूलिंग को 27 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं रखा जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया थर्मोस्टेट सेटिंग्स पर कोई सीमा नहीं लगाता है। इसके बजाय यह एसी यूनिटों की दक्षता पर फोकस करता है। अपने न्यूनतम ऊर्जा प्रदर्शन मानकों के माध्यम से केवल ऊर्जा बचाने वाले नियमों को पूरा करने वाले उपकरणों को ही बेचा जा सकता है। हालांकि, कार्यालयों और राज्य के दिशानिर्देश अक्सर तापमान को 22 डिग्री सेल्सियस से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने का सुझाव देते हैं। लेकिन, इसके लिए कानून नहीं है।

यूएन की कमिटी में पाकिस्तान की बढ़ी भूमिका... क्या भारत के लिए है चिंता की बात

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान को अहम भूमिका मिली है। पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद् की दो महत्वपूर्ण समितियों में 2025-26 के लिए गैर-स्थायी सदस्य के रूप में जगह बनाई है। यह 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और 1373 आतंकवाद निरोधक समिति का उपाध्यक्ष भी है। पाकिस्तान को यह पद ऑपरेशन सिंदूर के लगभग एक महीने बाद मिला है। ऐसे में यह सवाल है कि पाकिस्तान की नई भूमिका क्या भारत के लिए चिंता की बात है। तो इसका जवाब है कि भारत को इससे चिंतित होने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तान की भूमिका संयुक्त राष्ट्र में भारत के हितों के लिए सीधा खतरा नहीं है। पाकिस्तान को इन समितियों में पद मिलना एक प्रक्रिया का हिस्सा था। यूएन चार्टर के अनुच्छेद 28 के अनुसार, ये सभी समितियां यूएनएससी के 'सहायक अंग' मानी जाती हैं। इसका मतलब है कि 1988 टीएससी और 1373 टीएससी दोनों में यूएनएससी के सभी 15 सदस्य शामिल होते हैं। दो साल के लिए यूएनएससी का सदस्य बनने के बाद, कोई भी गैर-स्थायी सदस्य किसी न किसी समिति का अध्यक्ष जरूर बनता है।ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यूएनएससी के स्थायी सदस्य (चीन, फ्रांस, रूस, यूके और यूएस) प्रतिबंध समितियों की अध्यक्षता नहीं करते हैं। ऐसा इसलिए है ताकि हितों का टकराव न हो, क्योंकि वे प्रतिबंधों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पाकिस्तान को यूएनएससी का गैर-स्थायी सदस्य चुने जाने के बाद ही यह तय हो गया था कि उसे किसी समिति का अध्यक्ष बनाया जाएगा।हालांकि, इस बात के भी सबूत हैं कि किसी देश की क्षमता, इच्छा और राजनीतिक स्थिति को देखकर ही यूएनएससी का अध्यक्ष किसी सदस्य को किसी समिति का अध्यक्ष बनाता है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को 1988 समिति का अध्यक्ष बनाने के लिए यूएनएससी को उस पर भरोसा है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान के पास समिति की बैठकों का एजेंडा तय करने का अधिकार होगा। अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान का काम प्रतिबंधों की जांच करना और सूची में बदलाव करना है। वैसे भी, पाकिस्तान अकेले ही किसी व्यक्ति को सूची में शामिल या बाहर नहीं कर सकता है, क्योंकि इसके लिए सभी सदस्यों की सहमति जरूरी है।यूएनएससी की प्रेसीडेंसी से पाकिस्तान को कोई खास अधिकार नहीं मिलते हैं, लेकिन उसे कुछ प्रक्रियात्मक फायदे जरूर मिलते हैं। उदाहरण के लिए, प्रेसीडेंसी पाकिस्तान को यूएनएससी की बंद कमरे में/अनौपचारिक परामर्श आयोजित करने की क्षमता को बढ़ा सकती है, क्योंकि यूएनएससी के अध्यक्ष के पास ही परिषद की प्रक्रिया के अनंतिम नियमों में बैठकों बुलाने का अधिकार होता है।यूएनएससी की सहायक समितियों में पाकिस्तान का प्रभाव ज्यादातर अप्रत्यक्ष रहा है। वह चीन के समर्थन से भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को नामित करने के प्रयासों को रोकता रहा है। ऐसा 2022 में भी हुआ था, जब भारत ने 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति में अब्दुल रऊफ अजहर (जो उस समय वश के उप प्रमुख थे) पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा था। लेकिन चीन के विरोध के कारण यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका।पाकिस्तान का यूएनएससी का सदस्य होना ज्यादा चिंता की बात है, खासकर जब वह जुलाई में रोटेशनल प्रेसीडेंसी संभालेगा. 2013 में पाकिस्तान ने यूएनएससी की रोटेशनल प्रेसीडेंसी का इस्तेमाल कश्मीर पर यूएन का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया था। उसने आतंकवाद से निपटने में अपनी कमियों को छिपाने की भी कोशिश की थी। उसने तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार की अध्यक्षता में आतंकवाद पर एक मंत्रिस्तरीय बहस शुरू की थी। यह बहस यूएस नेवी सील्स द्वारा एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन को मारने के दो साल से भी कम समय बाद हुई थी।हालांकि, अध्यक्ष बनने से पाकिस्तान को कोई खास अधिकार नहीं मिल जाते हैं। ऐसे में भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने की उसकी क्षमता सीमित है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 1988 समिति को अब एक अलग स्थिति में काम करना पड़ रहा है। 2011 में स्थिति अलग थी, लेकिन अब तालिबान लगभग चार सालों से काबुल पर शासन कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पाने की कोशिश कर रहा है।पाकिस्तान हमेशा से ही यूएन में अपने पदों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करना चाहता रहा है. हालांकि, यूएनएससी की सहायक समितियों में पाकिस्तान की अध्यक्षता और उपाध्यक्ष पद भारत के हितों के लिए सीधा खतरा नहीं हैं। बल्कि, पाकिस्तान का सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति के रूप में इस्तेमाल करना यह दिखाता है कि आतंकवाद को रोकने के लिए यूएनएससी और उसकी सहायक समितियां कितनी कमजोर हैं। इन समितियों में ज्यादा बहस नहीं होती है और हर प्रस्ताव को पारित करने के लिए सभी सदस्यों की सहमति जरूरी होती है।

करण जौहर ने बताया कैसे हुई कार्तिक आर्यन से सुलह,कहा- हमें एक-दूसरे से दिक्कतें थीं, लेकिन परिवार में गिले-शिकवे होते हैं, दोस्ताना 2 से निकाला था

नयी दिल्ली। पॉपुलर फिल्ममेकर करण जौहर और कार्तिक आर्यन के बीच मतभेद दूर हो चुके हैं। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब करण जौहर ने कार्तिक को फिल्म दोस्ताना 2 से निकाल दिया था। साथ ही कहा था कि वो कभी साथ काम नहीं करेंगे। इस झगड़े के सालों बाद अब कार्तिक और करण जौहर फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और नागजिला में साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में हर किसी का सवाल था कि एक बड़े झगड़े के बाद दोनों की सुलह कैसे हुई। ऐसे सभी सवालों पर करण जौहर ने पहली बार खुलकर बात की है।हाल ही में बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में करण जौहर से कहा गया कि उन्हें और कार्तिक को साथ काम करते देख सरप्राइज मिला। ये कैसे हुआ। जवाब में करण जौहर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने इंटरनली चर्चा की और इसे सुलझाया। हमने जो बातें हुईं उसे भूला दिया। कार्तिक बेहद हार्डवर्किंग है। आज के समय में वो बेहद कनेक्टिव स्टार है, जिसकी बड़ी ऑडियंस है और उसे स्क्रीनप्ले की अच्छी समझ है। हम मिले, कोलेबोरेट किया, साथ काम करने का फैसला किया।

आगे करण जौहर ने कहा, सब ठीक है। उसके और मेरे, हमारे एक-दूसरे से कुछ इशू थे, लेकिन ये इंडस्ट्री बहुत छोटी है, जिसे मैं परिवार कहता हूं। और मुझे ऐसा लगता है कि परिवार में कभी-कभी गिले-शिकवे हो जाते हैं। आखिर में अच्छे लोग एक अच्छी फिल्म बनाना चाहते हैं और साथ मिलकर अच्छा कंटेंट बनाना चाहते हैं। जैसा मैंने कहा, ज्यादा बातों पर ध्यान मत दो। हमारे पास देखने के लिए बड़ा विजन है।दरअसल, कार्तिक आर्यन, करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 का हिस्सा थे। फिल्म की 20 दिनों की शूटिंग भी हो चुकी थी, लेकिन फिर अचानक धर्मा प्रोडक्शन ने अनाउंस कर दिया कि कार्तिक को फिल्म से हटाया जा रहा है। करण ने कार्तिक को फिल्म से निकालने पर कहा था कि वो अनप्रोफेशनल हैं और मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे हैं।धर्मा प्रोडक?शंस की तरफ से सूत्रों ने बताया था कि कार्तिक आर्यन तारीखें नहीं दे रहे थे और स्क्रिप?ट में कमियां भी निकाल रहे थे। विवादों के बीच करण के करीबी सूत्रों ने मीडिया इंटरव्यू में बताया था कि करण ने कार्तिक के साथ कभी काम न करने का फैसला किया है।2024 में कार्तिक आर्यन ने पहली बार दोस्ताना 2 के अचानक बंद होने पर खुलकर बात की थी। लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में कार्तिक ने कहा था, 'देखिए, वो बहुत पुरानी बात हो गई है। कई बार बहुत मिस कम्युनिकेशन हो जाता है और कई चीजें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती हैं। जब वो लिखा जाता है, तो कुछ और ही लगने लगता है।' कार्तिक ने ये भी कहा था, 'मैं तब भी चुप था और अब भी चुप हूं उन बातों पर। मैं बस 100 प्रतिशत काम करता हूं। जब भी ऐसी कोई खबर आती है या कोई कंट्रोवर्सी होती है, तो मैं अपने शेल में चला जाता हूं। मैं शांत रहता हूं। मैं इन चीजों में ज्यादा घुसता नहीं हूं, और ना ही कुछ साबित करने की जरूरत महसूस करता हूं।'

पार्थो घोष के अंतिम संस्कार में नहीं पहुंचा कोई स्टार,सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, भड़के यूजर्स ने बॉलीवुड को बताया मतलबी

नयी दिल्ली। बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म डायरेक्टर पार्थो घोष के निधन बाद के सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये वीडियो पार्थो घोष के अंतिम संस्कार से संबधित है। वीडियो में एक शख्स कह रहा है, 'फिल्मी बॉलीवुड की साक्षात सच्चाई देखिए। ये पार्थो घोष जल रहे हैं। वही पार्थो घोष, जो कभी कहा करते थे- लाइट, कैमरा, एक्शन! जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, श्री देवी, मिथुन जैसे दर्जनों कलाकार इनके लाइट, कैमरा, एक्शन अपना-अपना नौटंकी शुरू करते थे। वाह रे समाज सेवक! वाह रे राइटर एसोसिएशन! वाह रे फिल्मी दुनिया!'सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और एक बार फिर बॉलीवुड पर भड़क गए। एक यूजर ने कहा, 'संवेदना रहित संसार हो गया है।' बता दें कि पार्थो घोष का सोमवार को निधन हो गया। पार्थो घोष ने 90 के दशक में कई हिट फिल्में दीं। पार्थो घोष ने तीन दशक तक हिंदी और बंगाली सिनेमा में काम किया। वह ऐसे डायरेक्टर माने जाते थे, जो सामाजिक मुद्दों को भी अपनी फिल्मों में बड़ी खूबसूरती से पेश करते थे।पार्थो घोष ने करियर की शुरुआत 1985 में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। 1991 में आई फिल्म '100 डेज' से उन्होंने डायरेक्टर के तौर पर बड़ा ब्रेक पाया। यह फिल्म तामिल फिल्म 'नूरवथु नाल' का रीमेक थी। फिल्म 100 डेज (1991), जिसमें माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ थे, सुपरहिट साबित हुई थी।इसके बाद पार्थो घोष की फिल्म 'दलाल' (1993), मिथुन चक्रवर्ती के साथ आई और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल रही। 'तीसरा कौन?' (1994) भी हिट रही। यह मलयालम फिल्म 'नं.20 मद्रास मेल' का हिंदी रीमेक थी। इसके अलावा 'अग्नि साक्षी' (1996), 'गुलाम-ए-मुस्तफा' (1997) और 'युगपुरुष' (1998) जैसी फिल्मों के लिए भी वह जाने जाते हैं।पार्थो घोष की फिल्म 'अग्नि साक्षी' को घरेलू हिंसा जैसे संवेदनशील विषय पर बनी सबसे बेहतरीन फिल्मों में गिना जाता है। इसमें मनीषा कोइराला, जैकी श्रॉफ और नाना पाटेकर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म न केवल हिट हुई थी, बल्कि इसे उस साल भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भी भेजा गया था। फिल्म 'अग्नि साक्षी' के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए बेस्ट डायरेक्टर कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था। साल 2010 में पार्थो घोष ने 'एक सेकंड... जो जिंदगी बदल दे?' और 'रहमत अली' जैसी फिल्में डायरेक्ट कीं। 2018 में उन्होंने 'मौसम इकरार के दो पल प्यार के' से वापसी की। इस रोमांटिक फिल्म में मदालसा शर्मा और अविनाश वाधवन लीड रोल में थे।पार्थो घोष ने कई बंगाली फिल्में और टीवी सीरियल भी बनाए। हिंदी सिनेमा में उन्होंने बंगाली एक्ट्रेस ऋतुपर्णा सेनगुप्ता को लॉन्च किया था।

दीपशिखा नागपाल ने बताया शाहरुख से पहली मुलाकात का किस्सा,कहा- मैं उनसे प्यार करती थी, लेकिन वे बहुत रूड थे, इससे ईगो हर्ट हुआ

नयी दिल्ली। शाहरुख खान बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं। उनकी फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। उनकी ऑनस्क्रीन इमेज ने कई लोगों को उनका दीवाना बना दिया। एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल भी उन्हीं में से एक थीं।हाल ही में दीपशिखा ने 'इंस्टैंट बॉलीवुड' से बातचीत में बताया कि जब उन्हें 'कोयला' फिल्म में शाहरुख के साथ काम करने

का मौका मिला, तो वह बहुत उत्साहित थीं। वह शाहरुख के 'राज' के रोल से इंप्रेस थीं और उन्हें शाहरुख से प्यार था, लेकिन जब 'कोयला' फिल्म के सेट पर शाहरुख से उनकी पहली मुलाकात हुई, तो चीजें थोड़ी अलग निकलीं। पहले ही सीन में दीपशिखा को शाहरुख की बाहों में मरना था। वह नर्वस थीं। तभी डायरेक्टर राकेश रोशन ने उनकी तारीफ की। उन्होंने शाहरुख से कहा, 'दीपशिखा बहुत शानदार एक्ट्रेस हैं।' लेकिन शाहरुख का जवाब था, 'देखते हैं।' यह सुनकर दीपशिखा का ईगो हर्ट हुआ। उन्हें यह रूड लगा।दीपशिखा ने इस बात को चैलेंज की तरह लिया। उन्होंने अपना सीन बेहतरीन तरीके से किया, वह सीन बाद में एडिट कर दिया गया। हालांकि, वह आज भी उस पल को याद करती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अब भी उस सीन को महसूस कर सकती हूं।'बता दें कि समय के साथ शाहरुख और दीपशिखा के बीच दोस्ती हो गई। शाहरुख ने बादशाह फिल्म के लिए खुद दीपशिखा का नाम सुझाया था। प्रोड्यूसर रतन जैन ने उन्हें बताया था कि यह सिफारिश शाहरुख ने की थी, लेकिन शाहरुख ने कभी इसका जिक्र नहीं किया।दीपशिखा ने ये भी बताया कि वह बाद में भी शाहरुख के साथ कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा प्रोफेशनल दूरी बनाए रखी। सेट पर वे दोस्त बन गए थे, लेकिन वह सिर्फ अपने काम पर फोकस करती थीं। दीपशिखा को हाल ही में वेब सीरीज 'रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी' और टीवी शो 'इश्क जबरिया' में देखा गया था। 'कोयला' और 'बादशाह' के अलावा उन्होंने 'पार्टनर', 'जानम समझा करो', 'दिल्लगी' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। वह सतीश कौशिक के साथ फिल्म धूम धड़ाका में भी नजर आईं। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स में भी काम किया है। डायरेक्टर के तौर पर उनकी पहली फिल्म ये दूरियां अगस्त 2011 में रिलीज हुई थी। दीपशिखा ने 2014 में बिग बॉस 8 में भी भाग लिया था।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या क्यों हुई? लॉरेंस से दगा, बंबीहा से राबता! गोल्डी बराड़ ने किया चौंकाने वाला दावा

नयी दिल्ली। साल 2022, तारीख 29 मई, समय शाम के 5:30 बजे, मनसा के जवाहरके गांव की गलियां लगातार चल रही गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठी। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री को दिनदहाड़े ऐसा झटका लगा, जिसकी भरपाई शायद ही कभी हो पाए। सिंगर सिद्धू मूसेवाला की सरेराह हत्या कर दी गई। इस हत्या की जिम्मेदारी तब लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ के गैंग ने ली थी। लेकिन आज जब इस कचोट देने वाली वारदात को तीन साल बीत चुके हैं, परिवार से लेकर करोड़ों फैंस के दिल और दिमाग में सैकड़ों सवाल हैं। सवाल ये कि क्या वाकई बिश्नोई-बराड़ गैंग ने सिद्धू मूसेवाला की हत्या की?आखिर इस हत्या का कारण क्या था? महज 28 साल के सिद्धू ने किसी का क्या बिगाड़ा था?बुधवार, 11 जून 2025 को सिद्धू मूसेवाला के जन्मदिन पर बीबीसी की नई डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'द किलिंग कॉल' रिलीज हुई है। हालांकि, सिद्धू के पिता बलकौर सिंह ने इस डॉक्यूमेंट्री पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट का भी रूख किया है। लेकिन मनसा की अदालत ने इस पर बैन लगाने से इनकार कर दिया। अब बीबीसी ने इसे यूट्यूब पर रिलीज कर दिया है। इस डॉक्यूमेंट्री में सिद्धू मूसेवाला की हत?या से जुड़े सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश की गई है। यह जानने की कोशिश की गई है कि आखिर ये हत्या हुई क्यों थी?'द किलिंग कॉल' के दूसरे

एपिसोड में दावा किया गया है कि सिद्धू मूसेवाला और लॉरेंस बिश्नोई के आपस में संपर्क थे। वो भी तब से, जब वह कनाडा में रहता था और अपना सिंगिंग करियर शुरू कर रहा था। इसमें बताया गया है कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके विरोधियों के साथ सिद्धू मूसेवाला के संबंध भारत वापस लौटने के बाद और गहरे हो गए और कहीं ना कहीं, यही उनकी हत्या का कारण बन गया।इस डॉक्यूमेंट्री में हत्या के सह-आरोपी और फरार गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने ऑडियो रिकॉर्डिंग के जरिए घटना का पूरा जिक्र किया है। इस एपिसोड में खोजी पत्रकार इशलीन कौर बताती हैं कि सिद्धू मूसेवाला कनाडा में रहने के दौरान से ही लॉरेंस बिश्नोई के संपर्क में थे। उन्होंने यह भी कहा कि बिश्नोई के दुश?मन बंबीहा गैंग के साथ भी सिद्धू की दोस्ती हो गई थी।सीरीज के इसी एपिसोड में सिद्धू और लॉरेंस के बीच टकराव की मुख्य वजह जानने की कोशिश की गई है। म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़े एक अनाम सहयोगी ने बताया कि मंदीप धालीवाल एक गैंगस्टर था, जो बंबीहा गैंग का हिस्सा था। उसने एक कबड्डी मैच का आयोजन किया था। इसमें सिद्धू मसेवाला को परफॉर्म करने के लिए बुलाया था। लेकिन लॉरेंस बिश्नोई नहीं चाहता था कि सिद्धू उसके दुश्मन गैंग के साथ घूमे। पर सिद्धू उस कबड्डी वाले कार्यक्रम में पहुंचे थे।गोल्डी बराड़ ने ऑडियो रिकॉर्डिंग में इस वाकये की जानकारी दी है। उसने कहा, 'पहला विवाद भागो माजरा में कबड्डी खेल को लेकर हुआ था। हमारे राइवल यहीं से आते हैं। वह हमारे दुश्मन को बढ़ावा दे रहा था। तभी लॉरेंस और दूसरे लोग सिद्धू से नाराज हो गए। उन्होंने सिद्धू को धमकाया और कहा कि वे उसे नहीं छोड़ेंगे। लेकिन अपने अहंकार में सिद्धू मूसेवाला ने कुछ ऐसी गलतियां कीं, जिन्हें माफ नहीं किया जा सकता।'करीब दो साल पहले, अगस्त 2021 में विक्की मिड्दुखेड़ा की हत्या हुई थी। वह लॉरेंस और गोल्डी दोनों का करीबी दोस्त था। बंबीहा गैंग ने कथित तौर पर हत्या की जिम्मेदारी ली। लेकिन इससे सिद्धू के लिए मुश्किलें खड़ी हो गईं, क्योंकि वह बंबीहा से दोस्ती करने के लिए जाना जाता था। बाद में, जब हत्या की चार्जशीट दाखिल की गई, तो सिद्धू के करीबी सहयोगी और दोस्त शगनप्रीत सिंह का नाम भी हत्या की साजिश रचने में मदद करने वाले के तौर पर दर्ज किया गया।दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के एचजीएस धालीवाल इस डॉक्यूमेंट्री में बताते हैं, 'शगनप्रीत ने शूटरों की मेजबानी की थी। उन्हें रहने की जगह दी थी। बाद में शगनप्रीत देश छोड़कर चला गया।' इस घटना के बाद अफवाहें शुरू हो गईं कि सिद्धू मूसेवाला भी विक्की की हत्या में शामिल हो सकता है। भले ही उसने इससे इनकार किया, लेकिन धारणा ऐसी बनने लगी थी।गोल्डी बराड़ ने ऑडियो रिकॉर्डिंग में आगे कहा, 'विक्की की मौत में हर कोई सिद्धू की भूमिका जानता था। पुलिस जानती थी। यहां तक कि पत्रकार भी जानते थे। वह अपने राजनीतिक प्रभाव, अपने पैसे, अपने संसाधनों का इस्तेमाल हमारे दुश्मनों, हमारे भाई को मारने वालों की मदद करने के लिए कर रहा था। हम चाहते थे कि उसे उसके किए की सजा मिले। उसके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए था। उसे जेल जाना चाहिए था, लेकिन किसी ने हमारी नहीं सुनी। इसलिए हमने इसे अपने ऊपर लिया। जब शराफत बहरे पड़े कानों में पड़ती है, तो गोली की आवाज ही सुनाई देती है।' अपनी रिकॉर्डिंग के आखिर में गोल्डी बराड़ ने कहा, 'हमारे पास उसे मारने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं था। उसे अपने किए का अंजाम भुगतना था। या तो वह या हम। बस इतना ही।'

शुभांगी अत्रे के पूर्व पति पीयूष पूरे के बारे में बात करते हुए छलके आंसू, कहा- प्यार करती थी, नहीं भूल पाऊंगी

नयी दिल्ली। एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे,

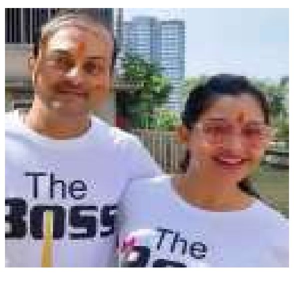

जो 'भाभी जी घर पर हैं', 'कसौटी जिंदगी की', 'कस्तूरी', 'चिड़िया घर' जैसे शोज में अपने अभिनय से लोगों को अपना दीवाना बना चुकी हैं, उनके लिए इस साल के शुरुआती कुछ महीने मुश्किलभरे रहे थे। पहले फरवरी में उनका तलाक हुआ और फिर अप्रैल में पूर्व पति पीयूष पूरे का निधन हो गया। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने उनके बारे में बात की और बीच में ही भावुक हो गईं। विरल भयानी की टीम से बात करते हुए शुभांगी अत्रे ने पूर्व पति पीयूष पूरे की मौत के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं यही कहूंगी कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। लेकिन, मुझे लगता है कि यह नशे की लत के कारण हुआ है। डॉक्टरों ने बहुत पहले ही बोल दिया था कि अगर वह अपनी लाइफस्टाइल में में चेंज नहीं करेंगे तो ये हो सकता है। इसलिए मुझे पता था कि उनकी जान जाने वाली है लेकिन यह इतनी जल्दी हो जाएगा, मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था।'शुभांगी अत्रे ने आगे कहा, 'मैं उन्हें सभी अच्छी चीजों के लिए याद रखना चाहती हूं। मैं उनसे प्यार करती थी और शायद मैं इस बात को कभी नहीं भूल पाऊंगी। अच्छी यादों में मैं पीयूष को याद रखना चाहती हूं और मैं आज भी यही बोलती हूं कि आशी को आशीर्वाद देते रहना। हम दोनों को गाईड करते रहना और बस इतना ही।' शुभांगी और पीयूष की शादी 2003 में हुई थी और 19 साल बाद उन्होंने तलाक लेने का फैसला किया था।एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे के पूर्व पति पीयूष की लीवर संबंधित बीमारी के कारण अप्रेल में निधन हो गया था। अंगूरी भाभी ने बताया था कि शराब की लत ने ही उनके रिश्ते को खराब किया था। सुधारने के लिए रीहैब भी भेजा था लेकिन कोई असर नहीं हुआ और उसी ने उनकी जान ले ली। एक्ट्रेस बेटी को प्रायोरटी मानती हैं और उसके कारण वह दूसरी शादी नहीं करेंगी।

पलक तिवारी ने कहा- जब सलमान सर मेरे सामने होते हैं तो मैं बोलना बंद कर देती हूं, मैंने कभी उनसे पैसे नहीं मांगे

नयी दिल्ली। श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने इंडस्ट्री में अपने लिए एक अलग रास्ता बना रही हैं। पलक ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, शायद कइयों को नहीं पता कि उन्होंने फिल्म 'अंतिम' के सेट पर बतौर असिस्टेंट काम किया था। पलक ने सेट पर रहकर काफी कुछ सीखा, जिसमें सलमान खान थे। पलक ने हालिया बातचीत में सलमान से फीस और उन्हें लेकर अपनी दीवानगी की बातें कही हैं।

उन्होंने 'मैशेबल इंडिया' को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'पैसा क्या होता है? मैं सलमान सर के प्रजेंस में हूं, आपको लगता है कि मैं पैसे मांगूंगी? क्यों, मैंने कभी पैसे नहीं मांगे, कभी नहीं! आप मांग सकते हैं, सलमान सर कहेंगे- ज़रूर। लेकिन मैं क्या बच्ची...मैं क्या ही कॉन्ट्रिब्यूट करूंगी कि वो मुझे पैसे दे यार।' पलक ने इस बातचीत में बताया कि वो किस कदर उनकी दीवानी हैं। पलक ने कहा, 'मैंने उनके साथ एक पूरी फिल्म की है, जब भी मैं उनसे आज तक मिलती हूं या यहां तक कि अगर मुझे उनका कोई मेसेज भी मिलता है तो मैं बिल्कुल दीवानी हो जाती हूं। मैं आमतौर पर स्टार-स्ट्रक नहीं होती, चाहे आप किसी को भी मेरे सामने बैठा सकते हैं। लेकिन जब वह मेरे सामने होते हैं तो मैं बोलना बंद कर देती हूं और हकलाना शुरू कर देती हूं। उन्होंने मेरी पूरी शख्सियत ही बदल दी।

फिर वो कहेंगे- आराम से बोलो, बिना झिझक के।पलक तिवारी ने आगे कहा, 'मैं सलमान सर की बहुत बड़ी फैन हूं। मैं अब इसे कोई सीक्रेट नहीं रखूंगी। लेकिन हर कोई जानता है कि मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।' फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में एक छोटी सी भूमिका से अपनी शुरुआत करने को लेकर बातें करते हुए पलक ने कहा, 'मुझे सलमान सर के साथ तीन महीने तक रहने के लिए पैसे मिलते हैं तो मैं कर रही हूं। यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। मैंने बहुत कुछ सीखा। मैंने बहुत अच्छे दोस्त बनाए। यह इंडस्ट्री में एक बहुत अच्छी शुरुआत थी मेरे लिए।'सलमान सेट पर सभी को कैसे लाड़-प्यार करते थे और उन्हें अपने घर से आया खाना खिलाते थे, इस बारे में भी बात करते हुए पलक ने कहा 'हम वहां आराम करते थे। वह हमें वहां जिम करवाते थे और मिठाई खिलाते थे। वह खुद को रोक कर नहीं रखते। वह डाइट में यकीन नहीं करते, इसलिए उनका शरीर इतना अच्छा है।

'हालांकि, अब वह रोजाना उनसे सम्पर्क में नहीं रहती हैं, लेकिन उन्हें पता है कि वह हमेशा सबके लिए मौजूद रहते हैं। पलक ने कहा, 'वह मेरे सबसे फेवरेट हैं, वो मेरे लिए आइडल हैं। सलमान सर सलमान सर हैं। अगर उन्हें आपसे कुछ कहना है तो वह आपसे कहेंगे। सलमान सर एक देवता की तरह हैं, जो सभी का ख्याल रखते हैं। वह बहुत दयालु भी हैं। उन्हें पता है कि आप किस दौर से गुज़र रहे हैं, इसलिए वह आपसे पूछेंगे- क्या आप ठीक हैं? जब भी वह आपसे यह पूछें तो बस ये जान लें कि वह आपके लिए मौजूद हैं।'

दिव्या दत्ता को पंजाब विद्रोह के दौरान मिली थी किडनैपिंग की धमकी, बताया- वह एक फ्रॉड था, उसने लेटर भेजा था

नयी दिल्ली। 'भाग मिल्खा भाग'

और 'वीर जारा' समेत भतेरी फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस दिव्या दत्ता ने अपने बचपन की एक दर्दनाक घटना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में पंजाब में उग्रवाद के दौरान उन्हें अपहरण की धमकी मिली थी। उस समय राज्य में बहुत तनाव था। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इस वाकये के बारे में काफी कुछ खुलकर बताया है। दिव्या दत्ता ने बताया, 'उस समय पर जो विद्रोह था, कुछ लोकर होते थे अपने जान पहचान वाले। वो भी कुछ मौकों का फायदा उठाते हैं। हर जगह ऐसा होता है। उन्होंने ऐसा खत भेजा था घर पर। छोटे शहरों में सपोर्ट सिस्टम बहुत स्ट्रॉन्ग होता है।' एक्ट्रेस ने आगे बताया कि कैसे ये धमकी एक फ्रॉड की तरफ से मिली थी और कैसे पूरी कम्यूनिटी उनके परिवार की मदद के लिए साथ आई थी।दिव्या दत्ता ने बताया, 'वह एक फ्रॉड था, जिसने लेटर भेजा था। मुझे अभी भी याद है कि कैसे लोग उस समय आए और हमारी मदद की थी। जब आप अकेले होते हैं तो अकेलापन मत महसूस करिए। शानदार पड़ोसियों की यही खूबसूरती होती है।' उन्होंने मुश्कल समय में छोटे शहर की ताकत और एकता के बारे में बात की। उनकी मां को आसपास के लोगों से भरपूर सपोर्ट मिला था। एक्ट्रेस ने बताया, 'छोटे शहर की खूबसूरती यह है कि आपके सभी रिश्तेदार आस-पास ही रहते हैं। मेरी मां अकेली थीं, लेकिन हर कोई उनके साथ खड़ा था। वह एक खूबसूरत एहसास था।'दिव्या दत्ता ने 1994 में अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'इश्क में जीना इश्क में मरना' से की थी। 31 साल से वह इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और तरह-तरह के रोल्स निभा रही हैं। उन्होंने 'छावा', 'बदलापुर', 'लुटेरा', 'उमराव जान' समेत अन्य में दिखी हं। अब अगली बार वह 'नास्तिक' नाम की मूवी में नजर आएंगी। हालांकि इस प्रोजेक्ट के बारे में कोई बड़ा अपडेट नहीं है।

जेनेलिया डिसूजा ने किया वट सावित्री व्रत, रितेश के लिए बरगद के पेड़ में धागे लपेटते देख बोले लोग- बीवी हो तो ऐसी

नयी दिल्ली।रितेश देशमुख की

पत्नी और एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में जेनेलिया अपने पति की लंबी उम्र के लिए वट सावित्री की पूजा करती दिख रही हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में 10 जून को वट सावित्री पूजा मनाया गया और जेनेलिया ने भी बाकी महिलाओं की तरह वट पूर्णिमा पर अपने पति रितेश देशमुख के लिए विधि-विधान से ये पूजा की। वट सावित्री व्रत पर विवाहित हिंदू महिलाएं अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए ये व्रत रखती हैं। जेनेलिया ने भी पूरी भक्ति से ये पूजा की जिसका वीडियो सामने आया है। जेनेलिया ने इंस्टाग्राम पर वट सावित्री की रस्में निभाते हुए एक वीडियो शेयर किया।एक्ट्रेस इस वीडियो में सलवार सूट में दिख रही हैं और वट सावित्री की पूजा करते हुए और बरगद के पेड़ के चारों ओर धागा लपेटती दिख रही हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।